शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 148 | गुवाहाटी | रविवार, 24 दिसंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

पांच-पांच संसदीय सीटों का क्लस्टर बनाएगी भाजपा — पेज 2
101 उम्मीदवारों ने 28 सीटों के लिए भरा नामांकन — पेज 3
कोरोना और युद्ध जैसी विभीषिकाओं से दुनिया को बचा सकता है गीता... — पेज 5
पंड्या के लिए आसान नहीं रहेगी मुंबई इंडियंस की कप्तानी, बुमराह... — पेज 7

गीता जयंती : एक करोड़ 46 लाख लोगों ने एक साथ किया पाठ

नई दिल्ली। श्रीमद्भागवत गीता को भारतीय संस्कृति में जीवन जीने का आधार माना गया है और इस महान ग्रंथ को लेकर पूरे विश्व में 75 भाषाओं में 3500 अनुवाद हो चुके हैं। श्रीमद्भागवत गीता के ज्ञान को वैश्विक पटल पर प्रसारित करने के लिए गीता मनीषी महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज की ओर से एक अनूठी एवं ऐतिहासिक पहल की गई है। गीता जयंती के अवसर पर एक मिनट, एक साथ, गीता पाठ की मुहिम उन्होंने शुरू की। देशभर के संतों, महात्माओं, धर्माचार्यों, भजन गायकों, बॉलीवुड कलाकारों और गायकों ने इसका व्यापक प्रचार किया, यहां तक कि राजनेता भी इस आध्यात्मिक मुहिम में शामिल हुए। अनेक मुख्यमंत्रियों सहित केंद्रीय मंत्रियों तक ने लोगों से गीता पाठ करने का आह्वान किया और आम लोगों ने भी सोशल मीडिया पर इसे जमकर वायरल किया, जिसका असर यह हुआ कि गीता पाठ का यह संकल्प देश ही नहीं विदेशों में बैठे हिंदुओं के लिए गीता जागृति आंदोलन बन गया। खास बात यह है कि स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज ने गीता जयंती के अवसर पर गीता पाठ करने का आह्वान 28 नवंबर को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत व अन्य संतों की उपस्थिति में किया था और इस आह्वान के एक सप्ताह के भीतर ही देश ही नहीं विदेशों में बैठे हिंदुओं तक गीता पाठ का यह संकल्प इस कद्र वायरल हो गया कि गीता जयंती का दिन आने तक यह एक बड़ा अध्यात्मिक एवं जनचेतना अभियान बनकर सामने आया और शनिवार को देश व विदेशों में करीब 1 करोड़ 46 लाख लोगों ने एक साथ गीता पाठ करके एक नया एवं अनूठा रिकॉर्ड बनाया। गौरतलब है कि गीता ज्ञान का प्रकाश पूरे विश्व में फैलाने के लिए गीता मनीषी महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज पिछले 32 वर्षों से लगातार प्रयास कर रहे हैं और देश के साथ-साथ विदेशों में भी उन्होंने गीता का प्रचार व प्रसार किया है। हरियाणा सरकार की पहल पर 2019 में विदेशों में शुरू किए गए गीता जयंती महोत्सव को लेकर स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज अब तक मॉरीशस, लंदन, कनाडा व ऑस्ट्रेलिया में आयोजन कर चुके हैं। गीता ज्ञान के प्रति उनके प्रयास निश्चित रूप से सराहनीय है। उनकी पहल के बाद ही देश व विदेश में बैठे हिंदुओं ने शनिवार को 11 बजे एक मिनट के लिए एक साथ गीता पाठ किया, जिसमें श्रीमद्भागवत गीता जी के तीन श्लोकों का उच्चारण किया गया। इनमें प्रथम अध्याय का प्रथम श्लोक, 9वें अध्याय का 22वां श्लोक व 18वें अध्याय का 78वां श्लोक शामिल है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने भी स्वामी जी के प्रयासों को

सराहनीय बताते हुए कहा कि एक मिनट, एक साथ, गीता पाठ की पहल अद्भुत है। अगर आपको 700 श्लोक में ज्ञाननिधि का सारांश चाहिए, उससे भी कम 18 श्लोक में चाहिए और उससे भी भी कम तीन श्लोक में चाहिए तो यह पहल स्वामी जी ने की। यह तीन श्लोक वास्तव में गीता ज्ञाननिधि का सारांश हैं। संघ प्रमुख मोहन भागवत का कहना है कि गीता में कर्म के महत्व के बारे में विस्तार से बताया गया है। इसी प्रकार से महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी महाराज ने कहा कि गीता ज्ञान का विश्व व्यापी अभियान एक अनूठी पहल है। विदेशों में भी गीता के प्रति स्वीकार्यता का होना एक अच्छा संकेत है। आज 75 भाषाओं में -शेष पृष्ठ दो पर

भगवान श्रीकृष्ण असम के दामाद हैं : हिमंत विश्व

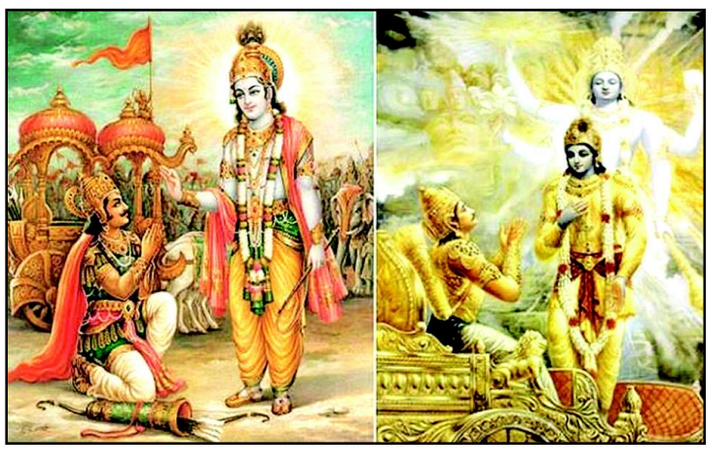

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि भगवान श्रीकृष्ण असम के दामाद हैं, क्योंकि उन्होंने असम की बेटी रुक्मिणी से विवाह किया था। इसलिए भगवान कृष्ण के साथ हमारा रिश्ता एक दामाद का है। उत्सव के दौरान मुख्यमंत्री शर्मा ने असम और भगवद गीता की महाकाव्य कथा के बीच गहरे सांस्कृतिक संबंध पर प्रकाश डाला। मुख्यमंत्री आज

हरियाणा के कुरूक्षेत्र में *अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव* समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह त्योहार हिंदू भक्तों के लिए एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है, जो भगवद गीता की उत्पत्ति का जश्न मनाता है, जो एक पवित्र ग्रंथ है। एक दार्शनिक मार्गदर्शक और आध्यात्मिक हिंदुओं के लिए शिक्षक है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष का उत्सव विशेष रूप से विशेष -शेष पृष्ठ दो पर

असमिया लड़की की रहस्यमयी मौत पर तिनसुकिया सीमा में तनाव

तिनसुकिया। पड़ोसी राज्य अरुणाचल प्रदेश में असम की एक लड़की की रहस्यमय मौत के बाद तिनसुकिया में असम-अरुणाचल प्रदेश सीमा क्षेत्र में स्थिति तनावपूर्ण हो गई है।

पड़ोसी अरुणाचल प्रदेश में असमिया लड़की की मौत को लेकर शुक्रवार रात असम की सीमा पर स्थित अरुणाचल शहर बोरदुमसा में तनाव व्याप्त हो गया। मृतक लड़की के परिवार के लिए न्याय की मांग करते हुए स्थानीय लोगों के साथ-साथ राजनीतिक दलों और संगठनों के नेताओं ने असम-अरुणाचल प्रदेश सीमा के द्वार बंद किया और राजमार्ग पर टायर जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। मामले की जानकारी के मुताबिक, पेंगेरी के टेकेरी की एक 10 साल की लड़की अरुणाचल -शेष पृष्ठ दो पर

म्यांमार सेना ने अराकान आर्मी पर बरसाए बम, 50 से अधिक की मौत

एजल। भारत-म्यांमार सीमा पर शुक्रवार को म्यांमार सेना के लड़ाकू विमानों ने अराकेन आर्मी बेस पर बमबारी की। इसमें अभी तक 50 कैडरों के मौत की खबर है। भारतीय सीमा के अंदर इस बामबारी का कोई असर नहीं हुआ है। विश्वस्त सूत्रों से पता चला है कि शुक्रवार शाम को करीब को तीन बजे म्यांमार सेना (एमए) के लड़ाकू विमानों और हेप्टरों ने म्यांमार गांव वरंग के पास स्थित अराकन आर्मी (एए) बेस पर बमबारी की। घटना में 40-50 एए कैडर मारे गए हैं और अन्य करीब 30 घायल हुए हैं। जानकारी के मुताबिक वरंग के सभी ग्रामीण जंगलों में भाग गए -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

पुलिस को पत्रकारों से सूत्र पूछने का अधिकार नहीं है : सीजेआई

नई दिल्ली। देश के सर्वोच्च न्यायालय ने एक बार फिर पुलिस प्रशासन एवं प्रशासनिक अधिकारियों को जमकर निशाना साधा और चेतवानी भी दी। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूर्ण की बेंच ने कहा कि संविधान के आर्टिकल 19 और 22 के तहत पत्रकारों के मूल अधिकारों की स्वतंत्रता के खिलाफ पुलिस किसी भी पत्रकार के सूत्र नही पूंछ सकती है और न ही न्यायाल। तब तक जब तक कि पत्रकारों के खिलाफ बिना जांच और पुख्ता सबूत के दर्ज मुकदमे और गवाही की जांच नही हो जाती है। आज कल देखा जा रहा है कि पुलिस पत्रकारों की स्वतंत्रता -शेष पृष्ठ दो पर

कोविड के जेएन.1 वैरिएंट से लड़ने के लिए राज्य पूरी तरह तैयार : स्वास्थ्य मंत्री

गुवाहाटी। भारत में कोविड-19 उप-संस्करण जेएन.1 के डर के बीच, असम के स्वास्थ्य मंत्री मंत्री केशब महंत ने आज कहा कि असम वायरस के एक नए संस्करण से लड़ने के लिए पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने कहा कि वायरस के नए स्ट्रेन सामने आने की स्थिति में सभी एहतियाती कदम उठाए गए हैं। हर अस्पताल में अस्पताल, डॉक्टर, आईसीयू तैयार हैं। हम कोविड से लड़ने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में राज्य में कोविड-19 का कोई नया मामला सामने नहीं आया, लेकिन विदेश से राज्य में आए एक मरीज को कोविड-19 पॉजिटिव पाया गया। राज्य सरकार की ओर से उन्हें बिना किसी शुल्क के पूरा सहयोग दिया गया और उन पर नजर रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि भारत में कोविड-19 सब वैरिएंट जेएन.1 के डर के बीच, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने संक्रमण को रोकने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए बुधवार को सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। भारत में पिछले 24 घंटों में 752 नए कोविड-19 मामले दर्ज किए गए, जो सात महीनों में सबसे अधिक और कल दर्ज किए गए संक्रमणों की संख्या से दोगुने से भी अधिक है। इसी अवधि के दौरान -शेष पृष्ठ दो पर

अब से समलैंगिक जोड़ों को आशीर्वाद दे सकेंगे कैथोलिक पादरी

शिलॉन्ग। मेघालय में कैथोलिक चर्च ने घोषणा की है कि उसके पादरियों को समलैंगिक जोड़ों को बिना किसी विवाह संस्कार के आशीर्वाद देने की अनुमति दी जाएगी। यह फैसला ऐसे समय में किया गया है, जब कुछ दिन पहले पोप फ्रांसिस ने ऐसे जोड़ों के लिए आशीर्वाद देने की मंजूरी दी है। इस घोषणा से दस लाख से ज्यादा की आबादी वाले पूर्वोत्तर राज्य में कैथोलिक चर्च संगठन में बड़े बदलाव आएंगे। शिलॉन्ग के मुख्य पादरी विक्टर लिंगदोह -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात
किसी भी कार्य में पल भर का भी विलंब न करें।
– आचार्य चाणक्य

पीड़ित की सुनवाई के बगैर सरकार वापस नहीं ले सकेगी केस

नया कानून नागरिक सुरक्षा संहिता में लागू होने को तैयार

नई दिल्ली। दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की जगह प्रस्तावित नया कानून भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता लागू होने को तैयार है। यह संसद के दोनों सदनों से पारित हो चुका है। इस प्रस्तावित कानून में कई खूबियां हैं। इसे विशेषकर अपराध के पीड़ित को ध्यान में रख कर बनाया गया है। नए कानून में आपराधिक मुकदमा वापस लेने के सरकार के एकतरफा अधिकार पर अंकुश लगाया गया है। नया कानून कहता है कि मुकदमा वापस लेने की अर्जी मंजूर करने से पहले पीड़ित को पक्ष रखने और सुनवाई का मौका दिया जाएगा। सीआरपीसी में ऐसा कोई प्रविधान नहीं है। इससे साफ है कि नए कानून में राज्य सरकार के पास मुकदमा वापस लेने का एकतरफा अधिकार नहीं रहेगा। इसमें पीड़ित को भी सुना जाएगा। नया कानून लागू होने के बाद राजनीति से प्रेरित होकर मुकदमे वापस लेने की प्रवृत्ति पर भी रोक लगेगी। कई बार सरकारें सत्ता में आने के बाद इस तरह के कदम उठाती हैं। 2013 में उत्तर प्रदेश में सपा सरकार का बम विस्फोट के आरोपित आतंकियों के मुकदमे वापस लेने के प्रयास का मामला उल्लेखनीय है। हालांकि कोर्ट ने इजाजत नहीं दी थी। अपराध किसी व्यक्ति के खिलाफ नहीं, बल्कि राज्य के -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश में घना कोहरा, छह नौकाएं फंसी रही नदी में

ढाका (हि.स.)। बांग्लादेश में आज (शनिवार) सुबह घने कोहरे ने जलमार्ग की फेरी सेवाओं को बाधित कर दिया। छह नौकाएं पद्मा नदी के बीच में फंसी रहीं। बांग्लादेश के प्रमुख अखबार ढाका ट्रिब्यून के अनुसार खराब दृश्यता के कारण जलमार्ग का परिचालन बुरी तरह प्रभावित रहा। ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, घने कोहरे के बीच खराब दृश्यता के कारण दौलतदिया-पतुरिया जल मार्ग पर फेरी सेवाएं डेढ़ घंटे तक निलंबित रहीं। दौलतदिया -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस के विरोध मार्च में हिंसा पुलिस ने छोड़ी पानी की बौछारें

तिरुवनंतपुरम। केरल में विपक्षी दल कांग्रेस के प्रदर्शन के दौरान हिंसा की खबरें है। प्रदर्शनारियों ने पुलिसकर्मियों पर पथराव किया, जिसके बाद भीड़ को काबू में करने के लिए पुलिस ने पानी की बौछारें छोड़ीं। यह मार्च केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) ने वाम सरकार के लोगों तक पहुंचने के कार्यक्रम *नव केरल सदास* के खिलाफ आंदोलन के दौरान अपने कार्यकर्ताओं पर पुलिस के कथित अत्याचार के विरोध में आयोजित किया था।बताया जा रहा है कि जिस वक्त पुलिस ने आंसू गैस के गोले और पानी की बौछारें छोड़ीं उस वक्त केपीसीसी प्रमुख के. सुधाकरन, विधानसभा में विपक्ष के नेता वीडी सतीशन और वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला सहित वरिष्ठ नेता डीजीपी कार्यालय के पास अस्थायी मंच पर मौजूद थे। सुधाकरन और चेन्निथला आंसू गैस के गोलों से प्रभावित -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

अमेरिका में मंदिर की दीवार पर लिखे खालिस्तान संबंधी नारे

वॉशिंगटन (हि.स.)। अमेरिका में खालिस्तान समर्थक शरारती तत्वों ने एक हिंदू मंदिर को निशाना बनाया है। इन तत्वों ने इस मंदिर की दीवार पर भारत विरोधी नारे लिखकर सामाजिक ताने-बाने पर चोट करने की कोशिश की है। यह घटना कैलिफोर्निया के नेवार्क शहर की है। नेवार्क पुलिस ने घटना की गहन जांच का आश्वासन दिया है। इस घटना से संबंधित सचित्र विवरण हिंदू अमेरिका फाउंडेशन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किया है। इसमें स्वामी नारायण मंदिर की दीवारों पर नारे लिखे दिख रहे हैं। भारत और भारतीय -शेष पृष्ठ दो पर

वेदों को अधिक से अधिक लोगों तक ले जाना गुरुकुल की जिम्मेदारी : जगदीप धनखड़

हरिद्वार (हि.स.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि वेद भारत की सांस्कृतिक धरोहर हैं और वेदों के ज्ञान को आम जनमानस तक ले जाना होगा। गुरुकुल विश्वविद्यालय की पुण्य भूमि इस कार्य के लिए उपयुक्त है। बतौर अतिथि उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने ये बातें शनिवार को त्रिदिवसीय वेद-विज्ञान, संस्कृति महाकुंभ और अंतर्राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी के उद्घाटन अवसर पर विश्वविद्यालय में आयोजित समारोह में कहीं। उन्होंने कहा कि संस्कृति विरोधी ताकतों पर प्रतिघात होना चाहिए। भारत की गौरवशाली संस्कृति है और

इसके वैभव से समस्त विश्व परिचित रहा है। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय दर्शन और वैदिक ज्ञान का पुरातन और प्रतिष्ठित केंद्र रहा है। उन्हें पूरा विश्वास है कि इस महाकुंभ के मंथन की गूंज देश के सभी विश्वविद्यालयों तक जाएगी। विशिष्ट अतिथि और उत्तराखंड के राज्यपाल ले.जे. गुरमीत सिंह ने कहा कि वेदों से हमें आत्म ज्ञान मिलता है और युवा शक्ति को आत्म मूल्य को समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय शिक्षा पद्धति और वैदिक ज्ञान-विज्ञान ने चरित्र निर्माण का कार्य किया -शेष पृष्ठ दो पर

इजराइली सेना के हमले में एक ही परिवार के 76 लोगों की मौत

राफाह (गाजा पट्टी)। इजराइली सेना की ओर से गाजा में किए गए हवाई हमले में एक ही परिवार के 76 सदस्य मारे गए हैं। राहत एवं बचाव अभियान से जुड़े अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। इससे एक दिन पहले, संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने फिर चेतावनी दी है कि गाजा में अब कोई भी जगह सुरक्षित नहीं है और इजराइल के लगातार हमले लोगों को मानवीय सहायता पहुंचाने में बड़ी बाधाएं पैदा कर रहे हैं। गाजा के नागरिक सुरक्षा विभाग के प्रवक्ता महमूद बासल ने कहा कि गाजा शहर में एक इमारत पर शुक्रवार का हमला इजराइल-हमास युद्ध के सबसे घातक हमलों में से एक था। यह युद्ध बीते 12 सप्ताह से जारी है। महमूद -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

पांच-पांच संसदीय सीटों का क्लस्टर बनाएगी भाजपा

मैराथन बैठक में शाह व नड्डा ने खींचा लोस चुनाव की तैयारियों का खाका

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव में 50 प्रतिशत से अधिक वोट पाने का लक्ष्य लेकर चल रही भाजपा इस बार नई रणनीति के साथ उतरने जा रही है। लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने माइक्रो लेवल प्लानिंग का जो चुनावी मंत्र दिया है, उसे धरातल पर उतारने के लिए पार्टी के रणनीतिकार गृह मंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पूरा खाका खींच लिया है। तय किया है कि इस बार पांच-पांच लोकसभा सीटों का क्लस्टर बनाकर चुनावी रणनीति तैयार की जाएगी। कमजोर क्षेत्रों में पहले ताकत झोंकने का इरादा कर चुकी भाजपा ने ऐसी लगभग 160 सीटों पर जल्द प्रत्याशी तय करने का भी संकेत दिया है। भाजपा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक के दूसरे दिन अलग-अलग सत्रों में चुनावी तैयारी पर मंथन चला। सूत्रों ने बताया कि शाह, नड्डा और संगठन महासचिव बीएल संतोष ने अपने-अपने वक्तव्य में पदाधिकारियों को रणनीति समझाई। बताया गया है कि इस बार सभी 543 लोकसभा सीटों को चार-चार या पांच-पांच सीटों के क्लस्टर में बांटा जाएगा। इनकी अलग-अलग बैठकें पार्टी हाईकमान करेगा। बारीकी से इनकी स्थिति की समीक्षा के साथ रणनीति पर आगे बढ़ा जाएगा। संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों से कहा गया है कि प्रदेश चुनाव प्रबंधन और लोकसभा चुनाव प्रबंधन की टीम अभी से इस तरह बना लें कि उसमें यह तक उल्लेखित हो कि मतगणना के वक्त एजेंट के रूप में कौन से कार्यकर्ता भेजे जाएंगे। टीमों के गठन का कार्य जनवरी तक पूरा कर लिया जाए। रणनीति में यह भी शामिल होगा कि जहां पार्टी कमजोर है, वहां अभी से सभाएं शुरू कर दी जाएं और जनसंवाद के कार्यक्रम अधिक से अधिक हों। यह काम मजबूत, कमजोर और औसत सीटों की ग्रेडिंग के आधार पर अमल में लाया जाएगा। संकेत यह भी दिया गया कि जिन लगभग 160 सीटों पर भाजपा दो लोकसभा चुनावों से नहीं जीती है, वहां पार्टी जल्द से जल्द प्रत्याशी घोषित कर सकती है। संभावित है इन सीटों पर जनवरी अंत तक प्रत्याशी तय कर लिए जाएं। गृह मंत्री शाह का जोर इस बात पर खास तौर पर था कि रणनीति सिर्फ चुनाव जीतने के लिए नहीं बनानी है, बल्कि उद्देश्य हर वर्ग तक पहुंचने का है। उनका इशारा उन जाति वर्गों की तरफ भी था, जोकि किसी दल के सजातीय नेतृत्व से अधिक जुड़ाव रखते हैं और भाजपा को उनकी तुलना में उस वर्ग का कम वोट मिलता है। कहा गया कि हर वर्ग तक पार्टी की पहुंच बनाना आवश्यक है ताकि दशकों तक भाजपा को कोई हिला न सके। संगठन में कांग्रेस जैसी कमजोरी न हो कि जनता से जुड़ाव ही न रहे। बैठक के दौरान मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्षों ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से बताया कि बूथ स्तर तक संगठन ने किस तरह काम किया जिससे कि भाजपा को अभूतपूर्व विजय मिली। इसके साथ ही तेलंगाना और मिजोरम के पदाधिकारियों ने प्रस्तुतीकरण दिया कि उनकी तैयारी कैसी थी और ऐसे परिणाम क्यों रहे।

कांग्रेस में बड़ा फेरबदल

प्रियंका की यूपी से छुट्टी, पायलट को छत्तीसगढ़ की जिम्मेदारी

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को मिली करारी हार के बाद शनिवार को पार्टी में बड़ा फेरबदल देखने को मिला। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी को पार्टी उत्तर प्रदेश प्रभारी पद से मुक्त कर दिया गया। कांग्रेस ने अब यह जिम्मेदारी अविनाश पांडे को सौंपी है। कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश के अलावा छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में भी पार्टी प्रभारियों को बदला है। राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट को छत्तीसगढ़ का प्रभारी नियुक्त किया गया, जबकि रमेश चेन्निथला को महाराष्ट्र का प्रभारी बनाया गया। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने यह जानकारी दी।

भारत आ रहे जहाज में हिंद महासागर में ड्रोन अटैक

नई दिल्ली। समुद्री जहाज पर ड्रोन हमले की खबर सामने आ रही है। जानकारी के मुताबिक, एक मर्चेंट शिप पर विस्फोट हुआ और आग लग गई। हालांकि, इस घटना में किसी के हताहत हने की कोई सूचना नहीं है। समाचार एजेंसी एएफपी के मुताबिक, लाइबेरिया के झंडे वाला टैंकर इजरायल से संबद्ध था। वहीं, भारतीय नौसेना के प्रवक्ता ने बताया कि आसपास के क्षेत्र में भारतीय नौसेना के युद्धपोत भी भारतीय ईईजेड के बाहर अरब सागर में व्यापारी जहाज एमवी केम प्लूटो की ओर बढ़ रहे हैं। एक रक्षा अधिकारी ने बताया कि भारतीय तटरक्षक जहाज आईसीजीएस विक्रम पोरबंदर लागत से 217 समुद्री मील दूर अरब सागर में एक व्यापारिक जहाज एमवी केम प्लूटो की ओर बढ़ रहा है, क्योंकि इसमें ड्रोन हमले के कारण आग लगने की घटना की आशंका है। जहाज में कच्चा तेल है और यह सऊदी अरब के एक बंदरगाह से मैंगलोर की ओर जा रहा था।

बेकाबू कार ने कई लोगों को मारी टक्कर, छह घायल

अलवर (हिंस)। ज्योतिबा फुले सर्किल पर एक अनियंत्रित तेज रफ्तार कार ने कई लोगों को टक्कर मार दी। हादसे के बाद रोड पर अफरा तफरी मच गई। मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना में गंभीर छह घायलों को अपनी कार में बैठकर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां सभी घायलों का उपचार जारी। प्रत्यक्षदर्शियों और घायलों ने बताया कि ज्योतिबा फूले सर्किल पर बुजुर्ग कार चालक ने तेज गति से कार चलाते हुए सर्किल पर सड़क किनारे खड़ी गाड़ियों, सब्जी की ठेलियों सहित मौजूद लोगों को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बुजुर्ग, छात्र-छात्रा सहित छह लोग घायल हो गए।

आतंकवादियों के खिलाफ अभियान : पुंछ राजौरी में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं बंद

पुंछ/राजौरी। जम्मू-कश्मीर में हाल में सेना के दो वाहनों पर घात लगाकर किए गए आतंकवादी हमले में शामिल आतंकवादियों की तलाश में सुरक्षाबलों की ओर से जारी अभियान के बीच पुंछ और राजौरी जिलों में शनिवार तड़के मोबाइल इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गईं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। आतंकवादियों द्वारा सेना के वाहनों पर किए गए हमले में पांच सैनिक शहीद हो गए थे। हमले के संबंध में सेना द्वारा कथित तौर पर पूछताछ के लिए बुलाए गए तीन लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो सामने आए हैं जिनमें संदिग्धों को कथित तौर पर प्रताड़ित करते दिखाया गया है। इन वीडियो के सामने आने के बाद लोगों में रोष है। इन घटनाओं के बीच दोनों सीमावर्ती जिलों में मोबाइल इंटरनेट सेवाओं को बंद कर दिया गया। सेना और नागरिक प्रशासन के अधिकारियों ने इस मुद्दे पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

भारत के बाहर अलगाववादियों को जगह नहीं मिलनी चाहिए : जयशंकर

गांधीनगर (हि.स.)। अमेरिका में खालिस्तानी अलगाववादी ताकतों द्वारा एक मंदिर की दीवार पर आपत्तिजनक नारे लिखे जाने की घटना पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने तीखी प्रतिक्रिया जताई है। उन्होंने कहा कि भारत के बाहर अलगाववादी ताकतों को जगह नहीं मिलनी चाहिए। हमारे दूतावास ने वहां की सरकार और पुलिस से इसकी शिकायत की है, जांच जारी है। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर शनिवार को गांधीनगर में राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह में बोल रहे थे। विदेश मंत्री ने कहा कि यह भारतीय कूटनीति की उपलब्धि रही है कि हम कई प्रतिस्पर्धी शक्तियों के साथ संबंध बनाने में सफल रहे हैं। चुनौतीपूर्ण समय के दौरान भू-राजनीतिक विचार अक्सर विश्वसनीय भागीदारों की पहचान करने के इर्द-गिर्द घूमते हैं। उन्होंने कहा कि यह भारतीय कूटनीति की महत्वपूर्ण उपलब्धि रही कि हम अक्सर प्रतिस्पर्धी शक्तियों के साथ संबंध बनाने में सफल रहे हैं। विदेश मंत्री ने आतंकवाद पर बात करते हुए कहा कि आप लोग यह नहीं समझें कि आतंकवाद की शुरुआत अभी हुई है। यह हमारी आजादी के समय शुरू हुआ, जब पूरे पाकिस्तान से तथाकथित हमलावर यहां आ गए। इस देश में बहुत कुछ बदल गया है। मेरे लिए सबसे ज्यादा कोई चौंकाने और बदलाव लाने वाला समय है तो वो मुंबई का 26/11 हमला। कई लोग बहुत भ्रमित थे जब तक कि उन्होंने 26/11 के आतंकवाद की वास्तविक तस्वीरें नहीं देखी थीं। उन्होंने कहा कि अब हमें सबसे पहले इसका मुकाबला करने की आवश्यकता है। कुछ लोगों ने 26/11 के बाद भारत की दूसरा गाल आगे करने की प्रतिक्रिया की तारीफ की। जबकि मुझे नहीं लगता अब देश का यह मूड है। मुझे नहीं लगता कि इसका कोई मतलब है।

पृष्ठ एक का शेष

गीता जयंती : एक ...

गीता पर 3500 अनुवाद हो चुके हैं। ऐसे में गीता ज्ञान का प्रकाश पूरे विश्व में पहुंचे, इसके लिए गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के प्रयास की सराहना करनी चाहिए। इसके लिए प्रकृति, विधि-विधान, व्यवस्था, संत सत्ता, आचार्यगण स्वामी जी के साथ हैं। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का कहना है कि उन्हें प्रसन्नता है कि गीता मनीषी पूज्य स्वामी ज्ञानानंद महाराज की पहल एक प्रेरणा है। एक साथ गीता पाठ का वैश्विक आह्वान के लिए वे जियो गीता परिवार को बधाई देते हैं। स्वामी ज्ञाननंद महाराज ने तो गीता ज्ञान के लिए अपने आप को समर्पित कर रखा है और उनके प्रयासों को समझना संभव नहीं है, मगर उनके प्रयासों का प्रभाव समाज पर अवश्य पड़ रहा है। राजनाथ सिंह ने कहा कि गीता ज्ञान जन-जन तक पहुंचे और इससे हर व्यक्ति के जीवन पर बेहतर असर अवश्य पड़ेगा। दिल्ली के विज्ञान भवन में 29 नवंबर को एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत एवं सतों की उपस्थिति में गीता मनीषी महामंडलेश्वर ज्ञानानंद महाराज ने 23 दिसंबर को गीता जयंती के अवसर पर एक मिनट, एक साथ, गीता पाठ करने का आह्वान किया था। उनकी यह मुहिम कुछ ही दिनों में एक जनचेतना अभियान बन गया। देशभर के संतों, आचार्यों, कलाकारों, राजनेताओं सहित अनेक लोगों ने स्वामी जी के संदेश को मुहिम बनाया और इसका असर भी सामने आया। उनके इस अभियान को लेकर प्रख्यात कथावाचक संत मुरारी बापू, गुरुदेव श्री श्री रविशंकर, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा, हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, प्रख्यात कथा वाचक रमेश भाई ओझा, बागेश्वर धाम के प्रख्यात संत धीरेंद्र शास्त्री, प्रख्यात गायक कैलाश खेर, उत्तराखंड के मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल, टी. राजा सिंह, अभिनेता अरुण गोविल, अभिनेत्री प्रतीका राव, बाबा रामदेव, अभिनेता राजकुमार राव, गायक बी. पराक, कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर, श्री कृष्ण दरबार, भजन गायक कन्हैया मित्तल सहित अनेक राजनेताओं व संतों ने भी इस संदेश को आगे पहुंचाया। खास बात यह है कि यह पहला अवसर था जब माता वैष्णो देवी के दरबार से आरती के दौरान पुजारी जी द्वारा समस्त देशवासियों से गीता जयंती के अवसर पर एक साथ गीता पाठ करने का आह्वान किया गया। कुछ ही दिनों में स्वामी ज्ञानानंद महाराज की यह मुहिक देश-विदेशों में फैल गई और इसका असर ही रहा कि शनिवार को गीता जयंती के अवसर पर करोड़ों लोगों ने गीता के तीन श्लोकों का उच्चारण एक मिनट में एक साथ किया। हरियाणा के अंबाला में 15 मई 1957 में जन्मे स्वामी ज्ञानानंद महाराज एक शिक्षाविद्, दार्शनिक, मार्गदर्शक, चिंतक, लेखक एवं योगी हैं। नैतिक मूल्यों एवं गीता पर आधारित उनकी पुस्तकें एवं व्याख्यान आज अनेक लोगों के लिए प्रेरणा बनते जा रहे हैं। स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने अंबाला से अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की ओर से बाद में पोस्ट ग्रेजुएशन किया। स्वामी ज्ञानानंद ने अब तक कई किताबें भी लिखी है जिसमें गीता प्रेरणा, कृपा और ज्ञान साधना प्रमुख हैं। ध्यान, सेवा एवं मानवता के प्रति समर्पण के दिव्य विचारों के लिए समर्पित ज्ञानानंद महाराज ने जिओ गीता परिवार की स्थापना की। पिछले करीब 32 वर्षों से वे लगातार गीता ज्ञान का महत्व बता रहे हैं और दिन-प्रतिदिन जीवन की समस्याओं और उनके समाधानों के लिए प्रेरणा देते हैं। इसके अलावा स्वामी ज्ञानानंद विश्व भर में गीता महोत्सव करवाते आ रहे हैं। मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर का कहना है कि एक मिनट, एक साथ, गीता पाठ की पहल अनुकरणीय एवं प्रेरणादायक है। गीता का हमारे जीवन में बहुत महत्व है। अगर हम अपने जीवन में प्रतिदिन गीता के एक श्लोक का भी उच्चारण करें तो दो साल में हमारे जीवन में बड़ा एवं सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेगा। अगर हम श्लोकों को कंठस्थ करें तो और अच्छा एवं गीता ज्ञान के सार को जीवन में आत्मसात कर लें तो बेहतर है। मुख्यमंत्री का कहना है कि वे भी जेब में गीता की छोटी प्रति रखते हैं। गीता जयंती पर देश-विदेश में लाखों लोगों ने गीता के तीन श्लोकों का उच्चारण किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ध्वनि अगर शोर, बाजे एवं हॉर्न के रूप में होती है तो प्रदूषण होता है, यदि वहीं ध्वनि मंत्रोच्चारण के जरिए और अच्छे भाव से हो तो एक सकारात्मक तरंग होती है और इस प्रभाव एवं असर नजर आता है। गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज का कहना है कि एक मिनट, एक साथ, गीता पाठ अभियान से लाखों लोग जुड़े। अनेक विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, स्कूलों में एक साथ गीता पाठ किया गया। हरिद्वार में हर की पौड़ी के अलावा श्री कृष्ण जन्म भूमि में बड़ी संख्या में विप्र संतों द्वारा गीता के श्लोकों का उच्चारण किया गया। इसके साथ ही वैष्णो देवी दरबार से उद्घोषणा एवं पाठ किया गया। स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने कहा कि देशभर के बड़े प्रतिष्ठानों के अलावा गली-मोहल्लों में मंत्रोच्चारण की गूंज सुनाई दी। उन्होंने कहा कि देश के अलावा करीब 25 देशों से लगभग 1 करोड़ 46 लाख लोग इस अभियान के साथ जुड़े। उन्होंने कहा कि गीता पाठ का यह आह्वान वास्तव में समता, समरसता, सद्भावना, सनातन चेतना जागृति का अभियान है। उन्होंने कहा कि यह बच्चों को सुसंस्कारी बनाने, युवाओं को गीता के माध्यम से अध्यात्म और चरित्र निर्माण की ओर ले जाने का एक अभियान है। गीता जन-जन की प्रेरणा बने इसके लिए यह एक सार्थक अभियान है।

भगवान श्रीकृष्ण असम ...

है , क्योंकि यह कुरुक्षेत्र की पवित्र भूमि पर हुआ था। जहां माना जाता है कि गीता का दिव्य संदेश भगवान कृष्ण ने अर्जुन को दिया था। कुरुक्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव यज्ञ, गीता श्लोकों का पाठ, भक्ति गीत और नाटकीय प्रदर्शन सहित आध्यात्मिक गतिविधियों का एक जीवंत संगम है। पूरे देश और यहां तक कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर से तीर्थयात्री, अनुष्ठानों में भाग लेने के लिए इस पवित्र स्थल पर एकत्रित होते हैं। एक प्रमुख अनुष्ठान में सन्निहित सरोवर और ब्रह्म सरोवर के पवित्र तालाबों में डुबकी लगाना शामिल है। माना जाता है कि इससे आत्मा शुद्ध होती है। महोत्सव में मुख्यमंत्री की भागीदारी न केवल हरियाणा में बल्कि, पूरे भारतीय उपमहाद्वीप में इस आयोजन के महत्व को रेखांकित करती है। यह भगवद गीता की स्थायी विरासत और एक साझा आध्यात्मिक अनुभव में विविध पृष्ठभूमि के लोगों को एकजुट करने की इसकी क्षमता की याद दिलाता है।

असमिया लड़की की...

प्रदेश के बोरदुमसा में कामांग पथार प्राइमरी स्कूल के शिक्षक चिनम लॉ उर्फ मायलू कोंवर के घर पर घरेलू सहायिका के रूप में काम करती थी। लेकिन शुक्रवार को बेहद रहस्यमयी तरीके से बच्ची का शव शिक्षक के घर से बरामद हुआ। मृतक लड़की के परिवार वालों की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत के मुताबिक, उसकी पीट-पीटकर हत्या की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षक ने किशोरी की मौत के बाद इसे आत्महत्या का मामला दिखाने की कोशिश की। मृतक लड़की के शरीर पर कई जगहों पर चोट के निशान स्पष्ट हैं। इस बीच, असम-अरुणाचल सीमा क्षेत्र पर स्थित बोरदुमसा में शुक्रवार रात हालात बिगड़ गए। हालांकि, बाद में स्थानीय पुलिस प्रदर्शन स्थल पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। इस बीच, अरुणाचल प्रदेश के बोरदुमसा पुलिस स्टेशन ने पहले ही घटना के संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। घटना की जांच पूरी होने के बाद ही सभी तथ्य सामने आएंगे।

म्यांमार सेना ने ...

हैं। आशंका जताई जा रही है कि कुछ लोग भारतीय क्षेत्रों में घुसे हो सकते हैं। लेकिन अभी तक किसी ने भी भारतीय क्षेत्र में घुसने की सूचना नहीं दी है। म्यांमार का गांव वरंग, भारत के गांव डुमजाओ और हमावंगबुचुआ के करीब हैं। इसलिए आसपास के भारतीय गांवों में म्यांमार के नागरिकों के प्रवेश से इंकार नहीं किया जा सकता है।

पुलिस को पत्रकारों ...

हनन कर रही है क्यों कि अधिकतर मामले में पुलिस खुद को श्रेष्ठ बनाने के लिए ऐसा करती है जिस संबंध में उच्च न्यायालय ने अब अपने कड़े रुख दिखाने पर कहा है अगर पुलिस ऐसा करती पाई जाती है तो फिर कोर्ट की अवमानना का मुकदमा दर्ज किया जा सकता है।

कोविड के जेएन.1...

चार कोविडसंबंधी मौतें भी हुईं। कल, देश में 328 सक्रिय मामले और एक मौत हुई, जिसमें अकेले केरल से 265 मामले शामिल हैं। भारत में सक्रिय मामलों की कुल संख्या 3,420 है। उधर स्वास्थ्य मंत्री महंत ने आगे कहा कि विशेषज्ञों ने दावा किया है कि यह वायरस का एक कमजोर स्वरूप है और मानव शरीर ने इससे लड़ने के लिए प्रतिरक्षा विकसित कर ली है। केरल जैसे कुछ राज्यों को अलर्ट पर रखा गया है, क्योंकि वहां नए मामले सामने आ रहे हैं। हम असम में भी परीक्षण कर रहे हैं, लेकिन बिना किसी यात्रा इतिहास वाला कोई भी व्यक्ति कोरोना वायरस से संक्रमित नहीं पाया गया है। स्विट्जरलैंड से लौटा एक व्यक्ति हालांकि कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया है और मरीज का वर्तमान में घर पर पृथकवास में इलाज चल रहा है। मंत्री ने कहा कि राज्य किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार है और आइसोलेशन बेड और डॉक्टरों सहित सभी आवश्यक सुविधाएं तैयार हैं।

अब से समलैंगिक ...

ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि पोप फ्रांसिस की मंजूरी के बाद कैथोलिक चर्च ने *फिडुसिया सप्लिकन्स* घोषणा जारी की। इसके साथ ही कैथोलिक पादरियों के लिए समलैंगिक जोड़ों को किसी प्रकार के अनुष्ठान के बिना (विवाह संस्कार) आशीर्वाद देना संभव होगा। मुख्य पादरी ने कहा कि यह अनौपचारिक शब्दों में एक पादरी की सहज प्रार्थना है। आशीर्वाद चर्च संगठन की मंजूरी का प्रतीक नहीं है। घोषणा आशीर्वाद के देहाती अर्थ पर जोर देती है। उन्होंने कहा कि इसे शादी के दौरान चर्च के आधिकारिक धार्मिक और अनुष्ठानिक आशीर्वाद के रूप में गलत नहीं समझा जाना चाहिए।

पीड़ित की सुनवाई ...

खिलाफ हुआ माना जाता है। इसलिए किसी भी अपराध में मुकदमा सरकार लड़ती है। ज्यादातर मामलों में राज्य सरकार अभियोजक होती है, क्योंकि कानून-व्यवस्था, पुलिस राज्य का विषय है। कुछ मामलों में केंद्रीय एजेंसियां जांच करती हैं, तो अभियोजक केंद्रीय एजेंसी जैसे सीबीआई आदि होती है। कानून में प्रविधान है कि सरकारी वकील या लोक अभियोजक फैसला आने से पहले कभी भी मुकदमा वापस लेने के लिए अर्जी दाखिल कर सकता है। उसकी कुछ शर्तें रखी गई हैं और कोर्ट की इजाजत से केस वापस लिया जा सकता है। अभी लागू सीआरपीसी की धारा 321 में लोक अभियोजक द्वारा मुकदमा वापस लेने का प्रविधान है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 360 में भी ऐसा ही प्रविधान है। नए कानून में बस एक अंतर है कि इसमें पीड़ित को विरोध करने और अपनी बात रखने का अधिकार दिया गया है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 360 अन्य शर्तों के साथ एक शर्त यह भी लगाती है कि कोई भी अदालत पीड़ित को पक्ष रखने का मौका दिए बगैर मुकदमा वापस लेने की अर्जी स्वीकार नहीं करेगी।

बांग्लादेश में घना ...

प्वाइंट पर बांग्लादेश अंतर्देशीय जल परिवहन निगम के सहायक प्रबंधक खोरशेद आलम ने कहा कि खराब दृश्यता के कारण सुबह आठ बजे नौका सेवाएं निलंबित कर दी गईं। इस दौरान छह नौकाएं पद्मा नदी के बीच में फंसी रहीं। कोहरा छंटने के साथ दृश्यता में सुधार होने के बाद मार्ग पर नौका सेवाएं सुबह 9:45 बजे फिर से शुरू हो गईं।

कांग्रेस के विरोध ...

हुए, जिसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उन्हें पास खड़ी एक कार तक पहुंचाया। सुधाकरन ने जैसे ही अपना भाषण समाप्त किया, पार्टी सदस्य डीजीपी कार्यालय के पास लगाए गए अवरोधकों पर चढ़ने लगे और उन्होंने सुरक्षा घेरे को पार करने का प्रयास किया। सतीशन के संबोधन के दौरान पानी की बौछारें छोड़ी गईं। इसके बाद अफरा-तफरी के माहौल में सभा समाप्त हो गई। इस घटना पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि यह बेहद हैरान वाला अनुभव था। मैं व्यक्तिगत रूप से लोकतंत्र और मानवाधिकारों के प्रति उनकी अवमानना की बेशर्मी का गवाह था। कांग्रेस कार्यकर्ता शांतिपूर्ण तरीके से विरोध कर रहे थे। बड़े-बड़े नेताओं के भाषण हो रहे थे। अचानक बिना किसी भी उकसावे के कारण मंच के ठीक पीछे एक आंसू गैस का गोला फटा और पानी की बौछार की गई। हमें समझ में नहीं आ रहा कि क्यों कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि मैंने तुरंत डीजीपी को फोन किया और कड़ी भाषा में विरोध किया। यह एक आपराधिक कृत्य था। यह बिना किसी उकसावे के, बिना किसी चेतावनी के हुआ। केरल अराजक शासन का गवाह बन रहा है, जिन्हें कानून का पालन करने वालों पर हमला करने की पूरी आजादी दी गई है। मैं इसे संसद स्पीकर के समक्ष भी उठाने जा रहा हूं क्योंकि मंच पर मौजूद आधा दर्जन सांसदों के संसदीय विशेषाधिकारों का उल्लंघन किया गया है।

वेदों को अधिक...

है। वर्तमान में वैदिक ज्ञान को आधुनिक ज्ञान और तकनीकी के साथ समेकित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि संत, सैनिक,सिख और शिक्षक एक की श्रेणी के होते हैं जो राष्ट्र के उन्नयन में अपना योगदान देते हैं। अति विशिष्ट अतिथि उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय राष्ट्र की धरोहर है। इसने राष्ट्रसेवी नागरिक देश को समर्पित किए हैं। उन्होंने कहा कि देश को विश्व गुरु बनाने के लिए हमें वेदों की ओर लौटना होगा। इस उद्देश्य की दिशा में यह महाकुंभ वेदों के ज्ञान को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेगा। उन्होंने उपस्थित छात्र-छात्राओं से आह्वान किया कि भारतीय संस्कृति और राष्ट्र उन्नयन के लिए मिल-जुलकर कार्य करें। वेद विज्ञान संस्कृति महाकुंभ के मुख्य संरक्षक और बागपत सांसद डॉ. सत्यपाल सिंह ने कहा कि स्वामी श्रद्धानन्द स्वराज और संस्कृति के लिए लड़े। विज्ञान विषयों को हिन्दी में पढ़ाने के कार्य भी गुरुकुल ने ही किया था। उन्होंने कहा कि स्वामी दयानन्द की 200वीं जयंती वर्ष को राष्ट्र स्तर पर मनाने का उल्लेखनीय कार्य प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हुआ है। इसके लिए राष्ट्र उनके प्रति आभारी है। उन्होंने कहा कि गुरुकुल एक तीर्थ भूमि है, जिसने आजादी के आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी थी। नारी शिक्षा के लिए स्वामी श्रद्धानन्द के अथक प्रयासों के प्रति हमें कृतज्ञ होना चाहिए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमदेव शतांशु ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के सम्मान में अभिनंदन पत्र का संस्कृत में वाचन किया। समस्त अतिथियों का प्रतीक चिन्ह एवं पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अजय मलिक ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, मुख्य संयोजक प्रो. प्रभात कुमार, वित्ताधिकारी प्रो. देवेंद्र गुप्ता, प्रो. देवेंद्र सिंह मलिक, डॉ. एलपी पुरोहित डॉ. गगन माटा,उत्तराखंड संस्कृत विवि कुलपति प्रो. दिनेश शास्त्री, प्रो. ईश्वर भारद्वाज, डॉ. हिमांशु पंडित, डॉ. अजित तोमर, डॉ. पंकज कौशिक, कुलभूषण शर्मा, हेमंत नेगी सहित शहर के गणमान्य संत, सन्यासी और राजनेता उपस्थित रहे। वेद विज्ञान संस्कृति महाकुंभ के अवसर पर मुख्य अतिथि उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं को नव निर्मित संसद भवन को देखने के लिए राजधानी में आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि आप मेरे अतिथि होंगे। नए संसद भवन को देखकर आपको देश में हो रहे बड़े बदलावों के बारे में पता चलेगा। उपराष्ट्रपति ने लोकसभा की थीम मोर और राज्यसभा की थीम कमल को देखने के लिए छात्र-छात्राओं को वेद विज्ञान संस्कृति महाकुंभ के मंच से दिल्ली आने का आमंत्रण दिया। वेद विज्ञान संस्कृति महाकुंभ के अवसर पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, उत्तराखंड के राज्यपाल ले ।ज । गुरमीत सिंह सेनि और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लाल किले की प्राचीर से जो पांच प्रण लेने का आह्वान किया था, उसकी याद दिलायी। इन वक्ताओं ने कहा विकसित भारत, गुलामी की सोच से मुक्ति, विरासत पर गर्व, एकता और एकजुटता और नागरिक कर्तव्य को पुन: याद दिलाते हुए कहा कि 2047 में विकसित भारत बनाने और विश्व गुरु की पदवी पर पुन: स्थापित होने के लिए हमें इन पांच प्रतिज्ञाओं को अपने दैनिक जीवन व्यवहार में उतारना होगा। वेद विज्ञान संस्कृति महाकुंभ के अवसर पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने जी-20, नए कानून, योग दिवस और महिला आरक्षण पर सरकार की पीठ थपथपाते हुए कहा कि देश उत्तरोत्तर प्रगति के पथ पर बड़ी द्रुत गति से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने देश के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा कि 2047 में भारत को विकसित देश बनने से कोई नहीं रोक सकता है इस दशक के अंत तक हम विश्व की तीन प्रमुख अर्थव्यवस्था बनने जा रहे हैं।

इजराइली सेना के ...

बासल ने इस हमले में मारे गए लोगों के नामों की एक आंशिक सूची प्रदान की जिसमें अल-मुगराबी परिवार के 16 घरों के मुखिया भी शामिल हैं। मृतकों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। मृतकों में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के एक अनुभवी कर्मचारी इस्साम अल-मुगराबी, उनकी पत्नी और उनके पांच बच्चे शामिल हैं। चरमपंथी समूह हमास को खत्म करने के लिए गाजा में इजराइल की ओर से शुरू किए गए युद्ध में अब तक 20,000 से अधिक फलस्तीनी नागरिकों की मौत हो चुकी है। गाजा के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इस बीच, इजराइल ने गाजा में हमले और तेज कर दिए हैं तथा लाखों लोगों को अपना घर छोड़कर सुरक्षित जगह पर जाने के लिए कहा गया है। गाजा में होने वाली मौतें युद्ध से पहले की इस क्षेत्र की आबादी का लगभग एक प्रतिशत हैं। इजराइल का हवाई और जमीनी आक्रमण हाल के इतिहास में सबसे विनाशकारी सैन्य अभियानों में से एक रहा है, जिसके परिणामस्वरूप गाजा की 23 लाख की आबादी में से 85 प्रतिशत लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ा है। संयुक्त राष्ट्र और अन्य एजेंसियों की ओर से गुरुवार को जारी की गई एक रिपोर्ट के अनुसार गाजा में पांच लाख से अधिक लोगों को भुखमरी का सामना करना पड़ रहा है। इजराइल में सात अक्तूबर के हमले में हमास ने करीब 1200 लोगों की हत्या करने के अलावा लगभग 240 लोगों का अपहरण कर लिया था। इजराइल ने तब तक लड़ाई जारी रखने का संकल्प लिया है जब तक कि हमास को गाजा में नष्ट और सत्ता से हटा नहीं दिया जाता तथा सभी बंधकों को मुक्त नहीं करा लिया जाता।

अमेरिका में मंदिर ...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ काले रंग के स्प्रे पेंट से यह नारे लिखे गए हैं। हिंदू अमेरिका फाउंडेशन ने मांग की है कि इस घटना की जांच *घृणा अपराध* के रूप में की जाए। बताया गया है कि मंदिर से संबद्ध लोगों ने नेवार्क पुलिस और न्याय विभाग को इसकी सूचना दी है। उल्लेखनीय है कि यह पहली बार नहीं है जब अमेरिका में मंदिरों को खालिस्तान समर्थकों ने निशाना बनाया हो। अमेरिका के अलावा कनाडा, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया में भी ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। उल्लेखनीय है कि कनाडा के सरे शहर में कुछ समय पहले खालिस्तान समर्थकों ने हिंदू मंदिर के मेन गेट पर पोस्टर चिपकाकर आतंकी हरदीप सिंह निज्जर का समर्थन किया था। इस वर्ष जनवरी में तीन हिंदू मंदिरों को मेलबर्न में निशाना बनाया गया था। यहां भी खालिस्तानी समर्थकों ने मंदिरों पर नारे लिखे थे। नेवार्क की घटना पर अमेरिकी-भारतीय राजनीतिज्ञ बर्ट ठाकुर ने एक्स पर लिखा है कि हिंदू समुदाय के भाइयो और बहनों, मैं नफरत और असहिष्णुता की छाया के खिलाफ खड़ा हूं। कैलिफोर्निया के नेवार्क में हमारे पवित्र हिंदू मंदिर का अपमान, केवल एक इमारत पर हमला नहीं है, यह हमारी आत्मा और हमारे मूल्यों पर खुला हमला है। घृणा अपराध हमारे समाज के ताने-बाने पर जहरीला दाग है।

पार्टी मुख्यालय में कार्यकर्ताओं से मिले केंद्रीय मंत्री सोनोवाल

गुवाहाटी (हिंस)। केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने आज वशिष्ठ स्थित भारतीय जनता पार्टी के राज्य मुख्यालय का दौरा किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ चर्चा और पार्टी की विभिन्न संगठनात्मक गतिविधियों का जायजा लिया। सोनोवाल ने कार्यकर्ताओं से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की *विकास भारत संकल्प यात्रा* सहित कई कल्याणकारी पहलों के सफल कार्यान्वयन में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विपक्ष अब उग्र है। केवल मीडिया में ही विपक्ष देखा जा सकता है। धरातल पर विपक्ष का कोई अस्तित्व नहीं है। सोनोवाल ने कहा कि जमीनी स्तर पर लोग विपक्ष को कभी स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि राम मंदिर भारत का स्वाभिमान है, यह हर स्वाभिमानी भारतीय के लिए गर्व का समय है।

एनसी हिल्स स्वायत्त परिषद चुनाव

101 उम्मीदवारों ने 28 सीटों के लिए भरा नामांकन

डिमा हसाउ (हिंस)। 13वीं उत्तर कछार हिल्स स्वायत्त परिषद चुनाव के लिए वैध रूप से नामांकित उम्मीदवारों की सूची आज रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) और जिला आयुक्त, डिमा हसाउ सीमांत कुमार दास द्वारा घोषित की गई। अंतिम सूची के अनुसार कुल मिलाकर 101 इच्छुक उम्मीदवारों ने आगामी परिषद चुनाव के दौरान 28 सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया था। आरओ द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार दाखिल किए गए सभी नामांकन पत्र वैध पाए गए। 101 उम्मीदवारों में से आठ उम्मीदवारों ने अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली है। जिन निर्वाचन क्षेत्रों से उम्मीदवारों ने नाम वापस लिया है उनमें माईबांग पूर्व से एक, माईबांग पश्चिम से दो, हजादिसा से एक, दियुंगमुख (दियुंगब्रा) से एक, गुंजुंग से एक, हरंगजाओ से एक तथा हामरी में से एक शामिल हैं। आरओ सह डीसी सीमांत कुमार दास ने सभी नागरिकों से आगामी चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सहयोग करने का अनुरोध किया है। रिटर्निंग ऑफिसर की अध्यक्षता में चुनाव कार्यालय, हाफलोंग द्वारा उचित जांच और सत्यापन के बाद सूची चुनाव आयोग को भेज दी गई है।

राज्यपाल ने किया टीसीएल सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने का आह्वान

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल लेफ्टिनेंट (सेवानिवृत्त) जनरल केटी परनायक ने पूर्वी जिला तिरप, चांगलांग और लोंगडिंग (टीसीएल) जिलों में सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने का आह्वान किया है। राज्यपाल ने असम राइफल्स के सेक्टर कमांडर के साथ टीसीएल जिलों में सुरक्षा को मजबूत करने के तरीकों और साधनों पर चर्चा की, जिन्होंने आज राजभवन, इटानगर में उनसे मुलाकात की। उन्होंने कमांडर से अर्धसैनिक बलों और अरुणाचल प्रदेश पुलिस के समन्वय से उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में व्यवस्था को दुरुस्त करने का आह्वान किया। राज्यपाल ने राष्ट्र-विरोधी तत्वों पर लगाम लगाने और क्षेत्र में शांति बहाल करने के लिए टीसीएल जिलों में सक्रिय अरुणाचल प्रदेश पुलिस सहित बलों के साथ वास्तविक समय की खुफिया जानकारी साझा करने के उपायों के कार्यान्वयन का सुझाव दिया। कमांडर ने राज्यपाल को टीसिएल क्षेत्र के सुरक्षा परिदृश्य और बल की सद्भावना परियोजनाओं सहित विभिन्न मुद्दों पर जानकारी दी।

आईएएफ से लूटे गए गोला बारूद के साथ दो चोर गिरफ्तार

कार्बी आंग्लांग (हिंस)। कार्बी-आंगलोंग जिले के खटखटी में रैपिड एक्शन फोर्स के जवानों से लूटे गए गोला-बारूद के साथ दो चोरों को पुलिस ने पकड़ कर लिया है। पुलिस ने आज बताया कि खटखटी पुलिस द्वारा नियमित नाका तलाशी लेते हुए बोकाजान अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रुस्तम राज ब्रह्म के नेतृत्व में खटखटी थाना के ओसी रमन बरदलै, सीआरपीएफ की टीम एवं थाना कर्मियों के सहयोग से खटखटी पुलिस ने एक बस (एएस-05सी-4844) की तलाशी ली। तलाशी के दौरान पुलिस ने यात्री बनकर बैठे गोला-बारूद का बैग चोरी करके भागे दो चोरों को पकड़ने में कामयाबी हासिल की। पुलिस सूत्रों ने बताया कि आरएएफ के जवान डिमापुर रेलवे स्टेशन से मणिपुर के लिए रवाना होने की तैयारी कर रहे थे, तभी गिरफ्तार किए गए दोनों चोर इनका बैग लेकर फरार हो गए। इनके पास से तीन मैगजीन और इंसास राइफल्स की 60 एक्टिव गोलियां, एके-47 की तीन मैगजीन के साथ 90 एक्टिव गोलियां बरामद की गईं, साथ ही आरपीएफ की रैपिड एक्शन फोर्स की बर्दी, टोपी, मेडल, बैंक के दस्तावेज आदि भी बरामद किए गए। गोला-बारूद के साथ गिरफ्तार इन चोरों में गगन बोरा (23) तथा तौफीक अहमद (39) शामिल हैं। पुलिस ने इस संदर्भ में एक प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है।

संघ प्रमुख मोहन भागवत 27 से 29 दिसंबर तक असम के दौरे पर

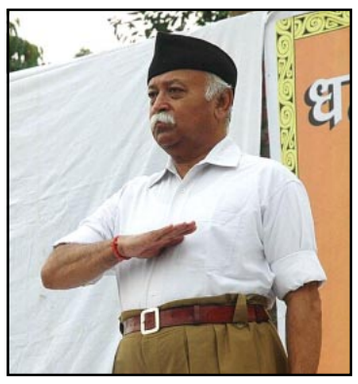

माजुली (हिंस)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत 27 से 29 दिसंबर तक असम के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह कई कार्यक्रमों में भाग लेंगे। संघ के उत्तर असम क्षेत्र के प्रचार प्रमुख किशोर शिवम ने शनिवार को बताया कि डॉ. भागवत 27 दिसंबर को विमान से डिब्रूगढ़ पहुंचेंगे। वहां से वह सीधे माजुली आएंगे। सरसंघचालक 28 दिसंबर को माजुली के उत्तर कमलाबाड़ी सत्र में संतों और धर्मगुरुओं के सम्मेलन में मौजूद रहेंगे। सम्मेलन में पूरे असम से संतों और धर्मगुरुओं को आमंत्रित किया गया है। डॉ. भागवत दोपहर में एक शारीरिक कार्यक्रम में भाग लेंगे। 29 दिसंबर को डॉ. भागवत पुन: माजुली सहित कई अन्य क्षेत्रों का दौरा करेंगे और दोपहर में गड़मूर सत्र के मिनी स्टेडियम में एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करेंगे। उल्लेखनीय है कि डॉ. भागवत पहली बार माजुली के दौरे पर आ रहे हैं।

स्वामी योगानंद गिरि महाविद्यालय को नाक मूल्यांकन में बी डबल प्लस ग्रेड

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ जिले के शक्तिआश्रम स्थित स्वामी योगानंद गिरि महाविद्यालय नाक मूल्यांकन में बी डबल प्लस ग्रेड मिला है। महाविद्यालय के प्रिंसिपल डॉ. हाकिम आली प्रामाणिक ने आज एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि शक्तिआश्रम स्वामी योगानंद गिरि महाविद्यालय राष्ट्रीय सशक्तिकरण और प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) मूल्यांकन में बी डबल प्लस ग्रेड प्राप्त किया है। महाविद्यालय के प्रिंसिपल ने मूल्यांकन के समय सहयोग करने के लिए कोआर्डिनेटर डॉ. धर्मेंद्र नारायण देब, ज्वाइंट कोआर्डिनेटर डॉ. प्रहलाद दास के साथ-साथ महाविद्यालय के सभी अध्यापकों, महाविद्यालय परिचालन समिति एवं पूर्व छात्र एवं अभिभावकों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि शुक्रवार को बीटीसी के मुख्य कार्यकारी पार्षद प्रमोद बोडो मुलाकात किया और महाविद्यालय में नाक मूल्यांकन में बी डबल प्लस ग्रेड प्राप्त करने को लेकर खुसी जाहिर करते हुए धन्यवाद ज्ञापन किया और कहा कि आगामी दिनों में महाविद्यालय में एक कार्यक्रम का आयोजन करने को कहा जिसमें वे खुद शामिल होने की बात कही। ज्ञात हो की गत 14 और 15 दिसंबर को महाविद्यालय में दो दिवसीय नाक मूल्यांकन का आयोजन किया गया था। महाविद्यालय में नाक मूल्यांकन के लिए इस वर्ष तीन सदस्यों का एक दल आया था जिसमें शक्तिआश्रम में एक सभा में हिस्सा लेने के लिए उपस्थिति हुए थे और उसी समय महाविद्यालय के प्रिंसिपल एवं अध्यापकों के एक दल के साथ नाक टीम के अध्यक्ष डॉ. प्रभाकर राथ, कोऑर्डिनेटर डॉ. पुरुषोत्तम नायक और डॉ. बिबेक कोहली शामिल थे।

मणिपुर में भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद बरामद

इंफाल (हिंस)। इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, टेंगनौपाल, थौबल, काकचिंग, चुराचंदपुर, कांगपोकपी और बिष्णुपुर जिलों के सीमांत और संवेदनशील क्षेत्रों में मणिपुर पुलिस तथा असम राइफल्स के संयुक्त सुरक्षा बलों द्वारा तलाशी अभियान चलाया गया। जिसमें बंकरों को नष्ट कर दिया गया और वस्तुओं की बरामदगी की गई। मणिपुर पुलिस ने आज बताया कि कांगपोकपी जिले में दो शेड और एक बंकर नष्ट किए गए। जबकि, काकचिंग जिले से दो एचई हैंड ग्रेनेड, दो स्थानीय पाइप गन, एक देश में निर्मित 9 एमएम कार्बाइन के साथ एक मैगजीन और चार जिंदा राउंड, एक देसी 9 एमएम पिस्तौल के साथ एक खाली मैगजीन, तीन स्मोक कैंडल गोला-बारूद, 18 आंसू गैस के गोले गोला-बारूद, चार लकड़ी भेदी गोला-बारूद, मैगजीन के साथ एक 9 एमएम पिस्तौल और एक जिंदा राउंड, दो 12 बोर राइफल, एक रेडियो सेट, एक मोर्टार बम के साथ एक लंबी दूरी का देसी मोर्टार, चार कारतूस 38 मिमी दंगा विरोधी, एक आंसू गैस का गोला नरम नोज, एक आंसू गैस का गोला, जंगल के जूते की एक जोड़ी चुराचांदपुर जिले से बरामद किया गया। वहीं, एक खाली मैगजीन के साथ एक एसएलआर राइफल, एक खाली मैगजीन के साथ एक 9 एमएम पिस्तौल, डेटोनेटर के बिना चार नंबर 36 हैंड ग्रेनेड, पांच 7. 62 मिमी एसएलआर गोला-बारूद, तीन 9 मिमी गोला-बारूद इंफाल पूर्व जिले से बरामद किया गया। सुरक्षा बलों का अभियान जारी है।

राज्य की नौ राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एथलीटों की माताओ को *जीजाबाई पुरस्कार* से आज सम्मानित किया जाएगा

समारोह में मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा करेंगे शिरकत

तेजपुर। क्रीड़ा भारती-उत्तरी असम क्षेत्र द्वारा 24 दिसंबर को आयोजित एक समारोह *जीजाबाई पुरस्कार* प्रदान किया जाएगा। यह पुरस्कार राज्य की नौ सफल महिला एथलीटों की माताओं को प्रदान किया जाएगा। यह स्थान असम साहित्य सभा भवन के निकट दिघलीपुखुरी लक्ष्मीराम बरुवा सदन दिघलीपुखरी गुवाहाटी में आयोजित समारोह असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगे। वही समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक (असम क्षेत्र) उल्लास कुलकानी शामिल उपस्थित रहेंगे। इस संबंध में क्रीड़ा भारती असम के सचिव सीमांत सैकिया ने क्रीड़ा भारती असम के क्षेत्रीय समन्वयक मनोज कुमार महंती, कोषाध्यक्ष प्रीतम गोस्वामी और गुवाहाटी महानगर समिति के सचिव चिरंजीव शर्मा की उपस्थित में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में बताया की भारत के इतिहास में जीजाबाई के महान आदर्श को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से सफल एथलीटों की माताओं के योगदान को मान्यता एवं सम्मान देने हेतु यह कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। समारोह में सम्मानित किए जाने वाले राज्य की एथलीटों की माताओं जिन्हें समारोह में मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित किया जाएगा उनमें मामोनी बरगोहाई (खेल रत्न), लवलीना बारगोहाई (मुक्केबाजी), द निर्दा शैकिया (अर्जुन) नयनमणि शैकिया (लॉनबॉल), जोनाली दास, जाह्नवी कश्यप (तैराकी), मिठू दास (अंतर्राष्ट्रीय मास्टर साहिल डे, शतरंज), रेनू स्वर्गिअरी, ऋतुमणि स्वर्गिअरी (तीरंदाजी), दीप्ति कलिता, चिरंजिता भराली (पैरा बैडमिंटन), मीनू नारज़ारी, पवित्रा नारज़ारी (कबड्डी), कनिका बोरो, चिरंजीत बोरो (वुशु), मोरमी नर्सरी, लेमन नर्सरी (एथलेटिक्स-ऊंची कूद)

कृष्णाई में सड़क हादसा, दो लोगों की मौत

ग्वालपाड़ा (हिंस)। ग्वालपाड़ा जिले के कृष्णाई में हुए एक सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने आज बताया कि कृष्णाई के बरमोहरा में सड़क हादसा उस समय हुई जब दो मोटरसाइकिलों की टक्कर हो गई। घटना के बाद एक मोटरसाइकिल सवार फरार हो गया। हादसे में दूसरे मोटरसाइकिल पर सवार दो लोगों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। मृतकों की पहचान मुनीखा बेपारी और निमाई दास के रूप में हुई है। मुनीखा बेपारी जगरतपारा का निवासी था, जबकि, निमाई दास का घर मकरीबुरी में है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

तीन मानव तस्कर गिरफ्तार

तामुलपुर (हिंस)। तामुलपुर पुलिस ने तीन मानव तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आज बताया कि तामुलपुर पुलिस के अभियान में एक बड़े मानव तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ किया गया। तीन साल पहले अरुणाचल प्रदेश के पापुमपारे जिले से तामुलपुर के दरांगामेला से एक लापता किशोरी को बचाया गया था। गौरतलब है कि तीन साल पहले रोमियो कंडोपन नामक व्यक्ति ने दरांगामेला में एक गरीब परिवार की नाबालिग लड़की को अरुणाचल में बेच दिया था। तीन महीने पहले परिवार ने दरंगामेला पुलिस स्टेशन में असम सेंटर फॉर रूरल डेवलपमेंट नामक एक स्वयंसेवी संगठन की मदद से गुमशुदगी की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। उसी के आधार पर लड़की को गिरफ्तार किया गया तथा तीन मानव तस्करों को पकड़ लिया गया। हिरासत में लिए गए लोगों की पहचान उदालगुड़ी जिले के नुनईबागान निवासी रोमियो कंडोपन (32), तामुलपुर जिले के गोरेश्वर गशबारी निवासी जीतू शर्मा (43) और अरुणाचल प्रदेश के जी रोड निवासी पाई ताएंग (45) के रूप में हुई है।

कोलकाता जाने वाली तीन जोड़ी ट्रेनों की अवधि बढ़ी

गुवाहाटी (हिंस)। यात्रियों की आवश्यकता पूर्ति के लिए पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) से कोलकाता जाने वाली तीन जोड़ी ट्रेनों की सेवा को जारी रखने का निर्णय लिया गया है। ये सभी ट्रेनें मार्च, 2024 तक अपने मौजूदा समय-सारणी, ठहराव और संयोजन के साथ दोनों दिशाओं से अतिरिक्त 13 ट्रिपों के लिए चलेगी। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची दे ने आज बताया है कि ट्रेन संख्या 02502 (अगरतला-कोलकाता) स्पेशल 27 मार्च, 2024 तक अगरतला से प्रस्थान करेगी। वापसी में, ट्रेन संख्या 02501 (कोलकाता-अगरतला) स्पेशल 31 मार्च, 2024 तक कोलकाता से मौजूदा समय-सारणी, ठहराव के अनुसार प्रस्थान करेगी। ट्रेन संख्या 05639 (सिलचर-कोलकाता) स्पेशल 28 मार्च, 2024 तक सिलचर से प्रस्थान करेगी।

कामरूप में प्रताड़ित महिलाओं को दिया जाएगा विशेष रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण

रंगिया (विभास)। विभिन्न तरह के प्रताड़न से पीड़ित होकर आश्रय गृह रह रही कामरूप जिले की महिला के संस्थापन के लिए दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना के अधीन विशेष प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाएगी। यह निर्णय कामरूप जिले के एकीकृत आयुक्त कार्यालय के सभागार में आयोजित एक कार्यशाला में लिया गया। मालूम होकि जिला ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा लिंग भेदभाव उन्मूलन को लेकर विभिन्न विभागों के अधिकारियों को लेकर इस कार्यशाला का आयोजन किया गया था जिसकी अध्यक्षता जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पराग कुमार काकोती ने की। इस मौके पर जिला समाज कल्याण अधिकारी ने कहा कि जिला ग्रामीण आजीविका मिशन आवश्यकतानुसार पीड़ित महिलाओं के स्वरोजगार के लिए प्रशिक्षण प्रदान करेगा। बैठक में जिला ग्रामीण आजीविका मिशन प्रबंधक सुमित प्रसाद दास ने भाग लिया, जिन्होंने प्रतिभागियों को 25 नवंबर से 22 दिसंबर तक लैंगिक समानता के लिए महीने भर चले जागरूकता अभियान के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से बढ़ावा देने के साथ लैंगिक भेदभाव को खत्म कर उन्हें सम्मान और सुरक्षा प्रदान करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा शुरू किया गया कार्यक्रम कामरूप जिले में ठीक से लागू किया गया है। इस हेतु प्रत्येक स्वयं सहायता समूह में एक महिला सुरक्षा सेल का गठन कर एक-एक लैंगिक समानता वाले व्यक्ति को नामित किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने के लिए इस अवधि के दौरान नुक्कड़ नाटक, मशाल जुलूस आदि जैसे जागरूकता कार्यक्रम चलाए गए है। बैठक में जिला समाज कल्याण अधिकारी, पुलिस अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता, गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि, अधिवक्ता, ग्रामीण आजीविका मिशन के खंड प्रबंधक, रानी के बाल विकास अधिकारी, वन स्टॉप सेंटर के कर्मचारी आदि उपस्थित थे।

विकसित भारत संकल्प यात्रा में शामिल हुए मंत्री चंद्रमोहन पटवारी

सभी पात्र लोगों को मिलेगा सरकारी योजनाओं का लाभ

रंगिया (विभास)। विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन शनिवार को शुवालकुची खंड विकास कार्यालय द्वारा 103 नंबर पूर्वी शुवालकुची और 87 बंशर गांव पंचायतों में किया गया। इस मौके पर कामरूप जिले के अभिभावक मंत्री चंद्रमोहन पटवारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान लाभार्थियों ने पिछले कुछ वर्षों में पंचायत की प्रत्येक योजना के सफल कार्यान्वयन के दस्तावेज मंत्री चंद्रमोहन पटवारी के सामने प्रस्तुत किए। साथ ही इस मौके पर मंत्री पटवारी ने इस बात पर खुशी व्यक्त की कि लाभार्थियों को अनामय योजना, अरुणोदय योजना, मुफ्त बिजली आपूर्ति, उज्वला योजना और प्रधान मंत्री आवास योजना जैसी योजनाएँ उपयुक्त हिताधिकारियों को मिली हैं। उन्होंने योजनाओं को सही ढंग से लागू करने और सही समय पर लाभ्यर्थियो को वितरण करने के लिए पंचायत अध्यक्ष और सचिव की भी सराहना की। बैठक को संबोधित करते हुए पटवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के सहयोग से सभी लाभार्थियों को सभी योजनाओं का लाभ मिलेगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि दृष्टिकोण में अंतर के कारण दो दिन की देरी होने पर भी सभी को योजनाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि अब तक शुरू की गई आयुष्मान भारत अरुणोदय योजना, राशन कार्ड और उज्वला योजनाओं को घर-घर जाकर सभी को वितरित किया जाएगा। वहीं किसानों के लिए मुख्यमंत्री ने भारतीय खाद्य निगम के जरिए मद्यभोगियो को दूर कर धान की बिक्री की जो व्यवस्था की है वह प्रशंसनीय है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के तहत वितरण किए जा रहे मुफ्त चावल को सरकार ने पहले हरियाणा से खरीदा था लेकिन अब किसानों से खरीदे गए धान को असम की मिलों में परिष्कृत कर चावल को खाद्य सुरक्षा योजना के तहत लाभार्थियों को वितरित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जल-जीवन योजना के माध्यम से 2024 तक हर घर को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने स्वयं सहायता समूहों के प्रत्येक सदस्य को 10,000 रुपए से 5 लाख रुपए तक प्रदान करके गरीब महिलाओं को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कदम उठाया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने युवाओं को खेल महारण और संगीत महारण के माध्यम से दुनिया से परिचित कराने के लिए कदम उठाया है। मंत्री ने कहा कि खेल और संगीत प्रतियोगिताओं का पहला चरण युवाओं के लिए आशा लेकर आया है। चंपक मालाकार के संचालन में आयोजित इस कार्यक्रम में कामरूप जिला विकास आयुक्त नरसिंह बे, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पराग कुमार काकोती, कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी श्यामसुंदर अग्रवाल, शुवालकुची खंड विकास अधिकारी अर्चना दास, बंशर और पूर्वी शुवालकुची पंचायत के प्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी सहित आत्म सहायक समूह की महिलाएं, आशा कार्यकर्ता, स्वास्थ्य कार्यकर्ता आदि भी उपस्थित थे।

संपादकीया

विपक्ष मुक्त संसद

सोमवार को विपक्ष के 78 सांसदों को निलंबित कर दिया गया था। मंगलवार को एक बार फिर लोकसभा से 49 सांसदों को सस्पैंड कर दिया गया। पिछले हफ्ते निलंबित किए गए 14 सांसदों को मिला लें, तो संसद के शीतकालीन सत्र में निलंबित सांसदों की वुल संख्या 141 हो गईं। इन सभी सांसदों को मौजूदा सत्र के बाकी बचे दिनों के लिए निलंबित किया गया। सरकार का कहना है कि इन सांसदों ने अपनी मांग के समर्थन में संसद में हंगामा किया और कामकाज में अड़ंगा डाला। सदन का कामकाज न होने की वजह से इन सांसदों को निलंबित किया गया। हालांकि विपक्ष का कहना है कि मोदी सरकार मनमानी पर उतर आईं है। वो बेहद अहम बिलों को बगैर बहस के मनमाने ढंग से पारित कराना चाहती है। इसलिए वे संसद में विपक्षी सांसदों को नहीं देखना चाहती। मोदी सरकार विपक्ष मुक्त देश की बात इसलिए करती है ताकि अपनी मनमानी कर सके। कांग्रोस ने इसे संसद और लोकतंत्र पर हमला बताया। विपक्ष का कहना है कि सरकार विपक्ष मुक्त संसद चाहती है ताकि अहम बिलों को मनमानी ढंग से पारित करा सके। सरकार संसद की सुरक्षा को नजरअंदाज कर लोगों का ध्यान भटकाने का काम कर रही है। दूसरी ओर भारतीय जनता पाटा (भाजपा) का कहना है कि ये सरकार को अहम बिलों को पारित करने से रोकने के लिए विपक्ष की सोची-समझी साजिश है। उसने कांग्रोस और उसके सहयोगी दलों पर लोकसभा स्पीकर और राज्यसभा के अध्यक्ष का अपमान करने का भी आरोप लगाया। तृणमूल कांग्रोस प्रामुख और प. बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनजा ने कहा कि मोदी सरकार बेहद अधिनायकवादी रवैया दिखा रही है। उसे सदन चलाने का कोईं नैतिक अधिकार अब नहीं रह गया है। सरकार डरी हुईं है। उन्होंने कहा, अगर उनके पास बहुमत है तो विपक्ष से क्यों डर रहे हैं। सांसदों के न रहने पर लोगों की आवाज कौन उठाएगा। सरकार इस तरह के कदम उठा कर जनता का व लोकतंत्र का गला घोंट रही है। मोदी और शाह लोगों को डराकर लोकतंत्र को खत्म करना चाहते हैं। डिपल यादव का मामला नजीर है। वो तो अपनी सीट से भी हिली नहीं थीं। वो सिर्प वहां खड़ी थीं लेकिन उन्हें निलंबित कर दिया। बात इतनी सी है कि विपक्ष 13 दिसम्बर को संसद हमले की बरसी पर फिर से इतिहास दोहराए जाने की मॉक कवायद पर सरकार से स्पष्टीकरण मांग रहा था। सरकार जो प्राचंड बहुमत में है और विधानसभाओं में भी जिसकी लहर चल रही है। वही संसद में संवाद को लेकर बहुत कम चितित दिखाईं देती है। इसे विपक्ष सरकार का अराजक आचरण कहता है। संसदीय इतिहास का यह सबसे बड़ा निलंबन है। संसद संवाद का साकार विग्राह होती है, जो सत्ता एक प्रातिपक्ष के सहयोग से ही संभव होता है। पर बहुमत की जिम्मेदारी इसमें सबसे अधिक आंकी गईं है, लेकिन जिस तरह से नियमित तौर पर निलंबन हुआ है। उससे इस जिम्मेदारी से पलायन ही दिखता है। यह तर्व सीमित मायने में ठीक हो सकता है कि लोकसभा अध्यक्ष ने जब कह दिया कि इसकी जांच की जा रही है तब विपक्ष को शांत हो जाना चाहिए। पर इससे सरकार की जवाबदेही समाप्त नहीं हो जाती। अगर संसद में प्राधानमंत्री या गृहमंत्री दो लाइन का बयान दे देते तो सारा मामला टल सकता था।

> पिछले हफ्ते निलंबित किए गए 14 सांसदों को मिला लें, तो संसद के शीतकालीन सत्र में निलंबित सांसदों की वुल संख्या 141 हो गईं। इन सभी सांसदों को मौजूदा सत्र के बाकी बचे दिनों के लिए निलंबित किया गया। सरकार का कहना है कि इन सांसदों ने अपनी मांग के समर्थन में संसद में हंगामा किया और कामकाज में अड़ंगा डाला। सदन का कामकाज न होने की वजह से इन सांसदों को निलंबित किया गया। हालांकि विपक्ष का कहना है कि मोदी सरकार मनमानी पर उतर आईं है। वो बेहद अहम बिलों को बगैर बहस के मनमाने ढंग से पारित कराना चाहती है। इसलिए वे संसद में विपक्षी सांसदों को नहीं देखना चाहती। मोदी सरकार विपक्ष मुक्त देश की बात इसलिए करती है ताकि अपनी मनमानी कर सके। कांग्रोस ने इसे संसद और लोकतंत्र पर हमला बताया। विपक्ष का कहना है कि सरकार विपक्ष मुक्त संसद चाहती है ताकि अहम बिलों को मनमानी ढंग से पारित करा सके। सरकार संसद की सुरक्षा को नजरअंदाज कर लोगों का ध्यान भटकाने का काम कर रही है। दूसरी ओर भारतीय जनता पाटा (भाजपा) का कहना है कि ये सरकार को अहम बिलों को पारित करने से रोकने के लिए विपक्ष की सोची-समझी साजिश है। उसने कांग्रोस और उसके सहयोगी दलों पर लोकसभा स्पीकर और राज्यसभा के अध्यक्ष का अपमान करने का भी आरोप लगाया। तृणमूल कांग्रोस प्रामुख और प. बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनजा ने कहा कि मोदी सरकार बेहद अधिनायकवादी रवैया दिखा रही है। उसे सदन चलाने का कोईं नैतिक अधिकार अब नहीं रह गया है। सरकार डरी हुईं है। उन्होंने कहा, अगर उनके पास बहुमत है तो विपक्ष से क्यों डर रहे हैं। सांसदों के न रहने पर लोगों की आवाज कौन उठाएगा। सरकार इस तरह के कदम उठा कर जनता का व लोकतंत्र का गला घोंट रही है। मोदी और शाह लोगों को डराकर लोकतंत्र को खत्म करना चाहते हैं। डिपल यादव का मामला नजीर है।

नीतीश के प्रयासों के चलते ही बिहार की राजधानी पटना में विपक्षी दलों की पहली बैठक हुई थी

इंडिया गठबंधन को स्वीकार नहीं राहुल का नेतृत्व

डॉ. आशीष वशिष्ठ

इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस यानी इंडिया की चौथी बैठक दिल्ली में संपन्न हो गई। इस बैठक से उम्मीद थी कि गठबंधन अपना संयोजक या फिर प्रधानमंत्री पद के चेहरे को लेकर कोई निर्णय ले सकता है। लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। छह महीने में चार बैठकें करने बावजूद गठबंधन के दल साथ चलने, बीजेपी को हराने की हवा हवाई बातों से ज्यादा कुछ कर नहीं पाए हैं। लेकिन इस बैठक में एक खास बात हुई कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के नाम का प्रस्ताव दिया। ममता का समर्थन दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने किया। हालांकि इस मुद्दे पर कोई अंतिम निर्णय नहीं हो सका। लेकिन ममता बनर्जी और केजरीवाल ने बड़ी चालाकी से खरगे का नाम आगे करके राहुल गांधी के नेतृत्व को खारिज कर दिया। मामले की संवेदनशीलता और गंभीरता समझते हुए खरगे ने कहा, पहले जीतें, फिर देखेंगे। इस मसले पर भले ही कोई फैसला नहीं हुआ, लेकिन ममता और केजरीवाल ने राहुल की पीएम पद की दावेदारी को तो डाउन कर दिया। बीजेपी को सत्ता से बाहर करने की नीयत से बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गठबंधन के गठन के लिए भागदौड़ की थी। नीतीश के प्रयासों के चलते ही बिहार की राजधानी पटना में विपक्षी दलों की पहली बैठक हुई थी। इसके बाद बेंगलुरु और मुंबई में दूसरी और तीसरी बैठक हुई। लगभग छह महीने में गठबंधन की चार बैठकें हुई। पहली बैठक से ही कांग्रेस अपने को ऐसे पेश कर रही थी कि, विपक्षी दल उसके प्रयासों से एकजुट हुए हैं। कांग्रेस ने हर बैठक में अपना हाथ और एजेंडा ऊपर रखा। कांग्रेस ने ऐसे प्रोजेक्ट किया कि इस गठबंधन को लीड करेगी और राहुल गांधी गठबंधन की ओर से प्रधानमंत्री का चेहरा होंगे। गठबंधन में शामिल कई दल राहुल गांधी के चेहरे और नाम पर सहमत नहीं थे। वो स्वयं को प्रधानमंत्री पद का सशक्त दावेदार समझते हैं। कर्नाटक में शानदार जीत के बाद कांग्रेस का उत्साह सातवें आसमान पर था। 13 मई को कर्नाटक चुनाव नतीजों के ठीक एक महीना दस दिन बाद यानी 23 जून को विपक्षी गठबंधन की पहली बैठक हुई। पहली बैठक में ही संयोजक, सीट शेयरिंग आदि मुद्दों पर सुगबुगाहट शुरू हो गई थी। विपक्षी पार्टियों के नेताओं की दूसरी बैठक जुलाई को बेंगलुरु में हुई थी जहां गठबंधन का नाम इंडिया गठबंधन होगा, इस बात का ऐलान किया गया था। गठबंधन की तीसरी बैठक शिवसेना की मेजबानी में इस साल 31 अगस्त और 1 सितंबर को मुंबई में हुई थी। इस बैठक में गठबंधन की कोआर्डिनेशन कमेटी का गठन हुआ था। कोऑर्डिनेशन कमेटी की भी एक बैठक हुई थी। हालांकि, वह बैठक पांच राज्यों के चुनाव कार्यक्रम के ऐलान से पहले हुई थी। इन तीन बैठकों में कांग्रेस जानबूझकर सीट शेयरिंग और संयोजक के नाम के अहम मुद्दे का टालती रही। कांग्रेस की मंशा यह थी कि पांच राज्यों मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में चुनाव के बाद इन मसलों पर बात की जाएगी। असल में कांग्रेस को पूरी उम्मीद थी कि कर्नाटक की भारी जीत और राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से उसके पक्ष में माहौल बना हुआ है, और वो इन राज्यों में शानदार जीत हासिल करेगी। विधानसभा चुनाव में जीत के बाद उसका पलड़ा भारी होगा और वो अपने शर्तों के हिसाब से गठबंधन में शामिल दलों से तमाम मुद्दों पर तोल-मोल कर सकेगी। लेकिन कांग्रेस की चालाकी, रणनीति और हथकंडे फेल साबित हुए। और हिंदी पट्टी के तीन राज्यों मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ से उसका सफाया हो गया। तेलंगाना में कांग्रेस को जीत तो मिली लेकिन तीन राज्यों की हार ने इस जीत का मजा किरकिरा कर दिया। बीती 3 दिसंबर को विधानसभा चुनाव के नतीजों की घोषणा हुई। उसी दिन कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 6 दिसंबर को इंडी अलायंस की बैठक की चौथी बैठक की घोषणा की। लेकिन ममता बनर्जी, अखिलेश यादव, नीतीश कुमार ने कोई न कोई बहाना लगाकर बैठक में आने से इंकार कर दिया। असल में विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और इंडिया गठबंधन में शामिल दलों समाजवादी पार्टी, जनता दल यूनाइटेड, राष्ट्रीय लोकदल में सीटों के बंटवारे को लेकर तनातनी हुई थी। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव और कांग्रेस नेताओं के बीच शर्मनाक बयानबाजी खूब चर्चा में रही थी। कांग्रेस के इस व्यवहार से घटक दलों में रोष व्याप्त था। इसलिये 6 दिसंबर की बैठक को कांग्रेस को टालना पड़ा था। विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस भी सातवें आसमान से सीधे जमीन पर आ गिरी। चुनाव नतीजों के बाद से ही उसके तेवर ढीले हैं। अब वो घटक दलों के साथ सहयोग और साथ चलने की कसमें खा रही है, लेकिन उसके रवैये से घटक दल चौकन्ने हैं। वो कांग्रेस के साथ चलना चाहते हैं लेकिन अपनी शर्तों के आधार पर। चूंकि गठबंधन में शामिल हर दल का नेता स्वयं को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार मानता है, ऐसे में संयोजक और प्रधानमंत्री के चेहरे पर कोई अंतिम निर्णय नहीं हो पा रहा है। खरगे के नाम का समर्थन करने का सीधा मतलब है राहुल के नाम और चेहरे को खारिज करना। कांग्रेस भी सारी कहानी को बखूबी समझ रही है। लेकिन विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद उसमें उतना दम नहीं बचा कि वो गठबंधन में शामिल दलों पर प्रेशर बना सके। चूंकि कांग्रेस का मतलब गांधी परिवार ही है तो ऐसे में गठबंधन के दलों ने खरगे का नाम का प्रस्ताव करके सीधेतौर पर गांधी परिवार को ही खारिज किया है। रही बात सीट शेयरिंग की तो वो बड़ा पेचीदा मसला है। यूपी, बिहार, पश्चिम बंगाल, पंजाब और दिल्ली में क्रमशः 80, 40, 42, 13 और 7 कुल मिलाकर 182 संसदीय सीटें आती हैं। यूपी में समाजवादी पार्टी, बिहार में राष्ट्रीय जनता दल और जनता दल यूनाइटेड, पंजाब और दिल्ली में आम आदमी पार्टी और पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस का प्रभाव है। सपा और तृणमूल कांग्रेस अपने राज्यों में कांग्रेस को ज्यादा सीटें देने के मूड में नहीं हैं। क्षेत्रीय दल अपने प्रभाव क्षेत्र में किसी दूसरे दल पांव पसारने का मौका नहीं देना चाहते हैं। कर्नाटक और तेलंगाना में मुस्लिम वोटरों के कांग्रेस के प्रति झुकाव को देखते हुए ममता बनर्जी, अखिलेश यादव, नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव काफी चौकन्ने हो गए हैं। इसमें कोई दो राय नहीं है कि गठबंधन की चौथी बैठक में राहुल गांधी को लेकर इंडिया गठबंधन की असहजता अब खुलकर सामने आने लगी है। इंडिया गठबंधन के भीतर यह बात बेहद चर्चा में है कि राहुल गांधी की वजह से मुद्दों में भटकाव होता है और बीजेपी को फायदा पहुंचता है। हालिया विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने जनता को मुफ्त योजनाओं का लालच दिया, जाति जनगणना का वादा किया, अदानी का मुद्दा उठाया, सीधे तौर पर प्रधानमंत्री मोदी पर हमला किया, लेकिन हिंदी पट्टी के जिन तीन राज्यों में कांग्रेस और भाजपा की सीधी टक्कर थी, वहां नतीजे उसके पक्ष में नहीं गये। जनता ने राहुल गांधी, प्रियंका वाड्रा और कांग्रेस को पूरी तरह नकार दिया। जनता को कांग्रेस के वादों से ज्यादा पीएम मोदी की गारंटी पर ज्यादा भरोसा जताया।

> छह महीने में चार बैठकें करने बावजूद गठबंधन के दल साथ चलने, बीजेपी को हराने की हवा हवाई बातों से ज्यादा कुछ कर नहीं पाए हैं। लेकिन इस बैठक में एक खास बात हुई कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के नाम का प्रस्ताव दिया। ममता का समर्थन दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने किया। हालांकि इस मुद्दे पर कोई अंतिम निर्णय नहीं हो सका। लेकिन ममता बनर्जी और केजरीवाल ने बड़ी चालाकी से खरगे का नाम आगे करके राहुल गांधी के नेतृत्व को खारिज कर दिया। मामले की संवेदनशीलता और गंभीरता समझते हुए खरगे ने कहा, पहले जीतें, फिर देखेंगे।

दृष्टि कोण

एकजुट एनडीए का तीन तरह इंडिया गठबंधन से मुकाबला

आगामी लोकसभा चुनाव जीतने के लिए राजनीतिक परटियां अपनी रणनीति बना कर चुनावी संघर्ष में वूद गईं है। इस समय एकजुट एनडीए का तीन तरह इंडिया गठबंधन से मुकाबला है। एनडीए हिंदी पट्टी के तीन राज्यों में जीत के बाद उत्साहित है वहीं इंडिया गठबंधन के सामने अपने घटक दलों में सीट शेयरिग का काम काफी चुनौतीपूर्ण है। इसी बीच तृणमूल सुप्रीमों और बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनजा ने इंडिया गठबंधन की और से प्रधानमंत्री पद के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे का नाम प्रस्तावित कर एक तीर से कईं शिकार करने का प्रयास किया है लगता है यह चुनाव मोदी और खरगे के चेहरे पर लड़ा जायेगा। यदि ऐसा होता है तो यह अब तक का सबसे दिलचस्प चुनाव होंगा। अस्सी आयु पार खड़गे दलित समुदाय से है। कर्णाटक जीत का श्रेय भी उन्हें दिया जा सकता है। कन्नड़ होने के बावजूद हिंदी में जोशीला बोलते है। भाजपा और प्रधान मंत्री पर हमला बोलते समय कईं बार मर्यादा का उल्लंघन भी कर देते है।

ममता ने खरगे का नाम प्रस्तावित कर नेहरू गाँधी परिवार के वारिस राहुल गाँधी का पीएम बनने का रास्ता काट दिया है। हालाँकि खरगे ने कहा मैं वंचितों के लिए काम करता हूं। पहले जीतें फिर देखेंगे। इंडिया गठबंधन के निर्माण के साथ सबसे पूर्व कांग्रेस की ओर से राहुल गांधी के नाम की ही दावेदारी की गईं थी, लेकिन राहुल के नाम पर विपक्षी दल एकजुट नहीं हुए। इसके बाद नीतीश वुमार, ममता बनजा, शरद पवार समेत कईं वरिष्ठ नेताओं के नाम सामने आए, लेकिन हर नेता के नाम पर दूसरा नेता सहमत नहीं दिखा। गठबंधन में सबसे बड़ा दल कांग्रेस है, इसलिए पीएम का चेहरा कांग्रेस से होना चाहिए। खरगे के नाम पर विपक्षी परटियों के बीच उनकी स्वीकार्यता भी देखी जाती है, मगर सियासी क्षेत्रों में इसे लेकर एक नईं बहस छिड़ गईं है। आने वाले लोकसभा चुनाव में इसे दक्षिण और उत्तर की लड़ाईं के रूप में देखा रहा । भाजपा और एनडीए के पास प्रधान मंत्री पद के लिए नरेंद्र मोदी जैसा लोकप्रिय और मजबूत व्यत्तित्व है। हिदी पट्टी के तीन राज्यों में जीत के बाद भाजपा के हौसले बुलंद है। तीन राज्यों में से दो राज्य राजस्थान और छत्तीसगढ़ को भाजपा ने कांग्रेस से छीन लिया। मध्य प्रदेश में भी कांग्रेस की उम्मींदें धराशाही हो गयी। तेलंगाना को एक क्षेत्रीय पाटा से छीन कर कांग्रेस ने जरूर वुछ राहत महसूस की है। मगर तीन राज्यों में भाजपा की शानदार जीत ने कांग्रेस के छक्के छुड़ा दिए। इसे छह महीने बाद होने वाले लोकसभा चुनाव से पूर्व सेमी फाइनल की संज्ञा दी जा रही है। देश के सामने वर्तमान में तीन मोच्रे की त्रिकोणात्मक लड़ाईं है। पहला मोर्चा भाजपा नीत एनडीए का है तो दूसरा मोर्चा कांग्रेस नीत इंडिया गठबंधन का है। तीसरा मोर्चा निर्गुट कही जाने वाली क्षेत्रीय परटियों का है। तीन राज्यों को जीतने के बाद प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी का कद और देशभर में मोदी की गारंटियों पर लोगों का विश्वास बढ़ा है। देश के अधिकांश राज्यों में एनडीए और इंडिया गठबंधनों के बीच सीधे मुकाबले के आसार है। उड़ीसा, तेलंगाना, आंध्र, कर्नाटक, हरियाणा, पंजाब और यूपी जैसे प्रदेशों में त्रिकोणात्मक संघर्ष की संभावनाएं व्यत्त की जा रही है। भाजपा ने लोकसभा चुनाव की तैयारियां जोर शोर से शुरू कर दी है जबकि विपक्षी परटियों का गठबंधनअभी सीट शेयरिग का मामला भी नहीं सुलझा पाया है। कहा गया है, इस महीने के अंत तक सुलझा लेंगे। 2014 और 2019 के चुनाव में एनडीए की भारी जीत हुईं और नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। पिछले दो लोकसभा चुनावों में ऐतिहासिक जीत हासिल करने वाली भारतीय जनता पाटा ने अपने 'मिशन 2024' के तहत नये सिरे से काम करना शुरू कर दिया है।

कुछ अलग

वायुमार्ग से आए शिशिर के प्रवासी

यह सबसे ऊंची उड़ान भरने वाले पक्षियों में से एक, बार-हेडेड गूज (सफेद हंस) के झुंड में एक नन्हे परिंदे की कहानी है। कहानी गूज के मध्य एशिया से भारत तक की यात्रा से जुड़ी है। झुंड में से एक वायुराज नामक युवा हंस, थोड़ा उत्सुक और जिज्ञासु है। यह वायुराज की, तिब्बत पठार से निकल कर, हिमालय पर्वत श्रृंखला पर उड़ान भरते हुए भारत पहुंचने की पहली यात्रा थी। वह नए दृश्यों और अन्य पक्षियों को देखने समझने के लिए अत्यंत उत्सुक था। उड़ान शुरू होने से पहले वायुराज की मां ने उसे हल्की चेतावनी भी दी कि उसे झुंड के साथ-साथ रहना होगा। झुंड 5500-6000 मीटर की ऊंचाई पर लम्बी यात्रा तय कर हिमालय को पार कर, गुजरात में कच्छ के छोटे रण पर ठहराव लेने को उतरा। झुंड का एक हिस्सा रास्ते में पहले ही भारत के पूर्वी भाग असम की और अग्रसर हो चुका था। वायुराज का झुंड जैसे ही कच्छ के छोटे रण पर उतरा, वायुराज फ्लेमिंगो (राजहंस) और दसमोसाइल क्रेन से मंत्रमुग्ध हो झुंड से कुछ बिछड़ सा गया। वह फ्लेमिंगो और क्रेन को उत्साहित हो निहार ही रहा था कि रण के एक सुदूर कोने में वायुराज को बादामी रंग के स्तन वाले अद्भुत रेड-ब्रेस्टेड गूज दिखाई दिए। उसने पास खड़े फ्लेमिंगो जोड़े से पूछा तो पाया कि यह रेड-ब्रेस्टेड गूज सामान्य तौर पर अपनी सर्दियां बिताने भारत आते हैं और उन्हें यहां देख पाना एक दुर्लभ दृश्य ही था। वायुराज बादामी रंज वाले गुज को देख इतना मोहित हो गया था कि उसने अपने झुंड के हॉर्न की आवाज पर ध्यान नहीं दिया और वह पीछे रह गया। गूज का झुंड दक्षिण भारत के पॉइंट कैलीमेर सैंक्चुअरी की और बढ़ गया था। नन्हे वायुराज को जब ज्ञात हुआ कि वह अपने झुंड से बिछड़ गया है, वह घबरा गया और बेचैन हो पास बैठे डेमोइसेल क्रेन से पूछा कि उसका झुंड संभवतः किस और गया होगा? डेमोइसेल क्रेन ने वायुराज को बताया कि हर वर्ष बार-हेडेड गूज भारत के कई हिस्सों में अपनी सर्दियां बिताते हैं, जैसे ही असम, उत्तर प्रदेश, गुजरात, राजस्थान एंड लगभग सभी तटीय स्थानों पर उनके पाए जाने की संभावना हो सकती है। वायुराज चिंतित हुआ कि इतने बड़े देश में वह अपने झुंड से पुनः कैसे मिल पाएगा? नलसरोवर में वायुराज ने घास की नोक पर फारेस्ट वैगटेल बैठा मिला। पूछने पर वैगटेल ने वायुराज को बताया कि नलसरोवर में तो गूज का कोई झुंड नहीं उतरा, किन्तु संभवतः वे राजस्थान के केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान गए होंगे, क्युंकि राजस्थान गुजरात के समीप है और पहले नदजीकी स्थानों पर तलाशना आसान होगा, इसलिए वायुराज केवलादेव जाने का निश्चय करता है। केवलादेव पहुंचने पर वायुराज एक बार पुनः वहां कि सुंदरता और पक्षियों की विविधता को देख अत्यंत उत्साहित हो जाता है। एक बार को तो वह भूल भी गया की वह अपने झुंड से बिछड़ गया है। वहां उसे झुंड के झुंड ढोक (पेंटेड स्टोर्क), राजीव अम्बुकुक्कुटी (पर्पल मूरहेन), ग्लॉसी इबिस, ग्रे बगुला (ग्रे हेरॉन) डार्टर व अन्य अद्भुत पक्षियों का परिचय मिला और वह पक्षी प्रजातियों कि विविधता में खो गया। तभी उसे केवलादेव के जलाशय में बार-हेडेड गूज का एक झुंड दिखा। गूज के झुंड को देख कर वह अत्यंत प्रफुल्लित हुआ और समीप जाकर अपनी मां को ढूंढने लगा। कुछ ही पलों में वह अपनी मां से मिल गया और थोड़ी झिरकी पाने के बाद, उसने अपनी मां को अपनी यात्रा कि कहानी सुनाई। वायुराज की मां ने उसे बताया की झुंड तमिलनाडु के पॉइंट कैलीमेर सैंक्चुअरी की ओर ही अग्रसर था, किंतु वायुराज के पीछे छूट जाने के कारण, झुंड ने केवलादेव में अपने ठहराव की अवधि बढ़ा ली थी।

देश दुनीया से

क्यों काशी में आते अब गोवा से भी ज्यादा पर्यटक

> गोवा एयरपोर्ट से बाहर निकलते ही गोवा वासियों के सुसंस्वृत व्यवहार से लेकर सड़कों पर व्यवस्थित ट्रैफिक को देखकर समझ आने लगता है कि ये अलग मिजाज का शहर है। क्यों काशी में आते अब गोवा से भी ज्यादा पर्यटक अगर कोईं यह मानता है कि सबसे अधिक टुरिस्ट समुद्र के किनारे के तटों पर या फिर आकाश को छूते पहाड़ों में सैर करने को आते हैं तो उन्हें एक बार फिर सोचना होगा। मतलब यह है कि अब न तो सबसे अधिक टूरिस्ट गोवा आ रहे हैं या फिर शिमला, नैनीताल या कश्मीर या हिमाचल किसी अन्य हिल स्टेशन पर। आज के दिन सबसे ज्यादा टूरिस्ट को अपनी तरफ आर्कषित करने लगा है वाराणसी।

यह ठीक है कि काशी ने गोवा को दूसरे स्थान पर धकेल दिया है, पर गोवा अपने में लाजवाब है। यहां के अनेक 'बीच' पर आनंद करने के लिए इसलिए ही तो सारे संसार से टूरिस्ट गोवा आते हैं। गोवा एयरपोर्ट से बाहर निकलते ही गोवा वासियों के सुसंस्वृत व्यवहार से लेकर सड़कों पर व्यवस्थित ट्रैफिक को देखकर समझ आने लगता है कि ये अलग मिजाज का शहर है। क्यों काशी में आते अब गोवा से भी ज्यादा पर्यटक अगर कोईं यह मानता है कि सबसे अधिक टुरिस्ट समुद्र के किनारे के तटों पर या फिर आकाश को छूते पहाड़ों में सैर करने को आते हैं तो उन्हें एक बार फिर सोचना होगा। मतलब यह है कि अब न तो सबसे अधिक टूरिस्ट गोवा आ रहे हैं या फिर शिमला, नैनीताल या कश्मीर या हिमाचल किसी अन्य हिल स्टेशन पर। आज के दिन सबसे ज्यादा टूरिस्ट को अपनी तरफ आर्कषित करने लगा है वाराणसी। आईंसीआईंसीआईं के एक सव्रे से पता चला है कि पिछले साल-2022में वाराणसी में7.02करोड़ टुरिस्ट पहुंचे। गोवा के हिस्से में लगभग मात्र85लाख टूरिस्ट। यूं तो वाराणसी में लगातार खूब टूरिस्ट पहले से ही आते थे पर2015के बाद तो स्थिति वाराणसी के पक्ष में पूरी तरह से पलट गईं। इस लिहाज से गेम चेंजर साबित हुआ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और जापान के प्रधानमंत्री शिजो आबे (अब स्मृति शेष) का धर्म नगरी वाराणसी के दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती में2015में भाग लेना। गंगा सिर्प एक नदी नहीं, हमारी भारतीय सनातन संस्वृति की वाहक भी है। इस लिहाज से जापान के प्रधानमंत्री के स्वागत में काशी में गंगा आरती का आयोजन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौलिक और व्यापक सोच का परिचय देने वाला था। गंगा आरती महज एक पूजाविधि नहीं है। मोदी-आबे ने गंगा आरती मे भाग लेकर दुनिया में भारत की खोईं हुईं या यूं कहें कि तिरस्वृत का दिये गये सांस्वृतिक राष्ट्रवाद ने अपनी जगह बनाईं थी। बीते60सालों की राजनैतिक सत्ता ने इस छवि को नजरअंदाज कर एक उपभोगी देश की छवि के रूप में भारत को दुनिया के सामने पेश किया था।संस्वृति के नाम पर ताज के मकबरे को ही खूब भुनाने की कोशिश की गयी। लेकिन, गंगा की ''ब्रांडिग'' तो सही माने में भारत के लिए आत्मगौरव का क्षण था। टूरिज्म क्षेत्र के जानकार कहते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी और जापान के प्रधानमंत्री आबे के गंगा आरती में भाग लेने के बाद सारे देश में वाराणसी को लेकर एक नईं तरह की सकारात्मक सोच विकसित होने लगी। इसी का नतीजा है कि वाराणसी में देश-दुनिया के टुरिस्ट पहले से कहीं अधिक संख्या में पहुंचने लगे। वाराणसी के चाहुर्मुखी विकास ने पर्यंटकों को भरपूर आर्कषित किया। काशी का गोवा को पीछे छोड़ना सामान्य बात नहीं है। आमतौर पर तो यही माना जाता था कि गोवा से ज्यादा टूरिस्ट कहीं जा ही नहीं सकते। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के उद्घाटन के मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि यह कॉरिडोर सिर्प एक भव्य इमारत नहीं है, बल्कि;यह हमारी आध्यात्मिक, परंपरा और गतिशीलता का प्रतीक है। यही नहीं यह काशी की आर्थिक समृद्धि में नए चैप्टर को जोड़ने का काम करेगा। अगर उन्होंने यह बात कही थी तो आंकड़े उसे प्रमाणित भी कर रहे हैं। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के निर्माण के दौरान पुनर्वास का मुद्दा भी उठा था। विपक्ष लगातार इस बात को उठा रहा था कि आम लोगों को उजाड़ा जा रहा है। लेकिन जिन300संपत्तियों का अधिग्रहण किया गया था उससे जुड़े लोगों का पुनर्वास हो चुका है। काशी में श्रद्धालुओं को आर्कषित करने के अलावा पर्यंटकों की सुविधा का भी खास ख्याल रखा जाता है। काशी विश्वनाथ धाम का लोकार्पण के बाद श्रद्धालुओं की संख्या में जबरदस्त वृद्धि देखी गईं है। काशी पूरे देश में उत्तर प्रदेश डॉमेस्टिक टूरिज्म का हब बन गया है। इसके साथ ही काशी की यात्रा करने वाला हरेक शख्स बौद्ध पर्यंटक वेंद्र सारनाथ तो जाता ही है। भगवान बुद्ध ने बोधगया में आत्मज्ञान प्राप्त करने के पात पहला प्रवचन यहां ही दिया था। उन्होंने जहाँ प्रवचन दिया था वहां पर धामेक स्तूप है। इस स्तूप का निर्माण सम्राट अशोक ने500ईंसवी में करवाया था। हालांकि, कोविड के कारण बौद्ध धर्म को मानने वाले देशों से काशी में उड़ानें नहीं आ रहीं हैं, पर अब श्रीलंका, थाईंलैंड, साउथ कोरिया, जापान और शेष बौद्ध देश के नागरिक यहाँ आने लगे हैं। काशी से लेकर सारनाथ तक घूमते हुए रोज सैकड़ों विदेशी टूरिस्ट नजर आते हैं। जाहिर है, इनमें ज्यादातर बौद्ध देशों के ही होते हैं। इन सभी क्षेत्रों की देखरेख र्आकिलॉजिकल सव्रे ऑफ इंडिया की तरफ से की जाती है। हम आमतौर पर सरकारी महकमों को उनकी काहिली के कारण कोसते हैं। लेकिन, इस जगह को र्आकिलॉजिकल सव्रे ऑफ इंडिया बेहतरीन तरीके से व्यवस्थित कर रही है।

आप का नजरीया

सेल्फ गोल

सरकार ने अपने सारे विधेयकसंसद से पारित करा लिए तो निर्धारित अवधि से एक दिन पहले ही राज्यसभा और लोकसभा अनितिकाल के लिए स्थगित कर दी गईं। संसद में ज्वलंत लोक विषयों पर चर्चा के बजाए राजनीतिक दांवपेच साधने के चक्कर में विपक्ष सरकार को घेरने की रणनीति बनाते-बनाते खुद ही बाहर हो गया और सरकार ने अपने निर्धारित लक्ष्य को हासिल करने में सफल रहा। दरअसल लोकसभा में घुसपैठ की घटना के बाद विपक्ष को लगा कि वह प्राधानमंत्री मोदी की सरकार को कमजोर बताकर उसे घेरेगी किन्तु वह सामान्य बात भी भूल गए कि संसद भवन की सुरक्षा की व्यवस्था की जिम्मेदारी दोनों सदनों के महासचिवों के हाथों में होती है। संसद में विपक्ष धूल पर लट्ठ मारता रहा और गृहमंत्री से वक्तव्य की मांग करता रहा। इसका परिणाम यह हुआ कि सरकार को इस बात का अवसर मिल गया कि वह विपक्ष को इस बात के लिए चिढ़ा सके कि जो काम सरकार का है ही नहीं, उसके लिए भी बवाल मचाया जा रहा है। किन्तु जिस तरह विपक्ष के सदस्यों को दोनों सदनों से बाहर किया गया वह विपक्ष के लिए एक अच्छा अवसर था जिसके आधार पर आसन और सरकार को वे लोकतंत्र विरोधी साबित करने के लिए आंदोलन करने के अवसर का इस्तेमाल कर सकता था। देश की जनता को भी लग रहा था कि जिस तरह संसद की सुरक्षा मुद्दे पर विपक्ष के विरोध को सरकार सहन करने के बजाए प्रातिव्राया स्वरूप उन्हें निलंबित करवा रही है वह लोकतांत्रिक भावना के अनुवूल तो कदापि नहीं है। किन्तु जब कोईं भी आंदोलन वुशल नेतृत्व में नहीं होता तो वह दिशाहीन होता है और दिशाहीनता की स्थिति में ऐसे ही सेल्फ गोल होते हैं जिससे पूरी स्थिति ही बदल जाती है। टीएमसी सदस्य कल्याण बनजा ने राज्यसभा के सभापति का मजाक उड़ाने के लिए नकल करके और कांग्रोस नेता राहुल गांधी ने उसकी वीडियो बनाकर वायरल करके सरकार को ऐसा हथियार दे दिया कि विपक्षी सदस्यों के निलंबन से बड़ा मुद्दा आसन और उपराष्ट्रपति के अपमान का बन गया। बहरहाल विपक्ष की वही पार्टियां संसद में अवरोध पैदा कर रही थीं जो इंडिया गठबंधन की घटक हैं। विपक्ष की कईं पार्टियों के सदस्यों ने संसद की कार्यंवाही में भाग लिया और विधेयक को पारित करने में पूरा सहयोग दिया। यही कारण है कि इंडिया गठबंधन की घटक पार्टियां न तो सरकार के काम में बाधा डालने में सफल हुईं और न तो निलंबन को मुद्दा बनाकर सरकार की छवि को प्रामाणित कर सकीं। मजे की बात तो यह कि शीत सत्र के जाते-जाते विपक्ष खासकर कांग्रोस अपना राजनीतिक नुकसान कर गईं। हैरानी की बात तो यह राजनीतिक कौशल से राजनेता अपनी पाटा को मुसीबत से निकालते हैं किन्तु समय का च्व्रा देखिए कि कांग्रोस पाटा के वरिष्ठ नेता की जरा सी नासमझी की वजह से पूरा राजनीतिक विमर्श ही बदल गया।

कोरोना और युद्ध जैसी विभीषिकाओं से दुनिया को बचा सकता है गीता का संदेश : मनोहर लाल

चंडीगढ़ (हिंस)। धर्मनगरी कुरुक्षेत्र में चल रहे अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के अवसर पर थीम पार्क में एक मिनट-एक साथ गीता के वैश्विक पाठ कार्यक्रम में संबोधित करते हुए हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि आज का विश्व कोरोना जैसी महामारी तथा युद्ध जैसी विभीषिकाओं के कारण अपने आपको को अंधेरी कोठरी में असहाय सा समझ रहा है। ऐसे हालात में हर किसी को भारत से आशा बंधी है कि उसकी संस्कृति व गीता रूपी विरासत दुनिया को बचा सकती है। भारत के प्रति विश्व का जो विश्वास बना है, हम उसको बनाएं रखेंगे। मनोहर लाल ने कहा कि गीता का सार है कि हमें कर्म करते रहना चाहिए, फल की चिंता नहीं करनी चाहिए। इसी को आत्मसात करते हुए वे स्वयं हरियाणा की 2.80 करोड़ जनता को अपना परिवार मानते हुए सेवा कर रहे हैं। आज एक मिनट-एक साथ गीता के पाठ से एकरूपता का संदेश मिला है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत गीता और हमारे ग्रंथ स्कूल पाठ्यक्रम में जोड़ने का कार्य जारी है। इस साल गीता के 54 श्लोक पाठ्यक्रम में शामिल होंगे। भविष्य में और भी श्लोकों को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा, ताकि छात्र जीवन में गीता के सभी 700 श्लोकों की जानकारी मिल सके। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा का अभिनंदन करते हुए कहा कि मां कामाख्या देवी जी की पावन धरा असम राज्य इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का भागीदार राज्य है। उन्होंने बताया कि महाभारत के युद्ध में असम के महाराज भगदत्त के नेतृत्व में भाग लिया था। उसी क्षेत्र के महाबली घटोत्कच और महाबली बर्बरीक की दंत कथाएं तो पूरे देश में आज भी प्रचलित हैं। अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव को संबोधित करते हुए असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि कुरुक्षेत्र में महाभारत के समय में पूरे भारत का संगम हुआ था। भगवान श्रीकृष्ण का असम से गहरा संबंध था। श्रीकृष्ण की पत्नी रुकमणी असम से थीं। इसलिए असम में श्रीकृष्ण को दामाद मानते हैं। महाबली भीम ने भी असम में शादी की थी। अर्जुन ने उनके राज्य पड़ोसी मणिपुर में शादी की थी। उन्होंने कहा कि अंग्रेज सोचते थे कि भारत को अंग्रेजों ने बनाया है, लेकिन यह सत्य नहीं है। भारत का इतिहास बहुत पुराना है। यहां की संस्कृति हजारों वर्ष पुरानी है। उन्होंने गीता महोत्सव में निमंत्रण के लिए हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल का धन्यवाद किया। इस मौके पर 18 हजार विद्यार्थियों द्वारा गीता के 18 श्लोकों का उच्चारण किया, जिससे आसमान गूंज उठा। इसी तरह से देश के कोने-कोने व विश्व में भी गीता को श्लोकों का उच्चारण किया गया। इस दौरान गीता ज्ञान संस्थानम के अध्यक्ष स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव से कुरुक्षेत्र का सम्मान और भगवत गीता की पहचान विश्व में बनी है। गीता के प्रति बच्चों व लोगों की रुचि बढ़ी है। इस मौके पर राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा विधायक सुभाष सुधा और प्रबुद्ध संत उपस्थित रहे।

पंजाब में भीड़ वाले स्थानों पर मास्क अनिवार्य

चंडीगढ़ (हिंस)। कोरोना के नए वेरिएंट की आशंका के चलते पंजाब में भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया गया है। स्वास्थ्य विभाग ने इसे लेकर शनिवार को एडवाइजरी जारी की है। पंजाब में अभी तक जेएन-1 का कोई केस तो नहीं आया है लेकिन अमृतसर हवाई अड्डे पर आने वाले यात्रियों की जांच के निर्देश जारी कर दिए गए हैं। स्वास्थ्य निदेशालय द्वारा जारी की गई एडवाइजरी के अनुसार भीड़भाड़ वाली जगहों पर मास्क पहनना जरूरी रहेगा। अस्पतालों में डॉक्टर, पैरामेडिकल और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों को अनिवार्य रूप से मास्क पहनना होगा। मरीजों और उनके तीमारदारों को अनिवार्य रूप से मास्क पहनने सहित अन्य सावधानियों का पालन करना होगा। श्वांस संबंधी बीमारी के लक्षणों से पीड़ित होने पर आपसी संबंध सीमित करने की सलाह दी गई है। डॉक्टर की सलाह पर टेस्ट करवाने और हाथों से आंख, नाक और मुंह को न छूने की सलाह दी गई है।

साक्षी मलिक का सन्यास खेल जगत के इतिहास में काला दिन : आदर्श पाल

यमुनानगर (हिंस)। आम आदमी पार्टी के अंबाला लोकसभा अध्यक्ष आदर्श पाल सिंह ने कहा है कि अंतर्राष्ट्रीय पहलवान और ओलंपिक में पदक विजेता साक्षी मलिक का संन्यास लेना खेल जगत के इतिहास में काला दिन है। उन्होंने कहा कि देश की बहन बेटियों और महिलाओं का अपमान करने वालों को किसी भी पदों से सुशोभित नही किया जा सकता है। शनिवार को जारी एक बयान में उन्होंने कहा कि देश का नाम रोशन करने वाली ओलंपिक में मेडल लाने वाली पहलवान बेटियों को पहले न्याय के लिए जंतर मंतर पर बैठना पड़ा। इसके बाद अब कोई उम्मीद नजर नहीं आने पर साक्षी मलिक को कुश्ती से ही संन्यास की घोषणा करनी पड़ी। उन्होंने कहा कि साक्षी मलिक देश की पहली महिला पहलवान है जिसने 2013 में एशियाई चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर अगले वर्ष अपना पहला कॉमनवैल्थ गेम्स खेला और उसमें रजत पदक जीता था। फिर कई पदक जीते और वर्ष 2022 में राष्ट्रमंडल खेलों में साक्षी ने स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनाया था। साक्षी मलिक ने दुनिया में भारत देश का नाम रोशन किया था। यह देश की महिलाओं के सम्मान और खेल जगत के लिए अच्छे संकेत नहीं है। साक्षी मलिक और उनके पति सत्यव्रत ने अपने साथ हुए वायदा खिलाफी से बेहद आहत थे। पद्मश्री पहलवान बजरंग पूनिया द्वारा प्रधानमंत्री निवास के सामने मेडल फुटपाथ पर रखकर पद्मश्री लौटाना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सांसद बृजभूषण शरण सिंह पर इतनी गंभीर धाराएं लगने के बाद उसे गिरफ्तार नही किया गया। बल्कि उसे कैसे पोक्सो एक्ट की धारा से बाहर निकाला गया यह पूरे देश ने देखा।

कर्मचारी चयन बोर्ड : आधार कार्ड और 10वीं की मार्कशीट से लिंक करना होगा आवेदन फॉर्म

जयपुर (हिंस)। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने भविष्य में होने वाली भर्ती परीक्षाओं में धांधली और नकल रोकने का एक्शन प्लान तैयार किया है। इसके तहत अब अभ्यर्थी आधार या 10वीं की मार्कशीट को आवेदन से लिंक कर भर्ती प्रक्रिया में शामिल हो सकेंगे। बोर्ड अध्यक्ष मेजर जनरल आलोक राज ने बताया कि पिछले दो महीना में कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा 21 अभ्यर्थियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई गई है। क्योंकि इन अभ्यर्थियों ने किसी और के स्थान पर या डमी अभ्यर्थी बन भर्ती परीक्षा में शामिल होने की कोशिश की थी। जिन्हें बोर्ड द्वारा वक्त रहते पकड़ लिया गया, लेकिन भविष्य में इस तरह की गलती ना हो। इसको लेकर अब बोर्ड भर्ती प्रक्रिया के नियमों में संशोधन करने जा रहा है। जिसके तहत राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा भविष्य में होने वाली सभी भर्ती परीक्षाओं की आवेदन पत्र की प्रक्रिया को आधार कार्ड या फिर दसवीं की मार्कशीट से लिंक किया जाएगा। ताकि अभ्यर्थी किसी और के स्थान या फिर डमी बन फर्जी तरीके से भर्ती परीक्षा में शामिल न हो सके। आलोक राज ने बताया कि बोर्ड की प्राथमिकता आधार कार्ड रहेगी। लेकिन किसी कारणवश अगर कोई अभ्यार्थी आवेदन लिंक को आधार कार्ड से लिंक नहीं कर पाया। तो उसे दसवीं की मार्कशीट के रोल नंबर से आवेदन फार्म को भरना होगा। उन्होंने बताया कि यह प्रक्रिया भविष्य में होने वाली सभी प्रतियोगी भर्ती परीक्षाओं में लागू होगी। आलोक राज ने बताया कि बोर्ड द्वारा इस प्रक्रिया के लागू होने के बाद अभ्यर्थियों की बेसिक जानकारी बोर्ड के पास होगी। जैसे उनका सही नाम, उनके माता-पिता का नाम डेट ऑफ बर्थ और उनका मूल एड्रेस भी हमें पता होगा। ऐसा करने से अभ्यर्थी को भी काफी फायदा होगा। क्योंकि वह भी डायरेक्टली डिजी लॉकर की मदद से अपनी बेसिक जानकारी आवेदन फार्म में भर सकेंगे। ऐसा होने के बाद परीक्षा केंद्र से लेकर सिलेक्शन के बाद डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन तक अभ्यर्थी के मूल दस्तावेजों की सही से जांच हो सकेगी। जिससे नकल और धांधली जैसी घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सकेगा।

पीएम का 40 करोड़ व सीएम का पौने तीन करोड़ लोगों का परिवार : कृष्ण पाल गुर्जर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गारंटी वाले विकसित भारत संकल्प यात्रा रथ का किया स्वागत

फरीदाबाद (हिंस)। केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी 40 करोड़ लोगों का और मुख्यमंत्री मनोहर लाल का पौने तीन करोड़ लोगों का बड़ा परिवार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय संस्कृति और सामाजिक संस्कारों की विरासत का विश्व में परचम फहराया है। विदेशों में भारतीयों का सम्मान पिछले साढे नौ वर्षों में दिन प्रतिदिन बढता जा रहा है। वे शनिवार को सेक्टर-37 के सामुदायिक भवन और अशोका एन्कलेव की ऐन मार्किट में विकसित भारत संकल्प यात्रा रथ के स्वागत अवसर पर बोल रहे थे। केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर और विधायक राजेश नागर ने लाभार्थियों को गैस सिलेंडर और चुल्हा भेंट कर लोगों संग जन संवाद भी किया। वहीं उपस्थित लोगों विकसित भारत संकल्प शपथ दिलवाते हुए भागीदारी सुनिश्चित करने आह्वान किया। केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा का उद्देश्य मोदी सरकार द्वारा शुरू की गई जन कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को सीधा लाभ मिले। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा का उद्देश्य मोदी सरकार द्वारा शुरू की गई जन कल्याणकारी योजनाओं के लाभ को आम जनता के लिए सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति को शत प्रतिशत मिलना चाहिए और कोई इससे छूटना नहीं चाहिए। केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा के प्रधानमंत्री मोदी ने संकल्प लिया था कि जब भारत आजादी के 100 वर्ष पूरे करे तब देश एक विकसित राष्ट्र होना चाहिए, श्रेष्ठ राष्ट्र होना चाहिए। उन्होंने केंद्र सरकार की कई योजनाओं के आंकड़े भी साझा किए। केंद्रीय राज्य मंत्री ने सभी अधिकारीयों को लोगों तक पहुंच बनाकर योजनाओं लाभ देने के निर्देश दिए। विधायक राजेश नागर ने बताया कि इस यात्रा के दौरान योजनाओं से संबंधित अधिकारी तीन से चार घंटे लोगों के बीच रहेंगे और योजना से संबंधित हर जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। इस दौरान कई संबंधित विभागों द्वारा योजनाओं के बारे में स्टाल लगाए गए। इसके इलावा एक स्वास्थ्य जांच कैंप भी लगाया गया।

किसानों की समृद्धि के लिए चौ. चरण सिंह की नीतियां कारगर : प्रो. बीआर कंबोज

हिसार (हिंस)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में शनिवार को भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की 121वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बीआर कंबोज मुख्य अतिथि थे। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कुलपति प्रो. बीआर कंबोज ने कहा कि चौधरी चरण सिंह किसान व कमेरा वर्ग के सच्चे हितैषी थे। स्वयं एक किसान व ग्रामीण परिवेश से होने के चलते वह किसानों की समस्याओं को अच्छी तरह से समझते थे। वे मानते थे कि देश के विकास का रास्ता खेत-खलिहानों से होकर गुजरता है, इसलिए उन्होंने ताउम्र किसानों और गरीबों के उत्थान के लिए संघर्ष किया।

बजरंग पुनिया को न पदक लौटाना चाहिए न ही खेलना छोड़ना चाहिए : अनिल विज

अंबाला (हिंस)। हरियाणा के गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने कहा कि बजरंग पुनिया को न अपना पदक लौटाना चाहिए और न ही खेलना छोड़ना चाहिए। पदक बजरंग पुनिया का हक है जोकि उन्हें लौटाना नहीं चाहिए और खेल जारी रखते हुए पदक अपने पास रखना चाहिए। शनिवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान विज ने कहा कि बजरंग पुनिया का यदि कोई विवाद है तो खेल को जारी रखते हुए वह अपनी बात रख सकते हैं। उन्हें न तो पदक लौटाना चाहिए न ही खेलना छोड़ना चाहिए। कांग्रेस नेताओं के बयान कि वह राम के सच्चे भक्त हैं, पर गृह मंत्री अनिल विज ने कहा कि कांग्रेस नेता गंगा गए गंगादास, जमुना गए जमुनादास की तरह हैं। इन्होंने राम मंदिर का पहले डटकर विरोध किया और कपिल सिब्बल ने तो कोर्ट में एफिडेविट तक दिया था कि राम काल्पनिक हैं। अब यह रेस लगा रहे हैं कि किसी तरह से वह आगे हो जाएं। सांसद निलंबन मामले में अनिल विज ने कहा कि लोकसभा, राज्यसभा व विधानसभा का अध्यक्ष होता है जिसने हाउस को चलाना होता है।

राजस्थान / पंजाब / हरियाणा / जम्मू

देश की जनता ठगबंधन को नकार चुकी, मोदी तीसरी बार बनेंगे प्रधानमंत्री : केशव प्रसाद मौर्य

बदायूं (हिंस)। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य शनिवार को बिल्सी विधानसभा क्षेत्र 19.5 करोड़ रुपए की योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस मौके पर मंच से उप मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष ने जो ठगबंधन बनाया है, देश की जनता उनको नकार चुकी है। देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम की सुनामी चल रही है। वर्ष 2024 में देश की जनता नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रचंड बहुमत से प्रधानमंत्री बनाने का मन बना चुकी है। उप मुख्यमंत्री ने केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि अखिलेश यादव ने 2022 में दावा किया था कि हम 400 सीट जीतकर यूपी में सरकार बनाएंगे, लेकिन अखिलेश यादव यह जान लें कि वे अब कभी भी मुख्यमंत्री नहीं बन पाएंगे। उन्होंने कहा कि विपक्ष छापे पड़ने पर बहुत आपत्ति उठाता है, लेकिन छापे में विपक्ष के नेताओं के पास से करोड़ों रुपए मिलते हैं। मोदी सरकार जनता का पैसा लूटने वालों से पाई पाई वसूल करेगी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार गरीबों के लिए काम कर रही है। मौर्य ने भाजपा सांसद सुब्रत पाठक के बयान की सपा के किसी भी कार्यकर्ता को राम प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में नही बुलाना चाहिये का जवाब देते हुए कहा कि राम मंदिर ट्रस्ट तय करेगा किसे बुलाना चाहिए। भाजपा राम कृष्ण शिव भक्तों पर फूल बरसाती है। जो राम भक्तों के हत्यारे हैं, जिसको राम मंदिर वन जाने का दुख है। उन्हें लगता है कि राम मंदिर बनने का क्रेडिट ले लिया है। उनको बताना चाहते हैं कि अभी श्री कृष्ण जन्मभूमि का क्रेडिट लेना बाकी है। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री बीएल वर्मा, सांसद संघमित्रा मौर्य, भाजपा विधायक हरीश शाक्य, सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता, दातागंज विधायक राजवीर सिंह भी मौजूद रहे हैं।

आईएनडीआईए में राष्ट्रीय स्तर का कोई नेता नहीं : आरके सिंह

पटना (हिंस)। बिहार में इन दिनों भाजपा के नेता आईएनडीआईए और नीतीश सरकार पर लगातार हमलावर हैं। केंद्रीय मंत्री आरके सिंह ने शनिवार को कहा कि आईएनडीआईए का कहीं कोई मतलब नहीं है। उसमें अलग-अलग प्रांत के नेता हैं, कोई राष्ट्रीय नेता नहीं है। सभी की महत्वाकांक्षा अलग-अलग है। आरके सिंह ने कहा कि ममता बनर्जी तो यह नहीं चाहती होंगी कि कोई और नेता बने। इसलिए आईएनडीआईए में डिफरेंस होगा। ममता बनर्जी बंगाल में नेता हो सकती हैं लेकिन उत्तर प्रदेश या मध्य प्रदेश में कही उनका कोई वजूद नहीं है और साउथ में तो छोड़ ही दीजिए। मल्लिकार्जुन खड़गे का न तो यहां कोई वजूद और न ही उत्तर प्रदेश में तो खड़गे कहां से राष्ट्रीय नेता हो जायेंगे। आरके सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार बिहार में शासन चलाना छोड़ चुके हैं। प्रशासन पर ध्यान देते ही नहीं हैं। अपराध और भ्रष्टाचार चरम पर है। नीतीश कुमार का अब स्वास्थ्य भी सही नहीं है। बातें भूल जाते हैं। कहने को कुछ और कह कुछ और देते हैं। वे अब इस लायक नहीं है कि मुख्यमंत्री बने रहें।

लोगों में वैचारिक बदलाव से राष्ट्रीय भावना हो रही प्रबल : स्वतंत्र देव सिंह

बलरामपुर (हिंस)। अब देश के लोगों में वैचारिक बदलाव देखने को मिल रहा है। सभी स्वयं को सशक्त महसूस कर रहे हैं। लोगों में राष्ट्रीयता की भावना प्रबल हुई है। भारत राष्ट्र अब रुकने वाला नहीं है, अब भारत राष्ट्र विकसित राष्ट्र कहलाने वाला है। उक्त विचार जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने जनपद के गैसड़ी विकास खंड विलोहा बनकसिया में किए। वे शनिवार को विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में मौजूद आमजनों को सम्बोधित कर रहे थे। मंत्री ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री द्वारा वर्ष 2047 तक भारत राष्ट्र को विकसित भारत बनाए जाने का दृढ़ संकल्प लिया गया है। विकसित भारत संकल्प यात्रा से केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचा जा रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार गरीबों, युवाओं, महिलाओं एवं किसानों की सरकार है। कार्यक्रम का शुभारंभ जलशक्ति मंत्री द्वारा फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगे स्टालों का निरीक्षण किया तथा अन्न प्राशन भी कराया। कार्यक्रम में मंत्री द्वारा भारत राष्ट्र को विकसित बनाए जाने में सहभागिता प्रदान करने के लिए विकसित भारत संकल्प की शपथ दिलाई गई। इससे पूर्व जलशक्ति मंत्री द्वारा तुलसीपुर के ग्राम देवनगर में पाइप पेयजल परियोजना के अंतर्गत चल रहे कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया गया। उन्होंने देवीपाटन मंदिर गेस्ट हाउस में विभागीय अधिकारियों के साथ विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा बैठक की। मंत्री ने आवश्यक निर्देश अधिकारियों को दिए। जलशक्ति मंत्री दो दिवसीय भ्रमण पर शुक्रवार की देर शाम जनपद पहुंचे थे। देवीपाटन मंदिर गेस्ट हाउस में अधिकारियों के साथ बैठक कर देवीपाटन में रात्रि विश्राम किया था।

उप्र में तीस हजार किसानों की सब्सिडी बढ़ाने जा रहें हैं : योगी

मुरादाबाद (हिंस)। बिलारी में शनिवार को आयोजित किसान महासम्मेलन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में 52 हजार किसानों को सोलर पैनल दिए। अब इस वर्ष 30 हजार किसानों की सब्सिडी बढ़ाने जा रहे हैं। अगले वर्ष से 42 हजार का लक्ष्य तय किया है। डबल इंजन की सरकार किसानों को मुफ्त ट्रैक्टर दिए हैं। चौधरी चरण सिंह की इच्छा के अनुरूप सहकारी चीनी मिल का पुनरुद्धार किया गया। चीनी मिल पूरी क्षमता के साथ बागपत और आसपास के किसानों का गाना खरीद कर उनका भुगतान कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में विकास की रफ्तार तेजी से चल रही है। पूर्वांचल एक्सप्रेस, बुंदेलखंड एक्सप्रेस बनकर तैयार है। पश्चिमी यूपी को लखनऊ, वाराणसी व प्रयागराज से जोड़ने के लिए गंगा एक्सप्रेस-वे का युद्धस्तर पर कार्य चल रहा है। सरकार औद्योगिक क्लस्टर विकसित करते हुए यूपी के नौजवान को रोजगार व नौकरी की गारंटी देने जा रही है। उन्होंने कहा कि मुरादाबाद से बहुत जल्द वायुसेवा प्रारंभ करने जा रहे हैं। पीतल नगरी से 1500-1600 करोड़ से ज्यादा का एक्सपोर्ट हो रहा है। डबल इंजन की सरकार ने प्रदेश के लोगों को संसाधन मुहैया कराए हैं। हमारी संवेदना प्रदेश के नागरिकों के लिए है। उनकी सुरक्षा और पुख्ता होनी चाहिए। सरकार किसानों, नौजवानों, और महिलाओं को आगे बढ़ाने का काम कर रही है। अन्नदाता किसानों की खुशहाली के लिए हमारी सरकार लगातार काम कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बिजनौर में विदुर कुटी का पुनरुद्धार किया जा रहा है। अयोध्या में 500 वर्षों के बाद भगवान राम विराजमान हो रहे हैं। जो लोग संविधान विरोधी काम कर रहे हैं। संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों की खिल्ली उड़ा रहे हैं। उपराष्ट्रपति का वीडियो बना रहे हैं। जनता जनार्दन उन्हें सजा देगी। संविधान का अपमान बाबा साहब का अपमान है। अब बाबा साहब का अपमान जनता नहीं सहेगी। हम भारत की सुरक्षा और संविधान के लिए काम करते हैं। केंद्र की मोदी सरकार देश की एकता, अखंडता के लिए काम कर रही है। 16 प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि चौधरी चरण सिंह की पावन जयंती पर जाट महासभा और चौधरी चरण सिंह स्मारक समिति को धन्यवाद देते हैं।

गृह जिला में गरजे मुख्यमंत्री, झारखंड में गाजर मूली की नहीं है सरकार

झारखंड में डबल इंजन की सरकार ने ऐसा किया काम कि गांव में बढ़ती गई समस्या

रामगढ़ (हिंस)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शनिवार को अपने गृह जिला रामगढ़ में थे। यहां उन्होंने आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में शामिल होकर जनता को करोड़ों रुपए की सौगात दी। लेकिन इस दौरान वे मंच से गरजे और केंद्र सरकार को खुली चुनौती दी। उन्होंने कहा कि झारखंड में गाजर मूली की सरकार नहीं है। यहां जनता ने गरीबों और आदिवासियों की सरकार बनाई है। इसे हिलाना नामुमकिन है। उन्होंने केंद्र सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वह लोग दिन में इस सरकार को गिराने का सपना देख रहे हैं। इसकी एकमात्र वजह यह है कि यहां की जनता ने डबल इंजन की सरकार को मखमल से हटकर पत्थर पर सुला दिया है। कार्यक्रम में कृषि मंत्री बादल पत्रलेख और श्रम मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने भी जनता को सरकार द्वारा किए जा रहे कार्य के बारे में बताया गया। मुख्यमंत्री गोला प्रखंड स्थित चाड़ी पंचायत के तिरला मैदान में आयोजित आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम में शामिल हुए थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने अधिकारियों को योजना की गठरी बनाकर हर गांव में भेजा है। यही वजह है कि सभी को योजनाओं का लाभ उनके घर पर मिल रहा है। झारखंड गरीब प्रदेश है और यहां की जनता योजनाओं को लेकर उतनी जागरूक नहीं है। लेकिन जब अधिकारी खुद उनके घर पहुंच रहे हैं तो ग्रामीणों को भी हर चीज की जानकारी हो रही है। अब आम जनता भी यह समझ रही है सरकार ने उसके लिए किस तरह की योजना बनाई है। इस कार्यक्रम में बिरसा सिंचाई योजना, अबुआ आवास योजना, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, जाति प्रमाण पत्र, साइकिल डीबीटी, मनरेगा, वन पट्टा से जुड़े मामले, आयुष्मान कार्ड, गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड, धोती साड़ी लूंगी वितरण, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के लाभुकों को सौगात मिली। इस दौरान मुख्यमंत्री ने रोजगार सृजन योजना के तहत नियोजन पत्र बांटा। इसके अलावा अबुआ आवास योजना, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, राशन कार्ड, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना का लाभ जनता को दिया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने 652 करोड़ की लागत से बनने वाले 172 योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

आदिवासियों की जमीन कर कब्जा होने नहीं दिया जाएगा : अरूण संगा

खूंटी (हिंस)। खूंटी जिला युवा कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष अरुण संगा ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ शनिवार को फुदी गांव का दौरा किया और ग्रामीणों के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली। ग्राम प्रधान ने जल संकट और ऑनलाइन रसीद न काटने के बारे में जानकारी दी और अध्यक्ष से इन दोनों समस्याओं कें निराकरण करने का आग्रह किया। ग्रामीणों ने बताया आदिवासी की जीमन को अवैध रूप से कब्जा कर हस्तांतरण करने की कोशिश भू माफिया द्वारा की जा रही है। मौके पर कार्यकारी जिलाध्यक्ष अरूण संगा ने कहा कि आदिवासियों की जमीन पर अवैध रूप से कब्ज होने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि गांव वालों को जल संकट से जलछ राहत दिलाई जाएगी और ऑनलाइन रसीद काटने का काम भी होगा। उन्होंने कहा कि आदिवासी अब चुप नहीं बैठेगा और हमारी आवाज हर जगह गूंजेगी। मौके पर युवा कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष बाहा मुंडा, खूंटी विधानसभा क्षत्र अध्यक्ष मो उस्मान खान, खूंटी प्रखंड उपाध्यक्ष दशरथ, ग्राम सचिव विनोद महतो, अब्राहम, सुसारन आदि मौजूद थे।

सिर पर धार्मिक ग्रंथ गीता रखकर महिलाओं ने निकाली प्रभात फेरी

अररिया (हिंस)। ब्रह्मलीन विरक्त संत स्वामी श्री राम सुखदास जी महाराज के अनुयाई बालसंत श्री हरिदास महाराज के नेतृत्व और यजमान सीता -जय प्रकाश अग्रवाल, उषा -हेमुबोथरा की निगरानी में फारबिसगंज के स्वर्गीय तपेश्वर गुप्ता के गोले से शनिवार को शहर के विभिन्न मार्गों पर भव्य प्रभातफेरी निकाली गई। श्री राम-सीता के जयकारों के साथ सैकड़ों श्रद्धालुओं ने अपने सिर पर धार्मिक गीता ग्रंथ को धारण कर डी डी रोड, एस के रोड, सांवलिया कुंज हनुमान मंदिर, देशपत्न डॉ. राजेन्द्र चौक, श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर, पंडित तिवारी स्टेशन चौक फैंसी मार्केट पटेल चौक महिला कालेज रोड, बस स्टैंड, अस्पताल रोड, रेलवे ढाला, पुस्तकालय रोड, भगवान महावीर चौक, आर बी लेन, छुआ पट्टी होते हुए कथा स्थल तक पहुंची। पूरे मार्ग पर दर्जनों स्थानों पर लोगों के द्वारा अपने अपने घरों के सामने रंगोली बनाई गई तथा दीप प्रज्जवलन और पुष्प वर्षा कर संत का जोरदार स्वागत किया गया। अलग-अलग स्थानों पर फल, मेवा, टाफी, बिस्कुट एवं शीतल जल का वितरण किया गया है। देखते ही देखते यह प्रभातफेरी कारवां में बदल गई और पुरा शहर भागवत मय हो गया।

किसानों के नए-नए उत्पादों के लिए खुल रहा निर्यात का दरवाजा, एपिडा का मिल रहा सहयोग

नई दिल्ली।

कुछ माह पहले वाराणसी से केले के फूल, पत्ते व फल का पहली बार यूएई में निर्यात किया गया और इससे वहां के किसानों को केले के अच्छी कीमत भी मिली और अपने उत्पाद की बिक्री के लिए विदेश में बाजार भी मिला।

चालू माह दिसंबर के आरंभ में पूर्वांचल से पहली बार खाड़ी के देशों में तो आलू का भी निर्यात किया गया और इसके साथ ही आलू किसानों के लिए विदेश का दरवाजा खुल गया। इस साल अगस्त में अलीगढ़ से गुआना में आलू भेजा गया था। वैसे ही इन दिनों देश के विभिन्न हिस्सों से केला, गेंदे के फूल, पानी-फल (सिंघाड़ा), अंजीर, बेर, क्रेनबेरी जैसे उत्पादों का निर्यात किया जा रहा है। यह सब वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय के अधीन काम करने वाले कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास केंद्र (एपिडा) के प्रयास से संभव हो सका है। तभी पिछले साल भारत ने दुनिया के 102 देशों में फल व सब्जी का निर्यात किया था जो इस साल बढ़कर 111 हो गया है। वाराणसी से कई उत्पादों के निर्यात शुरू होने के पीछे बनारस ऑर्गेनो फार्मर प्रोड्यूसिंग कंपनी का हाथ है जिसकी स्थापना एपिडा के सहयोग से की गई। एपिडा के मुताबिक, वहां के ग्रामीण इलाके में अच्छी पकड़ रखने वाले अभिषेक सिंह ने किसानों की समस्या को लेकर एपिडा से संपर्क किया। किसानों की समस्या पर रिसर्च में पाया गया कि बिचौलिए किसानों के उत्पाद को सही कीमत नहीं देते हैं और उनके उत्पाद को सही प्लेटफार्म भी नहीं मिल रहा है। फिर बनारस प्रोड्यूसिंग कंपनी की स्थापना हुई और एपिडा वहां के किसानों के उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय प्लेटफार्म पर लाने लगा और अब नतीजा सामने है। एपिडा के अधिकारियों के मुताबिक, कृषि निर्यात में बढ़ोतरी के लिए वे लगातार किसानों उपज संगठन के संपर्क में हैं और उन्हें निर्यात के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। हाल ही में पहली बार नीदरलैंड में केले का निर्यात गया है और अगले तीन साल में इस निर्यात को एक अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। नीदरलैंड के साथ अन्य यूरोपीय देशों में भी केले के निर्यात की संभावना तलाशी जा रही है। अमेरिका में अनार व आम के निर्यात के लिए एपिडा ने अहमदाबाद, नासिक, बंगलुरू जैसी जगहों पर अमेरिका के इंस्पेक्टर का दौरा करवाया ताकि किसानों को अपने उत्पादों का निर्यात का प्री-लाइसेंस मिल सके।

न्यूज ब्रीफ

चालू वित्त वर्ष में बढ़ेगी आभूषणों की खपत, एजेंसी ने 12 प्रतिशत तक बढाया अनुमान

नई दिल्ली। मूल्य के संदर्भ में चालू वित्त वर्ष में आभूषणों की खपत 10-12 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है। इसका मुख्य कारण सोने की कीमतों में वृद्धि होना है। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने वित्त वर्ष 2023-24 में साल-दर-साल घरेलू आभूषण खपत वृद्धि (मूल्य के संदर्भ में) के अपने पूर्वानुमान को 8-10 प्रतिशत से बढ़ाकर 10-12 प्रतिशत कर दिया है। अनुमान है कि वित्त वर्ष 2023-24 की पहली छमाही में आभूषणों की खपत में सालाना आधार पर 15 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि होगी। रेटिंग एजेंसी का यह भी मानना है कि मुद्रास्फीति के बीच लगातार सुस्त ग्रामीण मांग के कारण अगले वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में आभूषणों की खपत की वृद्धि दर घटकर 6-8 प्रतिशत रह जाएगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि दिसंबर, 2022 से अप्रैल, 2023 के बीच सोने की कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव दर्ज किया गया जबकि चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में अपेक्षाकृत सोने की कीमतें स्थिर रहीं। हालांकि एक साल पहले की अवधि से तुलना करें तो कीमतें 14 प्रतिशत अधिक हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि बढ़े हुए मूल्य के चलते आभूषण विक्रेताओं का राजस्व बढ़ा है। पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव और दूसरे देशों के साथ हो रहे मुक्त व्यापार समझौते के चलते निकट अवधि में सोने की कीमतें ऊंची बनी रहेंगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि अक्टूबर, 2023 की शुरुआत से सोने की कीमतों में बढ़ोतरी और लगातार बढ़ रही मुद्रास्फीति मांग के लिए व्यवधान बनकर उभर रही हैं।

2024-25 में तेजी से बढ़ेगी देश की अर्थव्यवस्था, फिच ने 2023-24 के लिए जीडीपी की वृद्धि दर 6.9 प्रतिशत आंकी

नई दिल्ली। फिच रेटिंग्स को उम्मीद है कि 2024-25 में 6.5 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि के साथ भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ने वाले देशों में एक होगा। रेटिंग एजेंसी ने चालू वित्त वर्ष 2023-24 के लिए सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 6.9 प्रतिशत आंकी है। फिच ने अपनी रिपोर्ट में कहा, चालू वित्त वर्ष में सीमेंट, बिजली और पेट्रोलियम उत्पादों की मांग मजबूत बनी रहेगी। भारत के बढ़ते बुनियादी ढांचे के खर्च से स्टील की मांग को भी बढ़ावा मिलेगा। कार की बिक्री में भी वृद्धि जारी रहेगी। फिच ने एक रिपोर्ट में कहा कि 2023 में तेज विकास दर के बाद जीडीपी में नरमी की उम्मीद है। भारत वर्तमान में अमेरिका, चीन, जर्मनी और जापान के बाद दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। 2030 तक भारत की जीडीपी जापान से अधिक होने का अनुमान है। अगर ऐसा होता है तो भारत एशिया-प्रशांत क्षेत्र में दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि प्रमुख विदेशी बाजारों में धीमी वृद्धि से कमजोरी के बावजूद, भारत की घरेलू खपत से कारपोरेट क्षेत्र में मांग बढ़ेगी। इनपुट लागत का दबाव कम होने से मार्च 2025 को समाप्त होने वाले वित्त वर्ष में कंपनियों के मुनाफे का स्तर 2022-23 के मुकाबले 290 आधार अंक तक बढ़ सकता है। इससे कारपोरेट जगत को उच्च पूंजीगत व्यय के बावजूद कर्मचारियों को बनाए रखने में मदद मिलेगी।

टाटा की दो एसयूवी को मिली 5 स्टार सेफ्टी रेटिंग, टाटा सफारी और हेरियर है ये दो एसयूवी

नई दिल्ली। स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स की दो एसयूवी को 5 स्टार सेफ्टी रेटिंग मिली है। ये एसयूवी है टाटा सफारी और हेरियर। दोनों ही एसयूवी को चाइल्ड प्रोटेक्शन और एडल्ट प्रोटेक्शन में 5 स्टार की रेटिंग मिली है। खुद केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल लिमिटेड और टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड के एमडी शैलेश चंद्रा को दोनों कारों का बीएनसीएपी सर्टिफिकेट दिया। फिलहाल क्रैश टेस्ट में किस कैटेगरी में दोनों कारों को कितने नंबर मिले हैं इसका खुलासा होना बाकि है।अपनी खुद की कार क्रैश टेस्टिंग एजेंसी रखने वाला भारत अब दुनिया का पांचवा देश हो गया है। इससे पहले अमेरिका, दक्षिण कोरिया, चीन और जापान में क्रैश टेस्ट किए जाते थे। वहीं भारत की गाड़ियों को जीएनसीएपी की ओर से ही टेस्ट किया जाता था। बीएनसीएपी के क्रैश टेस्ट के दौरान फ्रंट इम्पैक्ट, साइड पोल इम्पैक्ट, साइड बैरियर इम्पैक्ट और इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल को चेक किया गया है।

पेट्रोकेमिकल क्षेत्र में 67,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों पर हस्ताक्षर, सीएम ने ये कहा

नई दिल्ली।

गुजरात के भरूच में वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट से पहले आयोजित एक कार्यक्रम में कुल 67,000 रुपये के निवेश की संभावना वाले 11 समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। फ्यूचरकेम गुजरातः शेपिंग टुमॉरो केमिकल्स एंड पेट्रोकेमिकल्स इंडस्ट्री नामक यह कार्यक्रम भविष्य की पहलों पर चर्चा करने के लिए नीति निर्माताओं, चिकित्सकों और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय शिक्षाविदों को एक छतरी के नीचे लेकर आया है। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कार्यक्रम में भाग लेते हुए कहा, गुजरात में जिस तरह से पेट्रोल और रसायनों का कारोबार हो रहा है, गुजरात इस उद्योग का केंद्र बनने की ओर बढ़ रहा है। इसलिए, आज इस उद्योग को आगे बढ़ाने के लिए 67 हजार करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह आयोजन विशेष रूप से राज्य के पेट्रोकेमिकल क्षेत्र पर केंद्रित है। भारत के रसायन और पेट्रोकेमिकल निर्यात में सबसे अधिक हिस्सेदारी रखने वाला, गुजरात विशेष रसायनों के लिए देश के केंद्र के रूप में उभर रहा है।

पीएम मोदी ने अपनी राजनीति से देश और गुजरात को बदला- भूपेंद्र पटेल गुजरात के मुख्यमंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने विकास की अपनी राजनीति से देश और गुजरात को बदल दिया है। गुजरात की डबल इंजन सरकार को पिछले 2 दशकों से पीएम मोदी के विजन का लाभ मिल रहा है। 2024 में, हम गेटवे टू द फ्यूचर के विषय के साथ वाइब्रेंट समिट का आयोजन कर रहे हैं। रसायन और पेट्रोरसायन उन क्षेत्रों में से एक है जो सतत आद्योगिक विकास को आगे ले जाते हैं।

पटेल ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संकल्प लिया है कि गुजरात में औद्योगिक विकास होना चाहिए। इसके तहत रसायन और पेट्रोकेमिकल क्षेत्र को भी बढ़ावा दिया जा रहा है क्योंकि भारत दुनिया के पेट्रोकेमिकल क्षेत्र में छठे स्थान पर है। भरूच में आयोजित कार्यक्रम स्थिरता, डीकार्बोनाइजेशन और विकास के आसपास केंद्रित है। इसके अलावा, स्टार्टअप और बिजनेस लीडर इस आयोजन के दौरान उद्योगों के लिए प्रासंगिक समाधान और सेवाओं का प्रदर्शन करेंगे।

देश भर में, यह महत्वपूर्ण क्षेत्र लगभग 20 लाख लोगों को रोजगार देता है। 2017-18 में भारत में 94.6 अरब डॉलर के रसायन उद्योग में गुजरात का योगदान 31.5 अरब डॉलर था। इसी तरह कुल 137 अरब डॉलर के कोक और पेट्रोलियम उद्योग में गुजरात का योगदान 50.8 अरब डॉलर रहा।

देश के रसायन और पेट्रोकेमिकल निर्यात में गुजरात की हिस्सेदारी 41 प्रतिशत है

भारत के कुल रसायन और पेट्रोकेमिकल निर्यात में गुजरात की हिस्सेदारी 41 प्रतिशत है, जो भारत के कुल निर्यात का 5 प्रतिशत और गुजरात के कुल निर्यात का 27 प्रतिशत है। राज्य में चार रिफाइनिंग कॉम्प्लेक्स हैं जिनकी संयुक्त क्षमता 102 मिलियन टन प्रति वर्ष है। भारत के शीर्ष 10 निर्यात गंतव्यों में अमेरिका, चीन, ब्राजील, संयुक्त अरब अमीरात, जर्मनी, इंडोनेशिया, ब्रिटेन, नीदरलैंड, दक्षिण अफ्रीका और बेल्जियम हैं। गुजरात को व्यापार और उद्योग के विश्व मानचित्र पर लाने के लिए 2003 में तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट की शुरुआत की थी। इस शिखर सम्मेलन का 10वां संस्करण 10 से 12 जनवरी, 2024 तक आयोजित किया जाएगा। शिखर सम्मेलन का उद्घाटन 10 जनवरी को पीएम मोदी करेंगे।

जल्द ही म्यूचुअल फंड और डीमैट अकाउंट में जोड़े अपना नोमिनी, 31 दिसंबर के बाद नहीं मिलेगा मौका; चूक जाने पर होगा नुकसान

नई दिल्ली।

अगर आपके पास डीमैट अकाउंट है या म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं तो आपके लिए जरूरी है कि आप इस डेडलाइन के बारे में जान लें। वरना आपको आने वाले समय में काफी समस्याएं हो सकती है। सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया ने ऐसे लोगों को हिदायत दी है कि वो अपने अकाउंट में 31 दिसंबर से पहले नॉमिनी जोड़ ले या नामाकंन से बाहर हो जाए। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो वे अपने अकाउंट से पैसे निकालने में सक्षम नही होंगे। अगर आपने अपना नामांकन पहले ही जमा कर दिया है, तो आपको इसे दोबारा करने की जरूरत नहीं है।

निर्देशों का करें पालन

सेबी ने कहा है कि लोगों को निर्देशों का पालन करना होगा। इसके अलावा एक्सपर्ट का मानना है कि लोगों के यह समझना जरूरी है कि यह कदम महत्वपूर्ण है। बता दें कि यह कोई रैगुलेटरी प्रोसेस नही हैं, मगर यह इसलिए जरूरी है क्योंकि किसी दुर्घटना या आपातकालिन स्थिति में नॉमिनी अकाउंट को एक्सेस कर सकेंगे।

क्या होगा परिणाम

अगर आप समय रहते इस प्रक्रिया को पूरा नहीं करते हैं तो आपको भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। बता दें कि नामाकंन में हिस्सा ना लेते की स्थिति में सेबी आपके म्यूचुअल फंड और डीमैट अकाउंट से निकासी को रोक देगा। इसके चलते आप अपने म्यूचुअल फंड से पैसे नहीं निकाल सकेंगे। साथ ही अपने डीमैट खाते से ट्रेडिंग भी नहीं कर सकेंगे। अगर आपने पहले ही ये बदलाव कर लिया है तो बता दें कि आपको इसे दोबारा करने की जरूरत नहीं है। ये प्रोसेस बहुत आसान और ऑनलाइन उपलब्ध है।

इनोवा हाईक्रॉस मारुति की इन्विक्टो एसयूवी पर आधारित, एसयूवी का प्रोडक्शन हो रहा सीमित संख्या में

नई दिल्ली।

टोयोटा ने इसी साल इनोवा हाईक्रॉस हाइब्रिड एसयूवी को लॉन्च किया था। ये 7-सीटर कार एसयूवी मारुति की इन्विक्टो एसयूवी पर आधारित है। फिलहाल कंपनी इस एसयूवी का प्रोडक्शन सीमित संख्या में कर रही है जिसके चलते सेल्स कम होने के बावजूद भी इस एसयूवी का वेटिंग पीरियड बढ़ता ही जा रहा है। टोयोटा इनोवा हाईक्रॉस के हाइब्रिड वैरिएंट पर फिलहाल 65 सप्ताह (455 दिन) का वेटिंग पीरियड चल रहा है। अगर आपको इस कार का हाइब्रिड वैरिएंट खरीदना है तो 1 साल से भी ज्यादा का इंतजार करना पड़ेगा। वहीं, पेट्रोल वैरिएंट खरीदने के लिए ग्राहकों को 26 हफ्ते तक का वेटिंग पीरियड दिया जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह वेटिंग पीरियड पूरे भारत में है और वेटिंग बुकिंग डेट से लागू है। टोयोटा की एमपीवी दो इंजन विकल्पों के साथ आती है जिसमें 2-लीटर पेट्रोल और 2-लीटर हाइब्रिड इंजन शामिल है। हाइब्रिड इंजन 183.7 बीएचपी की पॉवर और 188 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। वहीं पेट्रोल इंजन 172.9 बीएचपी की पॉवर और 209 एनएम का टॉर्क जनरेट कर सकता है। हाइब्रिड इंजन को ई-सीवीटी गियरबॉक्स से जोड़ा गया है जबकि पेट्रोल इंजन को

सीवीटी गियरबॉक्स का विकल्प मिलता है। यह एमपीवी मोनोकॉक चेसिस पर आधारित है और फ्रंट व्हील ड्राइव सिस्टम के साथ आती है। फीचर्स के लिहाज से ही यह एमपीवी काफी शानदार है। इनोवा हाईक्रॉस में 10-इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट डिस्प्ले, डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले, डुअल जोन क्लाइमेट कंट्रोल और वेन्टीलेटेड फ्रंट सीटें शामिल हैं। एमपीवी में पैनोरमिक सनरूफ, वायरलेस फोन चार्जिंग और कनेक्टेड कार तकनीक भी मिलती है। इसके सेफ्टी फीचर्स में 6 एयरबैग, ईबीडी के साथ एबीएस, वाहन स्थिरता नियंत्रण (वीएससी), टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम (टीपीएमएस), 360-डिग्री कैमरा और फ्रंट और रियर पार्किंग सेंसर शामिल हैं।

विदेशी मुद्रा भंडार 9.112 अरब डॉलर बढ़कर 615.971 अरब डॉलर हुआ, आरबीआई ने जारी किए आंकड़े

नई दिल्ली।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 15 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में 9.112 अरब डॉलर बढ़कर 615.971 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक ने इससे जुड़े आंकड़े जारी किए हैं। इससे पिछले सप्ताह में देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 2.816 अरब डॉलर बढ़कर 606.859 अरब डॉलर हो गया था। अक्टूबर 2021 में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। केंद्रीय बैंक की ओर से पिछले साल से वैश्विक घटनाक्रमों के कारण उपजे दबाव के बीच रुपये को बचाने के लिए विदेशी मुद्रा भंडार का इस्तेमाल किए जाने के बाद इसमें कमी आई।

एफसीए 8.349 अरब डॉलर बढ़कर 545.048 अरब डॉलर हुआ

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, 15 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा आस्तियां (एफसीए) 8.349 अरब डॉलर बढ़कर 545.048 अरब डॉलर हो गईं। डॉलर में अभिव्यक्त की जाने वाली विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे यूरो, पौंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं के मूल्य में वृद्धि या कमी का प्रभाव भी शामिल होता है।

गोल्ड रिजर्व और एसडीआर में भी हुआ इजाफा

रिजर्व बैंक ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान स्वर्ण आरक्षित भंडार (गोल्ड रिजर्व) 44.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 47.577 अरब डॉलर हो गया। केंद्रीय बैंक के अनुसार इस दौरान विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 13.5 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.323 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार समीक्षाधीन सप्ताह में आईएमएफ (अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष) में भारत का मुद्रा भंडार 18.1 करोड़ डॉलर बढ़कर 5.023 अरब डॉलर हो गया।

इन्वेस्टमेंट टिप्स' देते-देते सचिन तेंदुलकर ने कर दिया कमाल

आईपीओ स्कोरबोर्ड' पर लगाने जा रहे हैं 360 प्रतिशत का रिटर्न

नई दिल्ली।

क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर इन दिनों लोगों को इन्वेस्टमेंट के टिप्स देते नजर आ रहे हैं। कई विज्ञापनों में वह लोगों को बेहतर इन्वेस्टमेंट की बात करते नजर आते हैं। कई लोग मानते होंगे कि विज्ञापन करना आसान है, लेकिन इन्वेस्टमेंट की चुनौतियां काफी अलग होती हैं। अब आपको जानकार हैरानी होगी कि सचिन स्कोरबोर्ड पर जितने रन बटोरते थे, उससे कहीं ज्यादा पैसा बटोरने जा रहे हैं।

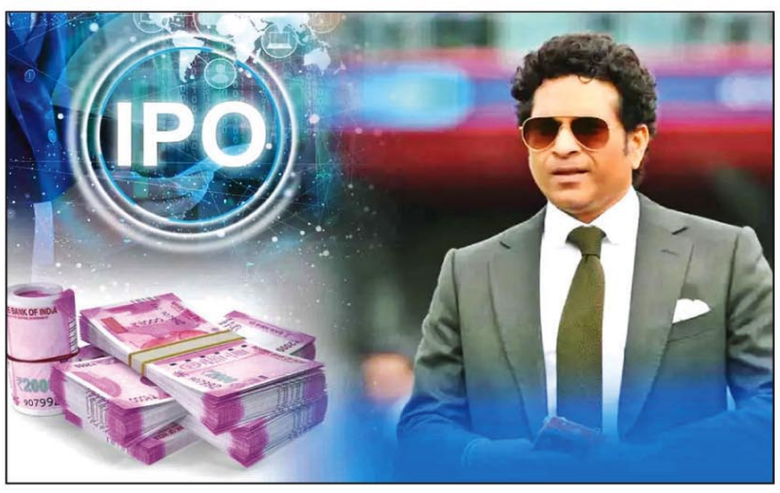

जी हां, हैदराबाद स्थित आजाद इंजीनियरिंग कंपनी के साथ वे बड़ा मुनाफा कमाने जा रहे हैं। यह कंपनी अगले सप्ताह स्टॉक एक्सचेंजों पर लिस्ट होने जा रही है। जिस वक्त ये कंपनी लिस्ट होगी, तब तक क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर महज 9 महीनों की अवधि में आईपीओ से मल्टीबैगर रिटर्न कमा चुके होंगे।

अब तक 5 करोड़ रुपये का इंवेस्टमेंट कर चुके हैं सचिन तेंदुलकर

जानकारी के अनुसार, प्रति शेयर का प्राइस 524 रुपये है। सचिन तेंदुलकर इसमें अब तक 5 करोड़ रुपये का इंवेस्टमेंट कर चुके हैं। अब उनके इंवेस्टमेंट की मार्केट वैल्यू बढ़कर 22.96 करोड़ रुपये होने जा रही है। इस तरह उन्हें लगभग 360 प्रतिशत का सीधा फायदा मिलने जा रहा है। हालांकि ये भी माना जाता है कि लिस्टिंग के दिन कीमत बढ़ या घट सकती है।

कंपनी में 5 करोड़ रुपये की इक्विटी खरीदी थी

ग्रे मार्केट प्रीमियम के आंकड़ों की मानें तो आजाद इंजीनियरिंग के शेयर आईपीओ इश्यू वैल्यू से 65 प्रतिशत ज्यादा लिस्ट होने की संभावना है। कंपनी एयरोस्पेस, क्लीन एनर्जी, डिफेंस, ऑयल और गैस जैसे एरियाज में इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी सॉल्यूशन देती है। क्रिकेट के दिग्गज ने 6 मार्च को कंपनी में लगभग 5 करोड़ रुपये की इक्विटी खरीदी थी। बताया जा रहा है कि उनके पास कंपनी के 438,210 शेयर हैं।

उन्होंने सिर्फ 114.1 रुपये प्रति शेयर में इन्हें खरीदा था। हालांकि अब इनकी कीमत लगभग 23 करोड़ रुपये हो चुकी है। इस 740 करोड़ रुपये के आईपीओ की मेंबरशिप खत्म हो रही है। इसमें 240 करोड़ रुपये की फ्रैश इक्विटी इश्यू और 500 करोड़ रुपये की बिक्री की पेशकश शामिल है। ओएफएस के तहत इसके प्रमोटर राकेश चोपदार, निवेशक पीरामल स्ट्रक्चर्ड फंड और डीएमआई फाइनेंस हिस्सेदारी बेच रहे हैं। हालांकि सचिन तेंदुलकर ने ऐसा कोई फैसला नहीं लिया है।

खेल जगत के अन्य नाम शामिल

तेंदुलकर के साथ ही खेल जगत के अन्य नाम भी मालामाल होने जा रहे हैं। पता चला है कि वीवीएस लक्ष्मण, पीवी सिंधु और साइना नेहवाल ने भी इसमें इंवेस्टमेंट किया है। रिपोर्ट के अनुसार, उनका 1 करोड़ रुपये का इंवेस्टमेंट बढ़कर 2.3 करोड़ रुपये होने जा रहा है। यह लगभग 130 प्रतिशत का रिटर्न होगा। सचिन तेंदुलकर के बाद तीन खिलाड़ियों ने 228.17 प्रति शेयर के भाव से 11 मार्च को 43,800 शेयर खरीदे थे।

पंड्या के लिए आसान नहीं रहेगी मुम्बई इंडियंस की कप्तानी, बुमराह , सूर्या जैसे सीनियरों से तालमेल में आयेगी परेशानी

नई दिल्ली ।
आईपीएल के 2024 सत्र में मुम्बई इंडियंस की कप्तानी करने जा रहे ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या की राह आसान नहीं रहेगी। हार्दिक को रोहित शर्मा की जगह कप्तानी दी गयी है। रोहित की कप्तान में टीम ने पांच बार आईपीएल खिताब जीता है। ऐसे में हार्दिक से भी बड़ी अपेक्षाएं रहेंगी जिनपर खरा उतरना उनके लिए आसान नहीं रहेगा। उनके लिए सबसे मुश्किल काम सीनियर खिलाड़ियों को साथ लेकर चलना रहेगा। टीम में जसप्रीत बुमराह और सूर्यकुमार यादव जैसे सीनियर खिलाड़ी हैं। मुम्बई ने गुजरात टाइटंस से ट्रेड के जरिए हार्दिक को लिया है। मुम्बई ने दूसरे बार कप्तान बदला है। साल 2023 में रिकी पोंटिंग को हटाकर रोहित को कप्तान बनाया गया था। वहीं अब एक दशक के बाद फिर से नया कप्तान बनाया गया है। अंतर के बाद टीम ने फिर से अपना कप्तान बदला है. आईपीएल में मुंबई की टीम के लिए बतौर अनकैप्ड प्लेयर डेब्यू करने से लेकर कप्तान बनने का सफर हार्दिक ने तय किया है जो आसान नहीं होता। किसी भी खिलाड़ी के लिए उस टीम की कप्तानी संभालना अहम होता है जिसके लिए उसने करियर का पहला मैच खेला हो। मुंबई की टीम के लिए पिछले 3 में 2 सीजन अच्छे नहीं रहे थे। साल 2021 में टीम 5वें स्थान पर रही जबकि 2022 में तो सबसे नीचे 10वें स्थान पर रही। किसी भी युवा कप्तान के लिए टीम में सीनियर खिलाड़ियों को संभालना कठिन होता है। 1983 विश्वकप में जब टीम की कप्तानी युवा कपिल देव को मिली थी तब भी उनके लिए सुनील गावस्कर जैसे अनुभवी खिलाड़ी को साथ लेकर चलना आसान नहीं रहा था। वहीं साल 2007 में महेंद्र सिंह धोनी भी जब कप्तान बने थे तो उन्हें भी इसी प्रकार सचिन तेंदुलकर, सौरव गांगुली और राहुल द्रविड़ जैसे सीनियरों से तालमेल बैठाने में मुश्किलें आई थीं।

चुनाव के 24 घंटे बाद ही अध्यक्ष-महासचिव आमने-सामने, इस मामले को लेकर हुआ विवाद

नई दिल्ली । भारतीय कुश्ती संघ के चुनाव के 24 घंटे बाद ही अध्यक्ष संजय सिंह और अनीता श्योराण गुट से चुने गए महासचिव प्रेमचंद लोचब आमने-सामने आ गए। लोचब ने अध्यक्ष को लिखे पत्र में अंडर-15 और अंडर-20 राष्ट्रीय चैंपियनशिप नंदिनी नगर में कराए जाने पर सवाल उठा दिए। लोचब के मुताबिक चैंपियनशिप आवंटित करने में नियमों का पालन नहीं किया गया। फैसला कार्यकारिणी ले सकती है और फैसले महासचिव के जरिए लिए जाने चाहिए। लोचब चुनाव के तुरंत बाद हुई नए पदाधिकारियों की बैठक में शामिल नहीं हुए थे। लोचब ने लिखा है कि कुछ राज्यों ने चैंपियनशिप के आवंटन पर आपत्ति जताई है। वहीं संजय सिंह का कहना है कि फैसले पहलवानों के हितों को ध्यान में रखकर लिए गए हैं। कोई नियम नहीं तोड़ा गया है। कुश्ती संघ के संविधान के अनुसार अध्यक्ष को फैसले लेने के अधिकार है और महासचिव इसे मानने के लिए बाध्य हैं।

न्यूज ब्रीफ

आकाश चौपड़ा का खुलासा, सीएसके में ट्रेविस हेड का कोई रोल रहीं

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि सीएसके की टीम में ट्रेविस हेड का कोई रोल रहीं था।

अच्छा हुआ जो उन्हें नहीं लिया गया। बता दें कि इंडियन प्रीमियर लीग के अगले साल खेले जाने वाले एडिशन के लिए दुबई में 19 दिसंबर को नीलामी हुई। इसमें कई खिलाड़ियों पर जमकर पैसों की बारिश हुई तो कई अनसोल्ड भी रहे। ट्रेविस हेड को सनराइजर्स हैदराबाद ने भारी रकम देकर अपनी टीम में शामिल किया। हालांकि चेन्नई सुपर किंग्स भी हेड पर बोली लगाती दिखाई दे रही थी। लेकिन बाद में वह पीछे हट गए थे। सीएसके के इस फैसले पर पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि अच्छा हुआ सीएसके ने उन्हें नहीं लिया। उनका टीम में कोई यूज नहीं। आकाश चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए कहा कि सीएसके की टीम ट्रैविस हेड की ओर जा रही थी। हम थोड़ा हैरान थे। वे शायद उसे मोईन अली के बैकअप के रूप में रखने की कोशिश कर रहे थे। व्यक्तिगत रूप से मेरी राय यही है कि उनका टीम में कोई रोल नहीं था। वह मोईन अली के बैकअप के रूप में इस्तेमाल नहीं किए जा सकते थे। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा कि डेवोन कॉनवे ओपनिंग करते हैं, ट्रैविस हेड भी ओपनिंग करते हैं। अगर ट्रैविस हेड को मध्य क्रम में भेज दिया होता तो वो रन नहीं बना पाते। इसलिए यह अच्छा है कि आपने उन्हें नहीं लिया। हैदराबाद ने उन्हें लिया और सीएसके को मोइन अली के स्थान पर रचिन रवींद्र मिल गए। जिसे उन्होंने सिर्फ 1.80 करोड़ में लिया। ट्रेविस हेड 2016 और 2017 के आईपीएल में उतर चुके हैं। वे आरसीबी और दिल्ली कैपिटल्स में भी रह चुके हैं। रन रिकार्ड की बात करें तो हेड ने आईपीएल के 10 मैच में 29 की औसत से 205 रन बनाए हैं। एक अर्धशतक जड़ा है।

शीर्ष वरीय लक्ष्य सेन राष्ट्रीय बैडमिंटन चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में हारे, आकर्षी भी बाहर

चेन्नई। राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता लक्ष्य सेन और महिलाओं में शीर्ष वरीय आकर्षी कश्यप यहां चल रही राष्ट्रीय बैडमिंटन चैंपियनशिप के क्वार्टरफाइनल में हार गए। सेन ने प्री क्वार्टरफाइनल में अभिषेक सैनी को 21-23 21-12 24-22 से हराकर दिन की शुरुआत की, लेकिन वह भरत राघव से 21-15 10-21 21-17 से हार गए जिन्होंने राउंड 16 में आलाप मिश्रा को 21-11 14-21 21-18 से हराया था। राघव का सामना अब सेमीफाइनल में चौथे वरीय तरूण एम से होगा। दूसरे सेमीफाइनल में चिराग सेन का सामना दूसरे वरीय किरण जॉर्ज से होगा। चिराग ने आर्य भिवपाथाकी को हराया तो जॉर्ज ने मिथुन एम को पराजित किया। महिलाओं के वर्ग में आकर्षी को तन्वी शर्मा ने 21-15 22-20 से मात दी और अब उनका सामना ईशारानी बरूआ से होगा जिन्होंने श्रियांशी वालीशेट्टी को पराजित किया। दूसरे सेमीफाइनल में अनमोल खरब की भिड़ंत दूसरी वरीय अश्मिता चालिहा से होगी। अनमोल खरब ने मानसी सिंह को जबकि अश्मिता ने मेघना रेड्डी एम को पराजित किया।

निशानेबाजी टीम अगले माह काहिरा विश्व कप में हिस्सा नहीं लेगी,

नई दिल्ली । आगामी 24 जनवरी से काहिरा में शुरू होने वाले सत्र के शुरुआती आईएसएसएफ विश्व कप में हिस्सा नहीं लेगा क्योंकि राष्ट्रीय महासंघ अपने निशानेबाजों को कुछ आराम देना चाहता है और व्यस्त रहने वाले वर्ष में उन्हें थकाना नहीं चाहता। वर्ष 2024 में कुछ पेरिस ओलंपिक क्वालिफिकेशन प्रतियोगिताएं भी हैं। टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेने का फैसला हाल में ही लिया गया है जिससे कुछ शीर्ष निशानेबाज दुविधा में पड़ गए हैं क्योंकि उन्होंने पहले से ही टूर्नामेंट के लिए योजना बनाई हुई थी। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) महासचिव सुल्तान सिंह ने कहा कि इस मामले पर कोच, खेल विज्ञान टीम और हर किसी से चर्चा की गई थी और इसी के अनुसार ही यह फैसला लिया गया। काहिरा विश्व कप सभी तीन स्पर्धाओं (पिस्टल, राइफल और शॉटगन) में खेला जाएगा जो एक फरवरी को समाप्त होगा। सुल्तान सिंह ने कहा, 'हम उन्हें आराम देना चाहते हैं, उन्हें थकाना नहीं चाहते। हर चीज ट्रेनिंग कार्यक्रम के अनुसार चलता है। हम ट्रेनिंग के मामले में निशानेबाजों और कोचों को शामिल किये बिना कोई फैसला नहीं करते।

मैनचेस्टर सिटी ने क्लब वर्ल्ड कप का खिताब जीता

फ्लूमिनेंस को 4-0 से रौंदा अल्वारेज ने दागे दो गोल

जेद्दा (सऊदी अरब)।
अर्जेंटीना के जूलियन अल्वारेज के दो बेहतरीन गोल की बदौलत मैनचेस्टर सिटी ने क्लब वर्ल्ड कप का खिताब जीत लिया है। उन्होंने फाइनल में ब्राजील की टीम फ्लूमिनेंस को 4-0 से रौंद दिया। शुक्रवार को हुए इस फाइनल में जीत के साथ ही सिटी ने इस साल अपना पांचवां खिताब जीता। अल्वारेज के अलावा सिटी के लिए फिल फोडेन ने 72वें मिनट में गोल किया। वहीं, फ्लूमिनेंस की तरफ से निनो ने एक आत्मघाती गोल भी किया।

पेप गार्डियोला की मैनचेस्टर सिटी की टीम इस मैच में अपने स्टार स्ट्राइकर अर्लिंग हालंद और मिडफील्डर डि ब्रुइन के बिना उतरी थी। अल्वारेज ने मैच शुरू होने के 40 सेकंड बाद ही सिटी के लिए पहला गोल दागा। यह क्लब वर्ल्ड के फाइनल के इतिहास का सबसे तेज गोल रहा। उनके इस गोल ने सिटी के फैंस को खुश होने का मौका दिया। इसके बाद 27वें मिनट में फ्लूमिनेंस के निनो ने फिल फोडेन के शॉट को रोकने की कोशिश की, लेकिन गेंद उनके पैर से लगकर गोल पोस्ट में चली गई। इसके बाद 72वें मिनेट में फोडेन ने अल्वारेज के पास पर शानदार गोल किया। अल्वारेज ने फिर 88वें मिनट में अपना दूसरा और सिटी के लिए चौथा गोल किया।

सिटी के कोच पेप गॉर्डिओला ने मैच से पहले कहा था कि यह एक ऐसा खिताब (क्लब विश्वकप) जो उनकी टीम के पास नहीं है। अब यह खिताब भी सिटी ने जीत लिया है। सिटी ने इस वर्ष चैंपियंस लीग, ईपीएल, एफए कप के अलावा यूएफा सुपर कप का खिताब जीता है। फ्लूमिनेंस पर जीत के साथ उसने वर्ष 2023 का पांचवां खिताब अपने नाम किया।

पेरिस ओलंपिक में भाग लेना चाहती है दीपा

कोलकाता । भारतीय महिला जिम्नास्ट दीपा करमाकर का लक्ष्य पेरिस ओलंपिक में भाग लेने के साथ ही पदक जीतना है। दीपा सर्जरी से भी अब उबर गयी हैं और फिर हैं। दीपा ने कहा कि मैं अब पूरी तरह से फिट हूं। मैं अपना शत प्रतिशत दे रही हूं और अपने कोच बिश्वेश्वर नंदी के मार्गदर्शन में बेहतर प्रदर्शन के लिए मेहनत कर रही हूं। अक्टूबर में बेल्जियम में विश्व चैंपियनशिप में भाग नहीं ले पाने के कारण दीपा के लिए पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए क्वालीफाई करन कठिन रहेगा पर वह इसको लेकर सकारात्मक रहना चाहती हैं और अपने प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करना अब बहुत कठिन है। मैं प्रशिक्षण में अपना सर्वश्रेष्ठ दे रही हूं।गौरतलब है किपिछली बार सितंबर में हंगरी में विश्व चैलेंज कप में हिस्सा लेने वाली दीपा अब अगरतला में नंदी के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण ले रही हैं।

2025 में यूरोप की होंगी 12 टीमें

क्लब विश्वकप 2005 में शुरू हुआ था, लेकिन पिछले 19 संस्करणों में 13 बार फाइनल यूरोप और दक्षिण अमेरिकी टीमों के बीच हुआ है, लेकिन फीफा ने अगले वर्ष से क्लब विश्वकप को नए सिरे से कराने की घोषणा की है। जून, 2025 में अमेरिका में होने वाले 32 टीमों के क्लब विश्वकप में यूरोप की 12 टीमें होंगी, जबकि एशिया को चार टीमों को जगह दी गई है।

सूर्यकुमार चोटिल होने के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज से बाहर हुए

नई दिल्ली ।
भारतीय टीम के आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव चोटिल होने के कारण टीम से बाहर हो गये हैं। सूर्या इस कारण अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज से बाहर हो गये हैं। सूर्या के टखने में चोट लगी है और इससे उबरने में उन्हें छह सप्ताह लगने की संभावना है। वहीं अगले साल जून में होने वाले टी20 विश्वकप को देखते हुए सूर्या की चोट से भारतीय टीम की मुश्किलें और बढ़ गयी हैं क्योंकि टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या पहले ही चोटिल होने के कारण टीम से बाहर हैं। हार्दिक कब तक फिट हो पायेंगे इसकी अभी कोई जानकारी नहीं है।

सूर्यकुमार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आखिरी एकदिवसीय मैच के दौरान गेंद को रोकने समय ये चोट लगी थी। इस दौरान उनका पैर मुड़ गया था और इस कारण मेडिकल स्टाफ उन्हें बाहर लाया था। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, 'सूर्यकुमार अभी रिहैब के लिए नेशनल क्रिकेट एकेडमी में ही रहेंगे। मेडिकल साइंस टीम के अनुसार अभी वह डेढ़ से दो माह तक नहीं खेल पायेंगे।

इसी कारण वह अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज से भी बाहर हो गये हैं।'माना जा रहा है कि सूर्या को ठीक होने में तकरीबन छह सप्ताह का समय लगेगा। ऐसे में आईपीएल में खेलने से पहले वह फिटनेस टेस्ट के लिए फरवरी में रणजी ट्रॉफी में मुंबई की ओर से खेलेंगे।

रियल मैड्रिड ने ला लीगा मैच में अलावेस को 1-0 से हराया, लुकास वाजक्वेज ने दागा एकमात्र गोल

मैड्रिड।
लुकास वाजक्वेज (90+2वें मिनट) के एकमात्र गोल के दम पर 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रही रियल मैड्रिड की टीम ने यहां स्पेनिश फुटबाल लीग ला लीगा के मुकाबले में अलावेस को 1-0 से हराया। रियल मैड्रिड की टीम इस सत्र में सभी टूर्नामेंटों में खेलते हुए सिर्फ एक बार ही हारी है, लेकिन उसे इस मुकाबले में गोल करने के अधिक मौके बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ा। पहले हाफ तक दोनों टीमें गोल के लिए संघर्ष करती रहीं, लेकिन सफलता किसी को नहीं मिली। पहला हाफ गोलरहित रहा। दूसरे हाफ के 54वें मिनट में नाचो को रेड कार्ड मिलने के कारण मैदान से बाहर जाना पड़ा जिससे उनकी टीम रियल मैड्रिड को शेष मैच 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। हालांकि, मैच के इंजुरी समय में टॉनी क्रूस के पास पर लुकास ने बॉक्स के अंदर से हेडर से गोल करके टीम का 1-0 से खाता खोल दिया। इसके बाद टीम ने मैच को इसी अंतर से अपने नाम कर लिया। रियल मैड्रिड के कोच कार्लो एंसेलोटी ने मैच के बाद कहा कि यह एक बहुत मुश्किल मैच था। सभी को लग रहा था कि हम यह मैच हार सकते हैं। नाचो भी दूसरे हाफ में मैदान से बाहर हो गए, लेकिन टीम ने हार नहीं मानी और आखिर में जीत हासिल की।

चानू अब विश्वकप से ही वापसी करेंगी

नई दिल्ली।
भारत की शीर्ष महिला भारोत्तोलक मीराबाई चानू अब विश्वकप से ही वापसी करेंगी। चानू अगले साल फरवरी में होने वाली एशियाई चैम्पियनशिप से भी बाहर रहेंगी। चानू अभी पटियाला में 'रिहैबिलिटेशन की प्रक्रिया से गुजर रही हैं। वह अगले साल फरवरी में अमेरिका जाकर डाक्टर आरोन होर्शिग से भी सलाह लेंगी हैं। चानू ने कहा, 'चोट के कारण मैंने विदेश की यात्रा नहीं की। लेकिन उम्मीद है कि फरवरी में अपने फिजियोथेरेपिस्ट के पास मांसपेशियों की मजबूती और कुछ 'हाई परफोरमेंस ट्रेनिंग के लिए अमेरिका की यात्रा करूं।

उन्होंने कहा, 'वह मेरी काफी मदद करते हैं जिससे मेरा प्रदर्शन बेहतर भी होता है। विदेशी कोच की जरूरत नहीं है। एक अच्छा फिजियोथेरेपिस्ट आपको अच्छी ट्रेनिंग में मदद कर सकता है। एशियाई चैम्पियनशिप में नहीं खेलने से चानू की क्वालीफिकेशन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। वह इस समय ओलंपिक क्वालीफिकेशन रैंकिंग में दूसरे स्थान पर हैं। पेरिस ओलंपिक क्वालीफिकेशन नियमों के अनुसार एक भारोत्तोलक को 2023 विश्व चैम्पियनशिप और 2024 विश्व कप (थाईलैंड के फुकेट में 31 मार्च से 11 अप्रैल तक) में हिस्सा लेना अनिवार्य है। इन दोनों टूर्नामेंट के अलावा एक भारोत्तोलक को 2023 और 2024 महाद्वीपीय चैम्पियनशिप, 2023 ग्रां प्री एक और 2023 ग्रां प्री दो में से किसी तीन में हिस्सा लेना जरूरी है।

एस्टन विला और शेफील्ड यूनाइटेड का मैच ड्रॉ,

शीर्ष पर पहुंचने से चूके, निकोलो-आर्चर ने दागे गोल

लंदन ।
निकोलो जानियोलो द्वारा 97वें मिनट में दागे गए बराबरी के गोल की बदौलत एस्टन विला ने प्रीमियर लीग के मैच में शेफील्ड यूनाइटेड को 1-1 से ड्रॉ पर रोक दिया, लेकिन उनाई एमरी की टीम प्रीमियर लीग की अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंचने का मौका चूक गई। इससे पहले शेफील्ड के लिए कैमरन आर्चर ने अपने पूर्व क्लब के खिलाफ 87वें मिनट में गोल करके अपनी टीम को बढ़त दिला दी थी। लेकिन फिर सब्सटिट्यूट के तौर पर आए जानियोलो ने बराबरी का गोल दाग विला के अजेय घरेलू रिकॉर्ड को बरकरार रखा, लेकिन पूरे अंक अर्जित नहीं कर सकी। उसे अपने घर में पहली बार अंक बांटने पड़े।

इससे पहले विला पार्क में पिछले 15 मैचों में एस्टन ने जीत हासिल की थी और सभी मैचों में तीन अंक और कुल मिलाकर 45 अंक अर्जित किए थे। शेफील्ड को लगा कि इस मैच में वह

तीन अंक अर्जित कर लेंगे, लेकिन एस्टन विला ने ऐसा होने नहीं दिया और शेफील्ड को एक अंक से संतोष करना पड़ा। फरवरी के बाद विला पार्क में पहली बार एस्टन विला को भी एक अंक से संतोष करना पड़ा है।

मैच के बाद एस्टन विला के मैनेजर एमरी ने कहा- मैंने एक अच्छा मैच देखा। दो टीमें अपने विचार के साथ खेलने की कोशिश कर रही थीं। हमने ड्रॉ किया। हमने यहां काफी मैच जीते हैं। कभी-कभी हम जानते हैं कि नतीजे बदल सकते हैं और यह हुआ। लेकिन मैं बहुत खुश हूं, मुझे उन खिलाड़ियों पर गर्व है जो यहां थे जब हम जीत रहे थे और अब जब हमने ड्रॉ खेला। हमें इसे स्वीकार करना होगा और मैं खुश हूं।

यह पूछे जाने पर कि क्या एस्टन विला के लिए नतीजे बेहतर हो सकते थे एमरी ने कहा, हां, हमने एक गोल किया। पहले हाफ में खेल पर नियंत्रण रखा, जैसा कि हमने तैयारी की थी। हमने गेंद हासिल करने की भी कोशिश की, हमें यह मिल गया। एस्टन विला 18 फरवरी (2-4 बनाम आर्सेनल) के बाद पहली बार प्रीमियर लीग घरेलू गेम जीतने में विफल रहा। यह सिर्फ दूसरी बार था जब वे विला पार्क में लीग गेम में पिछड़ गए थे यानी विपक्षी टीम ने पहले गोल दागा। एस्टन विला ने शेफील्ड यूनाइटेड के खिलाफ खेले गए मैच में 77.6 प्रतिशत बॉल पजेशन रखा जो प्रीमियर लीग मैच में रिकॉर्ड (2003-04 के बाद से) उसका सर्वाधिक पजेशन है। शेफील्ड यूनाइटेड ने 78वें मिनट तक इस मैच में एक भी शॉट का प्रयास नहीं किया, हालांकि उनके पास अंतिम 15 मिनट के खेल में एस्टन विला (4) की तुलना में अधिक प्रयास (5) थे। एस्टन विला का अगला मैच 26 दिसंबर को मैनचेस्टर यूनाइटेड से है। इसके बाद यह टीम 30 दिसंबर को बर्नले की मेजबानी करेगी। बॉक्सिंग डे पर शेफील्ड यूनाइटेड भी एक्शन में होगा और उनका सामना ल्यूटन से होगा। यह टीम फिर शनिवार 30 दिसंबर को मैनचेस्टर सिटी से भिड़ेगी।

हरमीत ने जीता दूसरा राष्ट्रीय खिताब, फाइनल में साथियान को दी शिकस्त; पोयमंती को पहली ट्रॉफी

नई दिल्ली । शीर्ष वरीय हरमीत देसाई ने यहां ताऊ देवी लाल इंडोर स्टेडियम में 85वीं यूटीटी सीनियर राष्ट्रीय और अंतरराज्यीय टेबल टेनिस चैंपियनशिप में दूसरे वरीय जी साथियान को 4-3 से हराकर अपना दूसरा पुरुष एकल खिताब हासिल किया। महिला एकल वर्ग का खिताब पोयमंती बैस्य ने हासिल किया। रेलवे की इस खिलाड़ी ने अयहिका मुखर्जी को 4-2 से पराजित किया। पेट्रोलियम खेल संवर्धन बोर्ड के हरमीत ने पिछले सत्र में जम्मू में अपना पहला राष्ट्रीय खिताब जीता था। उनके और साथियान के समान दो राष्ट्रीय खिताब हैं। महिला वर्ग में गत चैंपियन श्रीजा अकुला सेमीफाइनल में युवा पोयमंती से 2-4 से हारकर बाहर हो गई थीं।

जानकारी

पके से ज्यादा फायदेमंद है कच्चा केला

फलों और सब्जियों में बढ़ते पेस्टीसाइड्स का प्रयोग लोगों में भय पैदा कर रहा है। इससे किसी बीमारी का शिकार होने का डर रहता है। ऐसे ही कुछ लोगों के दिमाग में यह भी शंका रहती है कि केले को केमिकल से पकाया जाता है, जिससे वह हानिकारक हो जाता है। अगर आप भी ऐसा ही कुछ सोचते हैं तो आप कच्चा केला भी खा सकते हैं, क्योंकि कच्चे केले में भरपूर मात्रा में पोटैशियम पाया जाता है जो कि आपके शरीर के इम्यून सिस्टम को तो मजबूत बनाता है साथ ही आपको दिनभर एक्टिव भी बनाए रखता है। इसके साथ ही इसमें विटामिन बी6, विटामिन सी, एंटी-ऑक्सीडेंट्स पाया जाता है जो कि कोशिकाओं को पोषण देता है। इसके और भी कई लाभ हैं।

कब्ज से निजात

इसका सेवन करने से हमारी शरीर की आंत में जमी विषाक्त तत्वों को शरीर से बाहर निकाल देता है। क्योंकि इस समस्या के कारण आपको कब्ज की समस्या हो जाती है। इसलिए इससे बचने के लिए इसका सेवन जरुर करना चाहिए।

वजन घटाए

इसमें फाइबर्स भरपूर मात्रा में पाया जात है। इसका रोजाना सेवन करने से आपको जल्द ही मोटापा से निजात मिल सकता है। ये शरीर में मौजूद अनावश्यक फैट सेल्स और अशुद्धियों को साफ करने में मददगार होते हैं। जिसके कारण आपका फैट आसानी से बर्न हो जाता है।

डायबिटीज कंट्रोल करे

अगर आपको डायबिटीज की समस्या है और अपनी शुरुआत ही है तो कच्चे केला का सेवन करना आपके लिए लाभकारी हो सकता है। जिसके कारण ये आपको डायबिटीज को कंट्रोल करमे में मदद करता है।

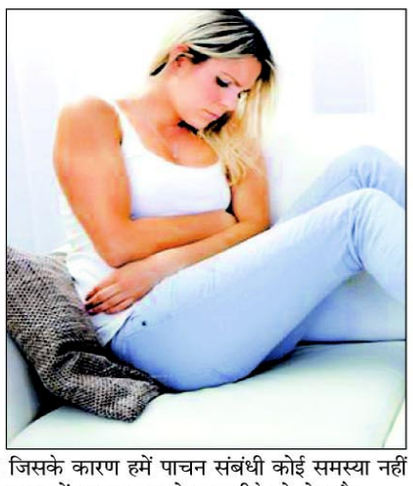

पेट को रखे हेल्दी

कच्चा केला हमारी पेट के लिए भी काफी फायदेमंद है। इसका सेवन करने से यह हमारके पेट को भरा रखता है। जिसके कारण हमें पाचन संबंधी कोई समस्या नहीं होती है। साथ ही ये पाचक रसों का स्त्रावण बेहतर तरीके से होता है।

हड्डियों को करें मजबूत

कच्चे केले में अधिक मात्रा में कैल्शियम भी पाया जाता है जो कि आपके शरीर की हड्डियों को मजबूत रखता है।

बस करें ये छोटा सा आसान उपाय, कभी नहीं आएगा बुढ़ापा

जिंदगी की शाम जब ढलने लगती है तो न सिर्फ शरीर में ढेरों बीमारियां अपना घर बना लेती हैं, बल्कि जीवन में एक सूनापन भी छा जाता है। हमारे देश में बहुत कम ऐसे लोग हैं, जो 60 साल की उम्र में भी उसी जीवंतता के साथ जीवन व्यतीत करते हैं। योग के सहारे इस उम्र में भी खुद को शारीरिक व मानसिक रूप से दुरुस्त रख सका जा सकता है।

वैसे तो उम्र ड़ाव पर ही योग के अनेक फायदे हैं, लेकिन स्त्रियों को तो योग के ज़रिये अतिरिक्त फायदा पहुंचता है। उम्र के अलग-अलग दौर में विभिन्न प्रकार के हॉर्मोनल बदलाव होते हैं।

ऐसे में अपनी स्ट्रेंथ बढ़ाने, बीमारियों को दूर करने, हड्डियों की उम्र बढ़ाने, माइंड को शार्प करने और अपनी स्किन की टाइटनिंग और ग्लो को बनाए रखने के लिए योग का रास्ता अपना सकते हैं। ये दो प्राणायाम अपने आप में ही संपूर्ण हैं।

कपालभाति

इसके नियमित अभ्यास से आप लंबे समय तक निरोगह सकते हैं। दरअसल, इस प्रणायाम के दौरान जब हम गहरी सांस भरते हैं तो शुद्ध वायु हमारे खून के दूषित पदार्थों को बाहर निकाल देती है और शुद्ध रक्त शरीर के सभी अंगों में जाकर उन्हें पोषण प्रदान करता है। इस प्राणायाम को करने के लिए किसी भी आसन में बैठ जाएं। अब दाहिने हाथ के अंगूठे से नासिका के दाएं छिद्र को बंद कर लें और बाएं छिद्र से चार तक की गिनती में सांस को भरें और फिर बायीं नासिका को अंगूठे के बगल वाली दो उंगलियों से बंद कर दें।इसके बाद दायीं ओर से अंगूठे को हटा दें और सांस को बाहर छोड़ें। आप इसको अपनी क्षमता के अनुसार पांच मिनट से पंद्रह मिनट तक कर सकते हैं।

लिवर को दुरुस्त रखना है तो पिएं चुकंदर का जूस

लिवर हमारे शरीर का बहुत महत्वपूर्ण अंग है। लिवर शरीर के कई कामों को नियंत्रित रखता है। अगर लिवर खराब हो जाए तो ये गंभीर बीमारी का कारण बन सकता है। इसे दुरुस्त रखने के लिए हम कुछ खास पेय का सेवन कर सकते है। आइए जानते है

1 चुकंदर का जूस

चुकंदर के जूस का सेवन करने से लीवर में पैदा विषैले तत्व बाहर निकल जाते है। लीवर को स्वस्थ बनाए रखने के लिए चुकंदर के जूस का उपयोग करना बहुत जरुरी होता है7

2 नींबू का जूस

लीवर को साफ रखने के लिए नींबू के जूस का इस्तेमाल करना बहुत लाभदाई है7 इसमें कम शुगर पाई जाती है7 इसके सेवन से लीवर में पैदा गंदगी भी दूर हो जाती है।

3. अनानास का जूस

विटामिन और खनिज से भरपूर अनानास के जूस शरीर के लिए स्वास्थवर्धक होता है। इसमें विटामिन सी, बीटा कैरोटीन, तांबा, जस्ता, एंटी-इंफेलेमेटरी पाचन एंजाइम और फोलेट पाए जाते है जो लीवर स्वस्थ रखते है7

4. पालक का जूस

पालक में पोटेशियम, मैग्नीशियम, मैंगनीज, कैरोटीन और फोलिक एसिड भरपूर मात्रा में पाए जाते है। ये पत्तेदार हरी सब्जी पौष्टिक तत्वों से अधिक होती है। इसका सेवन करने शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होता है।

सुझाव

रोज खाएं एक आंवला फिर देखें कमाल

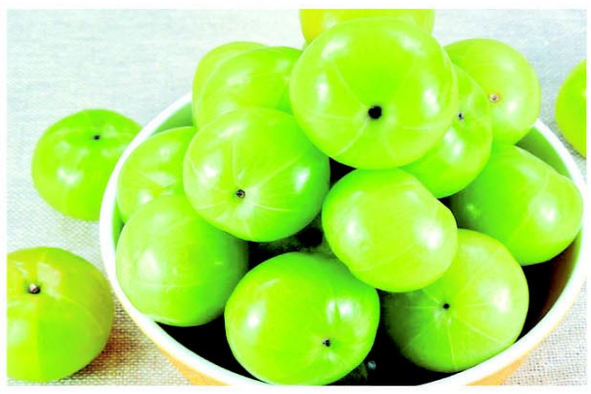

किसी ने सच ही कहा है कि बड़े बुजुर्गो का कहा और आंवले का खाया बाद में पता चलता है। जी हां, धरती पर आंवला किसी वरदान से कम नहीं है। आंवला एक ऐसा फल है, जिसमें भरपूर मात्रा में एंटी ऑक्सीडेंट, पोटैशियम, कार्बोहाइड्रेट ,फाइबर ,प्रोटीन ,विटामिन्स ,मैग्नीशियम, आयरन भरपूर मात्रा में पाया जाता है। अगर आप इसको गर्म करके भी खाएं तो भी इसमें मौजूद विटामिन खत्म नहीं होते। आंवला का सेवन करने से कई तरह की बीमारियां दूर होती है और यह अच्छे स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी होता है।

मोटापा: आजकल हर दूसरा व्यक्ति मोटापे से जूझ रहा है। जिसका सबसे बड़ा कारण आजकल का लाइफस्टाइल है। इस समस्या को दूर करने के लिए आप अपनी डाइट में रोज एक आंवला खाना शुरू करें जिससे मेटाबॉलिज्म बढ़ता है और वजन तेजी से कम होने लगता है।

कमजोरी: यदि आप कमजोरी महसूस करते हैं। थोड़े-से काम करने पर थक जाते हैं तो एक माह तक लगातर एक कच्चा आंवला खाकर देखें। इससे जो फायदा होगा, उससे आप खुद हैरान रह जाएंगे। दरअसल, आंवले में विटामिन सी मात्रा ज्यादा पाई जाती है, जिसके चलते एनर्जी बढ़ती है और धीरे-धीरे कमजोरी दूर हो जाती है।

चेहरा चमकाए: आंवला में विटामिन ए होता है, जो कोलेजन बनने के लिए बहुत जरूरी है। इससे त्वचा टाइट रहती है। आंवला सुबह खाली पेट लेने से शरीर में कोलेजन की कमी दूर होती है। इसके सेवन से मुंहासे और झुर्रियों की समस्या भी कम हो जाती है।इसे खाने से बॉडी के टॉक्सिन्स दूर होते हैं जिससे फेस पर ग्लो आता है।

डायबिटीज: आंवला डायबिटिज के लिए फायदेमंद माना जाता है। रोजाना आंवला का सेवन करने से खून में शुगर की मात्रा नियंत्रित रहती हैं। साथ ही आंवला खराब कोलेस्ट्रोल को खत्म कर अच्छे कोलेस्ट्रोल को बनाने में मदद करता हैं।

जोड़ो का दर्द: आंवले में एंटी इंफ्लेमेटरी तत्व होते हैं, जो जोड़ों के दर्द के साथ अन्य तरह के दर्द में राहत देते हैं। यदि आपके शरीर में हमेशा दर्द रहता है या आपको जकडन की शिकायत है तो यकीन मानिए, आंवले से आपको किसी भी तरह के दर्द से छुटकारा मिल जाएगा।

बालों के लिए वरदान: बालों की किसी भी तरह की परेशानी को आंवला झटपट खत्म कर देता है। इसीलिए कई लोग इसकी पेस्ट को बालों में लगाते हैं लेकिन इसके सेवन से भी बाल हेल्दी होते हैं। असल में आंवले में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स सें बालों की चमक बढ़ती है।

पाचन क्रिया में मदद : आंवले का सेवन करने से खाना आसानी से पच जाता है। इसलिए खाने में रोजाना आंवले की चटनी, मुरब्बा,अचार ,रस, चूर्ण आदि शामिल करें। इससे कब्ज की समस्या भी ठीक हो जाती है।

शरीर के इन 5 हिस्सों को दबाने से कम हो सकता है आपका मोटापा

आज के दौर में मोटापा सभी के लिए एक बड़ी समस्या साबित हो रही है. हर कोई चाहता है कि वह अपने मोटापे से जल्द से जल्द निजात पा ले. इसके लिए वह डाइटिंग से लेकर एक्सरसाइज तक करते हैं. बावजूद इसके उन्हें मन मुताबिक परिणाम नहीं मिलता. हम में से बहुत कम लोगों को पता है कि मोटापा कम करने के लिए आपके शरीर में ही पांच ऐसे प्वाइंट्स है जो आपके लिए मददगार साबित होंगे. आज हम आपको उन पांच प्वाइंट्स के बारे में बताने जा रहे हैं जिनकी मदद से आप मोटापा कम कर सकते हैं...

कान के सामने का हिस्सा

डॉक्टरों के अनुसार आप ईयर केनाल (कान) के सामने के हिस्से को दबाने से आपको मोटापा कम करने में मदद मिलेगी. एक शोध के अनुसार अगर आप इस हिस्से को रोजाना दो से तीन मिनट तक दबाएं तो आपको काफी फायदा महसूस होगा.

टखने के नीचे का हिस्सा

आपके घुटने या टखने के नीचे के हिस्से को दबाने से भी आपका मोटापा कम होगा.आप अपनी अंगुली और अंगूठे की मदद से इस हिस्से को रोजाना एक मिनट तक दबाएं. ऐसा करने से आपका डाइजेशन ठीको होता है और आपका वजन कम होता है.

हाथ की पथेली को दबाने से

डॉक्टरों के अनुसार आप अगर मोटापा कम करना चाहते हैं तो आपको अपने हाथ की हथेली पर अंगूठे के पास ऊभरे हिस्से को दबाना चाहिए. आप रोजाना इस हिस्से को कम से कम दो मिनट तक दबाएं. ऐसा करने से आपका मोटापा कम होगा. आप पैर के अंगूठे के पास के हिस्से में भी ऐसा ही कर सकते हैं.

नाभी के पास के हिस्से पर

आप मोटापा को कम करने के लिए इस विधि को भी अपना सकते हैं. इसके लिए आपको नाभी से ठीक नीचे के हिस्से पर दोनों हाथ की दो-दो अंगुली से प्रेसर देना है. आप ऐसा अगले कुछ मिनट तक कर सकते हैं. ऐसा करने से भी आपका डाइजेशन सुधरेगा और आपका मोटापा कम होगा.

कोहनी के जोड़ के ऊपरी हिस्से को

आप अपने कोहनी के जोड़ के ऊपरी हिस्से को भी दबाकर अपने मोटापे पर काबू पा सकते हैं. आप अपनी अंगुली से इस प्वाइंट पर पांच से सात मिनट तक प्रेसर दें. ऐसा आप दोनों हाथ पर कर सकते हैं.

देखभाल

आर्टिफिशियल ज्वेलरी का इस्तेमाल करती हैं, तो इन बातों का रखें ध्यान

आर्टिफिशियल ज्वेलरी ज्यादातर महिलाओं की पहली पसंद होती है। ऐसा इसलिए क्योंकि महिलाएं फैशन के साथ अप टू डेट रहना चाहती हैं और वह ओरिजनल के साथ संभव नहीं है।

यही कारण है कि ज्यादातर महिलाएं आर्टिफिशियल ज्वेलरी को प्राथमिकता देती हैं। लेकिन अगर आर्टिफिशियल ज्वेलरी का रख-रखाव सही से नहीं किया गया तो वह जल्द ही खराब हो जाएंगी और आप उन्हें ज्यादा दिनों तक यूज नहीं कर पाएंगी। जानिए कि आर्टिफिशियल ज्वेलरी यूज करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

इन बातों का रखें ध्यान

- आर्टिफिशियल ज्वेलरी को रोज यूज नहीं करना चाहिए
- रोज पहनने से इसकी चमक फीकी पड़ जाती है
- आर्टीफिशियल ज्वेलरी का रख-रखाव सावधानी से करना चाहिए
- इन्हें हमेशा कॉटन, बटर पेपर, वेलवेट बॉक्स या जिप लॉक बैग में रखना चाहिए
- फैशन नेकलेस को हमेशा वर्टिकल रूप में लटका कर रखें
- आर्टीफिशियल ज्वेलरी को लंबे समय तक टिकाऊ बनाए रखने के लिए इस्तेमाल के बाद साफ करें
- ज्वेलरी हमेशा मुलायम कपड़े से साफ करें
- ज्वेलरी को अमोनिया, एल्कोहल, विनेगर या एसिड युक्त क्लीनर से साफ न करें

रेसिपी

बिना बैगन भूनें घर में ऐसे बनाएं बैगन का भरता

ऐसे बनाए

बैगन का भरता बनाने के लिए सबसे पहले बैंगन को छीलकर छोटे- छोटे टुकड़ों में काट लें

इसके बाद बैगन के टुकड़ों को पानी में डालकर रखें, जिससे वह काला न पड़े

पैन को गैस पर चढ़ाएं। गर्म होने पर इसमें तेल डालें और जीरा का तड़का लगाएं

इसके बाद हींग, हल्दी पाउडर, हरी मिर्च, अदरक डालें और मसाला भून लें

मसाला भुन जाने के बाद टमाटर, लाल मिर्च पाउडर और धनिया पाउडर डालें और अच्छे से भूनें

ऐसे बनाए

जब यह अच्छे से भुन जाएं तो इसमें शिमला मिर्च डालकर मिक्स करें

इसके बाद इसमें बैगन के टुकड़े डालकर नमक डालें

सब चीजों को अच्छे से मिक्स करते हुए अच्छे से भूनें

जब बैगन में मसाला अच्छी तरह मिल जाए तो इसे ढककर 4-5 मिनट तक पकाएं

ढकने के बाद थाली पर थोड़ा पानी डाल दें।

ऐसा करने से बैगन भाप से अच्छे से पक जाएगा

पकने के बाद इसे अच्छे से मैश करके गैस बंद कर दें

इस तरह तैयार है बैगन का भरता

टोर्टीला

सामग्री

1 कप मकई का आटा

1/4 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर

1/4 टी-स्पून अजवायन , ऐच्छिक

2 टी-स्पून तेल

नमक स्वादअनुसार

1/4 टी-स्पून तेल , आटा गूंथने के लिए

मकई का आटा , बेलने के लिए

विधि

मकई का आटा, लाल मिर्च पाउडर, अजवायन, 1 टी-स्पून तेल और नमक को एक बाउल में मिलाकर, गरम पानी का प्रयोग कर नरम आटा गूंथ लें। 10 मिनट के लिए रख दें। बचे हुए 1 टी-स्पून तेल का प्रयोग कर दुबारा गूंथ लें। 4 बराबर भाग में बांटकर प्रत्येक भाग को 2 प्लास्टिक शीट के बीच रखकर, 250मि.मी। (10) व्यास के गोल आकार में बेल लें। टोर्टीला को आसानी से बेलने के लिए थोड़ा सूखा आटा छिड़कें। एक तवा या कढ़ाई को उलटा रखकर गरम करें और गरम होने पर, हल्के हाथों से रोटी रखें, इस बात का ध्यान रखें कि किनारे मूड़ ना जाए ऊपरी परत पर छोटे दाग आने तक पका लें। रोटी को पलट कर और कुछ सेकेंड तक पका लें। बचे हुए आटे का प्रयोग कर 3 और रोटी बनाएं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**